हिन्दी दैनिक

विशाल विचार

हर खबर पर पैनी नजर

कानपुर से प्रकाशित

वर्ष : 01 अंक : 03 | लखनऊ, शुक्रवार 21 फरवरी 2025 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 5.00 रुपया

2 जिलाधिकारी की अध्यक्षता में...

3 बजटः यूपी के समग्र विकास का ....

5 गंगा के जल में स्वयं को शुद्ध कर लेने ...

रेखा गुप्ता ने दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री के तौर पर ली शपथ, पीएम मोदी-अमित शाह मौजूद

आरएनएस

नई दिल्ली। दिल्ली में नई सरकार का गठन हो गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उनके कैबिनेट ने गुरुवार को रामलीला मैदान में शपथ ली। उप राज्यपाल विनय सक्सेना ने मुख्यमंत्री और सभी मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री समेत कुल सात सदस्यीय नई कैबिनेट में मुख्यमंत्री इकलौती महिला हैं।

शालीमार बाग से पहली बार भाजपा विधायक बनीं रेखा गुप्ता ने आज दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। बीजेपी 27 साल बाद राष्ट्रीय राजधानी में सत्ता में लौटी है। सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित और आतिशी के बाद वह अब दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री हैं। 50 वर्षीय गुप्ता ने 5 फरवरी को हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव में अपनी आम आदमी पार्टी (आप) प्रतिद्वंद्वी बंदना कुमारी के खिलाफ 29,000 से अधिक वोट हासिल करके शालीमार बाग सीट जीती। काम ही पहचान (मेरा काम ही मेरी पहचान है), एक टैगलाइन है जिसे वह अपनी वेबसाइट पर अपने अभियानों के लिए उपयोग करती है। उनके मंत्रिपरिषद में प्रवेश वर्मा, आशीष सूद, पंकज सिंह, मनजिंदर सिंह सिरसा, कपिल मिश्रा और रविंदर इंद्राज शामिल हैं, जो रामलीला मैदान में मेगा समारोह में शपथ लेंगे। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्रियों और पार्टी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों सहित अन्य शीर्ष भाजपा नेता इस समारोह में पार्टी के मेगा शक्ति प्रदर्शन के रूप में भाग ले रहे हैं क्योंकि यह लगभग तीन दशकों के बाद सत्ता में लौटी है।

शपथ ग्रहण समारोह के बाद एनडीए गठबंधन की एक अहम बैठक भी होगी जिसमें पीएम मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और अन्य केंद्रीय मंत्री शामिल होंगे।मनोनीत मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा द्वारा उन्हें इस पद के लिए चुना जाना प्रधानमंत्री के महिला सशक्तीकरण के दृष्टिकोण को दर्शाता है। उन्होंने गुरुवार सुबह कहा महिलाओं के प्रति पीएम मोदी के दृष्टिकोण और सकारात्मकता ने इसे संभव बनाया है। इतनी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए एक मध्यम वर्ग की महिला को चुनना एक बड़ा निणर्य है, और मैं मुझ पर विश्वास करने के लिए शीर्ष नेतृत्व को गहराई से धन्यवाद देती हूं। उन्होंने मुझे यह बड़ी जिम्मेदारी दी है, और मैं इसे समर्पण के साथ पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हूं।

रेखा गुप्ता की नई कैबिनेट कैसी है दिल्ली सरकार के नए नवेले मंत्री कितने पढ़े लिखे हैं राजनीति से इतर इनका पेशा क्या है किसके पास कितनी संपत्ति है नई कैबिनेट कितनी उम्रदराज है रेखा गुप्ता सरकार के दो मंत्री परासनतक, दो सनतक, दो पेशेवर सनतक हैं। वहीं, मनजिंदर सिंह सिरसा कैबिनेट में सबसे कम पढ़े-लिखे मंत्री हैं। सिरसा 12वीं पास हैं। दो सनतक मंत्रियों में जनकपुरी से जीते आशीष सूद और बवाना से जीते रविंद्र इंद्रराज सिंह शामिल हैं। रविंद्र इंद्रराज सिंह ने बीए किया है, वहीं आशीष सूद के पास बीकॉम की डिग्री है। पेशेवर सनतक मंत्रियों में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और विकासपुरी से जीते पंकज कुमार सिंह शामिल हैं।

विधान सभा में वित्त मंत्री ने पेश किया आठ लाख करोड़ से अधिक का ऐतिहासिक बजट

युवाओं को ब्याज मुक्त लोन, छात्राओं को स्कूटी, चार नए एक्सप्रेस-वे बनाने की घोषणा

आरएनएस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार का 9वां बजट गुरुवार को पेश किया गया। वित्त मंत्री सुरेश खनन ने आठ लाख, आठ हजार 736 करोड़ का बजट पेश किया। वित्त मंत्री ने विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2025-2026 के लिए बजट में कई बड़े एलान किए हैं। यूपी सरकार ने इस बजट में युवाओं को लुभाने के लिए कई घोषणाएं की हैं।

युवाओं को नौकरियों के साथ स्टार्टअप और उद्योग के लिए ब्याजमुक्त लोन देने का प्रावधान किया गया है। साथ ही छात्राओं को स्कूटी देने का प्रावधान किया गया है। साथ ही प्रदेश में यातायात को सुगम करने के लिए चार नए एक्सप्रेसवे का निर्माण कराया जाएगा। इसके अलावा राजकीय एवं निजी क्षेत्र के मेडिकल कालेजों/चिकित्सा संस्थानों/ विश्वविद्यालयों स्थापित करने के लिए भी बजट में व्यवस्था की गई है। वर्ष 2017 से दिसम्बर 2024 तक आरक्षी एवं समकक्ष, उप निरीक्षक एवं समकक्ष तथा लिपिक संवर्ग आदि के विभिनन् पदों पर कुल 1,56,206 भतिर्यां की गई।वर्तमान में अराजपत्रित श्रेणी के विभिनन् पदों पर सीधी भर्ती के 92.919 पदों पर भर्ती हेतु कार्यवाही

प्रचलित है।लगभग 96 लाख एमएसएमई इकाइयों की संख्या तथा 1.65 करोड़ लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने के दृष्टिकोण से उत्तर प्रदेश देश के सभी राज्यों में अग्रणी है।वर्तमान में प्रदेश में राजकीय एवं निजी क्षेत्र के मेडिकल कालेजों/चिकित्सा संस्थानों/ विश्वविद्यालयों में एमबीबीएस की 11,800 सीटें और पीजी की 3971 सीटें उपलब्ध है। केन्द्र सरकार ने वर्ष 2025-2026 में यूजी पीजी की कुल 10,000 सीटें जोड़े जाने की घोषणा की गई है, जिसमें से 1500 सीटें उत्तर प्रदेश को प्राप्त होंगी। इसके लिए लगभग 2066 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।ार्ष 2017 में सरकारी मेडिकल कॉलेजों में सुपर स्पेशियलिटी की कुल सीटों की संख्या 120 थी। शैक्षणिक सत्र 2024-2025 में सीटों की संख्या को बढ़ाकर 250 किया गया।जनपद बलिया तथा बलरामपुर में स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय की स्थापना हेतु क्रमशः 27 करोड़ रुपये तथा 25 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण नीति 2017 के अन्तर्गत 23.203 करोड़ रुपये तथा उत्तर प्रदेश सूचना प्रौद्योगिकी नीति-20217 के अन्तर्गत 7,004 करोड़ रूपये का निवेश प्रदेश में हुआ है।प्रदेश सरकार की डाटा सेन्टर नीति के अन्तर्गत पूर्व लक्षित 03 डाटा सेन्टर पार्क्स के स्थान पर संशोधित नीति के अन्तर्गत प्रदेश में 30,000 करोड़ रूपये के अनुमानित निवेश से 08 डाटा सेन्टर पार्क्स की स्थापना तथा 900 मेगावॉट क्षमता का लक्ष्य रखा गया है।सेमीकण्डक्टर क्षेत्र में वैश्विक निवेशकों को आकर्षित करने के लिए यूपी सेमीकंडक्टर नीति, 2024 प्रख्यापित की गई है। सेमीकंडक्टर इकाइयों के लिए डेडीकेटेड प्रावधान आरंभ करने वाला उत्तर प्रदेश चौथा राज्य है।राज्य में 8 स्टेट ऑफ आर्ट सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स के केन्द्रों की स्थापना के अन्तर्गत प्रथम सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स का केन्द्र मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइन्सेज में तथा आई.आई.टी. कानपुर नोएडा परिसर में आर्टिफिशियल इन्टेलिजन्स के क्षेत्र में एवं आई.आई.टी. कानपुर परिसर में ड्रोन सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स स्थापित होकर परिचालनरत हो गये हैं।

जब वर्ष 2017 में हमने कार्यभार सम्भाला था उस समय प्रदेश में औद्योगिक विकास पूरी तरह से रूका पड़ा था। उद्योग प्रदेश से विस्थापित हो रहे थे। उस समय कोई यह कल्पना भी नहीं कर सकता था कि प्रदेश में उद्योग-धन्धे आयेंगे भी, परन्तु दृढ़ संकल्प, आत्मविश्वास और लक्ष्य प्राप्ति के अथक प्रयासों से कुछ भी सम्भव है। राज्य सरकार ने यूपी में चार नए एक्सप्रेस-वे के निर्माण का फैसला लिया है।आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे से गंगा एक्सप्रेस-वे कौसिया, जनपद हरदोई वाया फर्रुखाबाद तक प्रवेश नियंत्रित ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे का निर्माण कराया जाएगा, जिसके लिये 900 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।गंगा एक्सप्रेस-वे को प्रयागराज, मिर्जापुर, वाराणसी, चंदौली होते हुए सोनभद्र से जोड़ने के लिए विन्ध्य एक्सप्रेस-वे के निर्माण के लिएं 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।मेरठ को हरिद्वार से जोड़ने हेतु गंगा एक्सप्रेस-वे विस्तारीकरण एक्सप्रेस-वे का निर्माण प्रस्तावित है जिसके लिए 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था कराई जा रही है।बुन्देलखण्ड रीवा एक्सप्रेस-वे का निर्माण निर्माण प्रस्तावित है जिसके लिए 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था कराई जा रही है।बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के साथ डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरीडोर परियोजना हेतु लगभग 461 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। इसके अन्तर्गत लगभग साढ़े नौ हजार करोड़ रुपये का निवेश अनुमानित है।उत्तर प्रदेश की योगी सरकार का 9वां बजट गुरुवार को पेश किया गया। वित्त मंत्री सुरेश खनन ने आठ लाख, आठ हजार 736 करोड़ का बजट पेश किया। वित्त मंत्री ने विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2025-2026 के लिए बजट में कई बड़े एलान किए हैं। यूपी सरकार ने इस बजट में किसानों का भी विशेष ध्यान रखा है। किसानों के लिए कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, गनन विकास एवं चीनी उद्योग के साथ उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण के लिए कई एलान किए हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने अपने नागरिकों को असम की यात्रा न करने की सलाह वापस ली-सीएम

आरएनएस

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने गुरुवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया की तरफ से अपने नागरिकों को असम की यात्रा न करने की सलाह वापस ले ली गई है, लेकिन उन्हें उन चार जिलों में न जाने को कहा गया है, जहां सशस्त्र बल विशेषाधिकार अधिनियम (अफ्सपा) लागू है। सीएम सरमा ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया से पर्यटक अब राज्य के उन सभी हिस्सों में आ सकते हैं, जहां अफ्सपा लागू है। ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग ने हमें आश्वासन दिया है कि यदि इन चार जिलों से अफ्सपा हटा लिया जाता है, तो वे पूरे राज्य से प्रतिबंध हटा देंगे।' ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी ने कानून और व्यवस्था की स्थिति के कारण अपने नागरिकों को राज्य में यात्रा न करने की सलाह जारी की थी। उन्होंने कहा, 'हमें उम्मीद है कि जर्मनी भी जल्द ही यात्रा प्रतिबंध हटा देगा।' मुख्यमंत्री ने कहा कि 35 मिशनों के प्रमुखों ने 24 फरवरी से शुरू होने वाले आगामी दो दिवसीय व्यापार शिखर सम्मेलन - एडवांटेज असम में अपनी भागीदारी की पुष्टि की है और यह संख्या 50 तक जा सकती है। विदेशी दूतों का प्रतिनिधिमंडल 23 फरवरी को आएगा और उसी दिन काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान का दौरा करेगा, जबकि अगले दिन वे चाय जनजाति समुदाय के नृत्य 'झुमोर बिनंदिनी' का विश्व रिकॉर्ड देखेंगे और 25 फरवरी को व्यापार शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री कार्यालय ने मिशन प्रमुखों को राज्य में लाने के लिए एक विशेष विमान की व्यवस्था की है और इसका खर्च विदेश मंत्रालय वहन करेगा। उन्होंने कहा कि पीएमओ और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने विदेशी दूतों के प्रतिनिधिमंडल की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए विशेष पहल की है। उन्होंने कहा कि पांच देशों - सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड, भूटान और जापान - के एक उच्च स्तरीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल ने शिखर सम्मेलन में अपनी भागीदारी की पुष्टि की है, जबकि मलेशिया भी इसमें शामिल हो सकता है। सीएम सरमा ने कहा, 'शिखर सम्मेलन से पहले इन देशों में रोड शो आयोजित करने से लाभ मिला है।'

हाईकोर्ट के मौजूदा जजों के खिलाफ शिकायतों पर विचार करने के लोकपाल के आदेश पर रोक, सुप्रीम कोर्ट का फैसला

आरएनएस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के खिलाफ दिए गए लोकपाल के आदेश पर

रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने इस नाराजगी जाहिर करते हुए बताया कि ये बहुत परेशान करने वाली बात है। सुप्रीम कोर्ट ने न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर चिंता जाहिर की। सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। साथ ही लोकपाल रजिस्ट्रार और उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की शिकायत करने वाले शिकायतककर्ता को भी नोटिस जारी किया है। दरअसल लोकपाल ने उच्च न्यायालय के मौजूदा न्यायाधीश के खिलाफ शिकायत पर सुनवाई की। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए इस मुद्दे पर सुनवाई की कि क्या उच्च न्यायालय के न्यायाधीश भारत के लोकपाल के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं या नहीं

जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस अभय ओक की पीठ ने सुनवाई के दौरान लोकपाल के उच्च न्यायालय के जज के खिलाफ शिकायत सुनने पर नाराजगी जताई और इसे बेहद परेशान करने वाली बात बताया। पीठ ने उन न्यायाधीश के नाम का खुलासा करने पर भी रोक लगा दी है, जिनके खिलाफ लोकपाल ने शिकायत सुनी। सुप्रीम कोर्ट ने शिकायतकर्ता को निर्देश दिया है कि वे हाईकोर्ट के जज के नाम को गोपनीय रखें। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की तरफ से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि उच्च न्यायालय के न्यायाधीश लोकपाल और लोकायुक्त कानून 2013 के अधिकार क्षेत्र में कभी नहीं आएंगे। अब पीठ इस मामले पर 18 मार्च को सुनवाई करेगी। बीती 27 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस एएम खानविलकर की अध्यक्षता वाले लोकपाल ने अपने आदेश में कहा कि लोकपाल एक्ट के तहत उच्च न्यायालय के न्यायाधीश भी लोकपाल के अधिकार क्षेत्र में आते हैं।

अखिलेश यादव बोले- बजट ढोल की तरह अंदर से खोखला, मायावती बोलीं, मध्यम वर्ग का तुष्टिकरण किया

आरएनएस

लखनऊ। योगी सरकार द्वारा पेश किए गए बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि ये भाजपा सरकार का नौवां बजट है। ये बजट नहीं बल्कि बहुत बड़ा ढोल है जिसमें आवाज तो बहुत है पर अंदर से खोखला है। उन्होंने कहा कि इसे देखकर किसानों की उम्मीदों का खेत सूख गया है। महिलाओं के माथे पर घर चलाने की चिंता की लकीरें उभर आई हैं। आम जनता के लिए इसमें कुछ नहीं है लोग कह रहे हैं कि सरकार का प्रवचन तो गया है अब बजट कब आएगा।

उन्होंने कहा कि बजट देखकर मंत्री और विधायक भी निराश हैं क्योंकि इसमें उनके अपने विभाग के लिए कुछ नहीं है। आखिर उन्हें ही जनता को फेस करना है। भाजपा ने इस बजट में भी अपने संकल्प पत्र के वादे पूरे नहीं किए हैं। ये उनका नौंवा बजट है।

अखिलेश यादव ने कहा कि बजट में महंगाई और बेरोजगारी को नियंत्रित करने के लिए कुछ भी नहीं है। प्रदेश का अब तक का सबसे बड़ा बजट पेश होने पर उन्होंने कहा कि बजट बड़ा होने से कुछ नहीं होता है सवाल ये है कि इसमें युवा, किसान और बेरोजगारों और महिलाओं को क्या मिला है। इस वर्ष के बाद योगी सरकार अपना आखिरी बजट पेश करेगी जिसके बाद नई सरकार सत्ता में आएगी। बिना विजन वाला बजट है।मुख्यमंत्री योगी द्वारा संगम के जल को साफ और सनन योग्य बताने पर अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने जो दावा किया है वो तो यही है कि संगम का जल पीने और नहाने के योग्य नहीं है तो क्या लखनऊ वाले दिल्लीवालों को भी सनातनी नहीं मानते हैं। बता दें कि सीएम योगी ने बुधवार को विधानसभा में जवाब देते हुए कहा था कि विपक्ष के लोग संगम के जल को लेकर अफवाह फैला रहे हैं क्योंकि वो सनातन का विरोध करते हैं। वहीं मायावती ने यूपी के बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए एक्स पर कहा कि यूपी सरकार द्वारा विधानसभा में आज पेश 2025-26 का बजट यदि व्यापक जनहित व जनकल्याण का ज्यादा होता तो यह बेहतर होता, जबकि बजट में महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, पिछड़ेपन को दूर करने व आमजन की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के प्रति पर्याप्त सरकारी नीयत-नीति का अभाव है। ऐसे सही विकास कैसे संभव हैकुल मिलाकर, यूपी भाजपा सरकार का बजट भी पेट भरे मध्यम वर्ग के तुष्टीकरण वाला है जबकि सरकारों की असली चिन्ता व संवैधानिक दायित्व करोड़ों परिवारों की दरिद्रता को दूर करके सुख-चैन पहुंचाने वाला सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय के उद्देश्य की पूर्ति का होना चाहिए। ऐसा ना होना चिन्तनीय।उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के शहर, गांव, क्षेत्र एवं समाज बुनियादी सुविधाओं के अभाव व अनेकों विषमताओं से जूझ रहे हैं तथा लोगों को जब सड़क, पानी, स्कूल, अस्पताल, रोजी-रोजगार के बेहतर व्यवस्था करने की मांग है तब उन्हें दूसरे सपने दिखाना यह समस्या का सही समाधान नहीं।उन्होंने कहा कि भाजपा से पहले यूपी बदहाल था, यह दावा उचित नहीं।

सीएम योगी बोलेः युवाओं और किसानों को खुशहाली देगा बजट

आरएनएस

लखनऊ। बृहस्पतिवार को प्रदेश सरकार का बजट पेश किया गया। बजट के बाद सीएम योगी ने पत्रकारों से बात की। उन्होंने सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा की। सीएम ने कहा कि हमने अपने बजट में इस बात का विशेष ध्यान रखा है कि समाज के सभी वर्गों का समान विकास हो। प्रदेश की जो इमेज बनी हुई है उसमें बदलाव आए।

सीएम योगी ने कहा कि इस बजट का आकार 08 लाख 08 हजार 736 करोड़ रुपये से अधिक (8,08,736.06 करोड़ रुपये) का है। वर्ष 2024-25 के बजट के सापेक्ष

इसमें 9.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उत्तर प्रदेश के बजट के आकार में यह बढ़ोत्तरी राज्य के सामर्थ्य के अनुरूप है। यह बजट अर्थव्यवस्था को विस्तार देने की डबल इंजन सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सीएम ने कहा कि कुल व्यय में 02 लाख 25 हजार 561 करोड़ 49 लाख रुपये कैपिटल एक्सपेंडिचर सम्मिलित है। वर्ष 2017-18 में प्रदेश की जी0डी0पी0 12.89 लाख करोड़ रुपये थी, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 27.51 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है।बजट में व्यय की नई मदों हेतु 28 हजार 478 करोड़ 34 लाख रुपये का प्रावधान।अवस्थापना विकास के लिये 01 लाख 79 हजार 131 करोड़ 04 लाख रुपये प्रस्तावित।इसमें ऊर्जा क्षेत्र के लिये 61,070 करोड़ रुपये से अधिक, सिंचाई के लिये 21,340 करोड़ रुपये से अधिक, भारी एवं मध्यम उद्योग के लिये लगभग 24 हजार करोड़ रुपये, नगर विकास के लिये 25,308 करोड़ रुपये से अधिक, आवास एवं शहरी नियोजन के लिये 7,403 करोड़ रुपये से अधिक तथा नागरिक उड्डयन के लिये 3,152 करोड़ रुपये प्रस्तावित ।शिक्षा क्षेत्र के लिये 1,06,360 करोड़ रुपये से अधिक प्रस्तावित। (कुल बजट का 13) शिक्षा पर इतना व्यय करने वाला उत्तर प्रदेश अग्रणी राज्य है।कृषि क्षेत्र के अन्तर्गत कृषि, उद्यान, आदि।

धामी सरकार ने पेश किया एक लाख करोड़ का बजट

आरएनएस

नई दिल्ली। उत्तराखंड में आज विधानसभा सत्र के तीसरे दिन धामी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट पेश किया। वित्त मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने 1,01175.33 करोड़ का बजट पेश किया।वित्त मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल ने पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी के शब्दों को दोहराया। कहा कि राज्य सरलीकरण, समाधान व निस्तारीकरण के मार्ग पर अग्रसरित हैं। बजट हमारे प्रदेश की आर्थिक दिशा और नीतियों का प्रमाण है। उत्तराखंड अनेक कार्यों का साक्षी रहा है। हम आत्मनिर्भर उत्तराखंड बनाने के लिए हम प्रयतन्शील हैं।

बजट में कोई भी राजस्व घाटा

अनुमानित नहीं है। बजट में 59954.65 करोड़ राजस्व व्यय है। इसमें 41220.68 करोड़ पूंजीगत व्यय के लिए रखे गए हैं। 12604492 का रजकोषीय घाट होने का अनुमान है जो जीडीपी का 2.94 प्रतिशत है। यह एफआरबीएम एक्ट की सीमा के भीतर है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला सैनिक बंधु की बैठक हुई आयोजित

कानपुर। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला सैनिक बंधु की बैठक आयोजित हुई जिलाधिकारी ने उपस्थित संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि उक्त बैठक में उठाए गए प्रकरणों में कोई समस्या आ रही है तो आगामी बैठक का इंतजार किए बगैर कभी भी अवगत करा सकते हैं बैठक में कुल 6 नये प्रकरण और 3 पूर्व प्रकरण पर सुनवाई की गई, पूर्व सूबेदार मेजर श्याम बिहारी यादव निवासी नौबस्ता द्वारा शिकायत की गई कि कानपुर विकास प्राधिकरण मोतीझील प्लॉट नंबर 1072 डब्लू-स्कीम 2 के अन्तर्गत उन्हें 1977 में प्लॉट एलॉट हुआ था परन्तु जिसका कब्जा अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है भूत पूर्व सैनिक नें 35 वर्ष से विधिक एवं कानूनी कार्यवाही करके उपभोक्ता फोरम से अपने पक्ष में आदेश करवाकर केडीए को सूचित किया परन्तु आज तक अमुख प्लॉट का कब्जा सुनिश्चित नहीं हो पाया जिस पर जिलाधिकारी द्वारा केडीए के उपस्थित ओएसडी को निर्देशित किया गया कि नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही कर वैकल्पिक भूखंड दिये जाने की सम्भावना पर विचार करें, पूर्व सैनिक हवलदार दिनेश कुमार निवासी बर्रा द्वारा शिकायत की गई कि कानपुर विकास प्राधिकरण से स्वर्णजयंती योजना के अन्तर्गत दिया गया विवादित भूखंड की जगह वैकल्पिक भूखंड दिए जाने के संबंध में शिकायत की गई जिस पर जिलाधिकारी ने केडीए ओएसडी को निर्देर्शित किया कि नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाये, पूर्व सुबेदार मेजर रामकुमार निवासी ग्राम धर्मंगदपुर द्वारा सह शिकायत की गई कि उनकी आराजी संख्या 865 अ है जिसका सीमांकन राजस्व टीम द्वारा पूर्व में किया जा चुका है और जब हाल में ही डायरेक्टर जनरल रीसेटेलमेट द्वारा आवंटित पेट्रोल पम्प के निर्माण कार्य कराना प्रारम्भ किया।

तो अराजक तत्व जिसका नेतृत्व अनन्त सिंह पुत्र जय प्रताप सिंह (अधिवक्ता) निवासी ग्राम भौंती द्वारा पुलिस से मिली भगत करके उनको परेशान एवं धमकाया जा रहा है और समझौते का दबाव बनाया जा रहा है।

जिस पर जिलाधिकारी ने एसडीएम सदर ऋतु प्रिया को निर्देशित किया कि अराजक तत्वों द्वारा किये जा रहे कृत्यों और जमीन की खरीद-फरोख्त का पूरा विवरण चार दिन में उनके सम्मुख प्रस्तुत करें और गुणवत्ता पूर्ण समय से शिकायत का निस्तारण करना सुनिश्चित करें, सेवारत सैनिक हवलदार अतर सिंह ग्राम पिपरगवॉ के चचेरे भाई द्वारा सेवारत सैनिक के माता-पिता के साथ मारपीट एवं घरेलू समान को क्षतिग्रस्त करने के सम्बन्ध में शिकायत की गई जिसमें थाना प्रभारी सेन पश्चिम पारा को आवश्यक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देश दिये गये, सेवारत रिसालदार मेजर राम शंकर दीक्षित निवासी जादेपुर गस्सा तहसील बिल्हौर द्वारा शिकायत की गई कि उनके पारिवारिक जनों को दबगों द्वारा निरन्तर परेशान किया जा रहा है जिस पर जिलाधिकारी नें उप जिलाधिकारी बिल्हौर को आवश्यक का यवाही किए जाने हेतु निर्देशित किया, पूर्व सैनिक हवलदार कामेश्वर नाथ वर्मा निवासी चकेरी द्वारा शिकायत की गई कि उनके द्वारा क्रय किया गया प्लॉट का दाखिल-खारिज होने के उपरांत और विक्रेता को पूर्ण भुगतान देने के बावजूद कब्जा नहीं दिया जा रहा है जिस पर जिलाधिकारी नें उप जिलाधिकारी सदर एवं पुलिस के नोडल अधिकारी को एक सप्ताह के अंदर सम्पूर्ण साक्ष्यों के साथ वास्तु स्थिति से अवगत कराए।

नेस्ले इंडिया अनूठे अनुभवों के माध्यम से महाकुंभ 2025 में लेकर आया गर्म जोशी और एकजुटता

कानपुर । नेस्ले इंडिया आकर्षक ऑन-ग्राउंड गतिविधियों के माध्यम से महाकुंभ 2025 में गर्मजोशी, आराम और समुदाय की भावना को जोड़ रहा है मैगी और किटकैट जैसे प्रतिष्ठित ब्रांडों के साथ, कंपनी का लक्ष्य दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक समागम के बीच एकजुटता, आराम और आनंद के क्षण प्रदान करते हुए आगंतुकों के अनुभव को और अधिक खास बनाना है इन गतिविधियों के केंद्र में है मैगी का 2 मिनट अपनों के लिए अभियान, जो लोगों को एक साथ लाने में मैगी की भूमिका को उजागर कर रहा है मैगी ने स?पेशल जोन बनाए हैं जहाँ आगंतुक गरमागरम मैगी का आनंद उठा सकते हैं और अपने 'मैगी पलों' को कैद कर सकते हैं इन जोन में अलाव के लिए निर्धारित जगह होंगे, ताकि ठंडी सुबह और शाम के दौरान आगंतुकों को आराम मिल सके इस पहल के हिस्से के रूप में, नेस्ले इंडिया इस आयोजन को संभव बनाने में योगदान देने वालों का सम्?मानित करने के लिए सफाई कर्मचारियों को 12,000 कंबल भी बांटेगा और 2 मिनट मैगी मिल परोसेगा मेले में लंबे और थकाऊ दिनों के बाद आराम की तलाश करने वालों के लिए, किटकैट ब्रेक ज़ोन एक्टिवेशन टेक ब्रेक लेकर आया है ।

विधायक मैथानी ने नगर विकास मंत्री से 500 वर्ष पुराने धार्मिक स्थल पर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की

कानपुर । गोविंद नगर विधानसभा क्षेत्र के माननीय विधायक सुरेंद्र मैथानी ने उत्तर प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह से सदन हाउस लखनऊ में मुलाकात की और अपनी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत मसवानपुर स्थित 500 वर्ष पुरानी धार्मिक स्थल पक्का तालाब मस्वानपुर पर स्थित सदियों पुराने आस्था से परिपूर्ण शिव मंदिर और राधा कृष्ण मंदिर दोनों के संयुक्त उक्त स्थल पर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के संबंध में उनसे भेंट करके उन्हें मांग पत्र सौंपा विधायक सुरेंद्र मैथानी ने मंत्री जी को बताया कि गोविंद नगर क्षेत्र के मसवानपुर में स्थित शिव मंदिर और राधा कृष्ण मंदिर जैसे धार्मिक स्थल न केवल स्थानीय लोगों, बल्कि पूरे आसपास के 16-17 जिलों से लाखों श्रद्धालुओं को आकर्षित करते हैं खास़तौर पर सावन के महीने में शिव बारात और कार्तिक माह की एकादशी को आयोजित होने वाला राष्ट्रीय स्तर का दंगल इस स्थल की धार्मिक महत्ता को और बढ़ाता है विधायक सुरेंद्र मैथानी ने इस धार्मिक स्थल पर सुरक्षा, महिला शौचालय, धार्मिक आयोजनों के लिए हॉल, और अन्य आवश्यक सुविधाओं की कमी पर चिंता व्यक्त की और इसे पर्यटन की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण केंद्र बताते हुए इसके विकास की आवश्यकता को रेखांकित किया उन्होंने कहा कि इस स्थल का विकास न केवल विधानसभा क्षेत्र बल्कि आसपास के क्षेत्रों में भी उत्साह और श्रद्धा का संचार करेगा विधायक सुरेंद्र मैथानी ने कहा किसी समय यहां की मान्यताओं से आमजन दर्शन उपरांत अपने जीवन की नई ऊंचाइयों को होता था जो परंपरा अभी तक चली आ रही है और लोगों का उसे स्थान के प्रति भीषण आकर्षण है और श्रद्धा है आम श्रद्धालुओं का यह मानना है कि वहां के दर्शन मात्र से ही उनका जीवन सुख मय और श्रमधशाली बन जाता है जीर्ण-शीर्ण हालत में पड़े हुए उक्त स्थल का जीर्णोद्धार एवं सुंदरीकरण पर्यटकों और श्रद्धालुओं की दृष्टि से अति आवश्यक है इस पर पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने विधायक सुरेंद्र मैथानी को सकारात्मक आश्वासन दिया कि इस ऐतिहासिक स्थल के विकास हेतु जल्द ही आवश्यक कदम उठाए जायेंगे?।

भारतीय विश्वविद्यालय संघ और आयरलैंड इंडिया कॉन्सिल के बीच करार, छात्रों को मिलेगा अंतर्राष्ट्रीय इंटर्नशिप का मौका

एआईयू और सीएसजेएमयू के कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक व आईआईसी के डेमियन लीन ने किए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर, भारतीय राजदूत की उपस्थिति में हुए हस्ताक्षर

कानपुर । भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) के अध्यक्ष और छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक ने भारत-आयरलैंड के शैक्षणिक संबंधों को नए आयामों की ओर ले जाते हुए आयरलैंड में एक कार्यक्रम के दौरान भारतीय विश्वविद्यालय संघ और आयरलैंड इंडिया कॉन्सिल, (आईआईसी) के बीच एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए इस समझौते के माध्यम से दोनों देशों के छात्रों को व्यवहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए इंटर्नशिप का मौका प्रदान किया जाएंगा यह समझौता ज्ञापन भारतीय राजदूत की उपस्थिति ने हुआ इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक ने कहा कि यह समझौता दोनों देशों के उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच सहयोग को सुदृढ़ करने अनुसंधान एवं नवाचार को बढ़ावा देने और विद्यार्थियों तथा संकाय सदस्यों के आदान-प्रदान को सुगम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में, बहु-विषयक अनुसंधान, नवाचार और डिजिटल शिक्षा पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है यह साझेदारी कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, हरित ऊर्जा, चिकित्सा अनुसंधान और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में नए रास्ते खोलेगी उन्होंने कहा कि इस साझेदारी के माध्यम से हम संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं को बढ़ावा मिलेगा, जिससे विज्ञान, प्रौद्योगिकी, समाजशास्त्र और मानविकी के क्षेत्र में नवाचार को नई दिशा मिलेगी इस समझौते के माध्यम से भारतीय और आयरलैंड के विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को उनके संबंधित क्षेत्रों में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने के किए छात्रों को इंटर्नशिप का मौका मिलेगा

कानपुर से सरकार की निकाली गई अस्थि कलश यात्रा प्रयागराज में गंगा जी में प्रवाहित होने के बाद समाप्त

मांग न पुरी होंने पर 24 को मुख्यमंत्री कार्यालय लोक भवन में डालेंगे ताला, दिव्यांग, नौकरी रोजगार स्वास्थ शिक्षा सुरक्षा की सौ फीसदी गारंटी व पेंशन पांच हजार रुपए मासिक करने की हों रही है मांग

कानपुर । दिव्यांग महागठबंधन के महासचिव व राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार ने सरकार की उपेक्षा से क्षुब्ध होकर कानपुर से प्रयागराज के लिए सरकार की अस्थि कलश यात्रा निकाली थी यात्रा फतेहपुर, कौशाम्बी होते हुए प्रयागराज पहुंच कर महाकुंभ में मां गंगा में प्रवाहित कर दिया गया 24 फरवरी को उत्तर प्रदेश के दिव्यांगजन मुख्यमंत्री कार्यालय लोक भवन विधानसभा में ताला डालेंगे ?वीरेन्द्र कुमार के नेतृत्व में दिव्यांगजन भाजपा प्रदेश कार्यालय व राज्यपाल आवास का घेराव कर चुके हैं मुख्य सचिव व राज्यपाल के सचिव से वार्ता कर चुके है लेकिन दिव्यांगजनों को अभी तक न्याय नहीं मिला है वीरेन्द्र कुमार दिव्यांगजनों की नौकरी रोजगार स्वास्थ शिक्षा सुरक्षा की सौ फीसदी गारंटी व पेंशन पांच हजार रुपए मासिक करनें व लेखपाल व मुख्य सेविका अभ्यर्थियों को नौकरी की मांग को लेकर लंबे समय से आन्दोलन कर रहे है मांग पुरी न होने पर क्षुब्ध होकर वीरेन्द्र कुमार ने कानपुर से सरकार की अस्थि कलश यात्रा प्रयागराज तक निकाली थी, जो आज महाकुंभ में मां गंगा में प्रवाहित करने के बाद समाप्त हो गयी वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सरकार नाम की कोई चीज नहीं है दिव्यांगों को उनका हक और अधिकार नहीं मिल रहा है पीछले 14 माह से दिव्यांग ईको गार्डेन लखनऊ में यूपी एससी आयोग के अन्याय के खिलाफ आन्दोलन कर रहे हैं दिव्यांग कोटे के मुख्य सेविका अभ्यर्थियों को प्री व मेन्स परीक्षा लेने के बाद नाट क्वालिफाई व लेखपाल अभ्यर्थियों को दस्तावेजों का सत्यापन करने के बाद अक्षम बता कर नियुक्ति प्रक्रिया से बाहर कर दिया गया है जो अन्याय है सरकार उनकी फरियाद नहीं सुन रही है दिव्यांग आत्महत्या कर रहे हैं, सरकार मुक दर्शक बनी हुई है आन्दोलन में दिव्यांग महागठबंधन के महासचिव व राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार, अल्पना कुमारी, राम निहाल द्विवेदी, मुकेश कुमार भारती, रजनीश कुमार आदि शामिल थे।

अवैध खनन के डंपर से बाइक सवार युवक की मौत, गुस्साए ग्रामीणों ने ड्राइवर को पकड़ा

कानपुर । चौबेपुर में अवैध मिट्टी खनन का एक मामला सामने आया है बुधवार रात एक डंपर ने बाइक सवार युवक को कुचल दिया युवक की मौके पर ही मौत हो गई भगवंतपुर गांव के शिवपाल यादव शादी समारोह में जा रहे थे इसी दौरान तेज रफ्तार डंपर ने उन्हें टक्कर मार दी डंपर अवैध मिट्टी खनन कर ले जा रहा था घटना को देख ग्रामीणों ने डंपर और चालक को पकड़ लिया गुस्साए लोगों ने चालक की पिटाई की बाद में उसे पुलिस के हवाले कर दिया चालक ने स्वीकार किया कि वह अवैध मिट्टी खनन के काम में शामिल था चौबेपुर थाना प्रभारी राजेंद्र कांत शुक्ला ने बताया कि डंपर चालक को हिरासत में ले लिया गया है पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है मामले में कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

आईआईटी कानपुर और उत्तर प्रदेश सरकार यूट्यूब पर दिया मुफ्त गणित विज्ञान व्याख्यान

कानपुर । ग्रामीण छात्रों के लिए शिक्षा सुविधाजनक बनाने के लिए एक अभूतपूर्व पहल के तहत भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर ने उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से यूट्यूब पर उच्च गुणवत्ता वाली गणित-विज्ञान व्याख्यान श्रृंखला शुरू की है इस पहल का उद्घाटन प्रोफेसर मणीन्द्र अग्रवाल निदेशक आईआईटी कानपुर ने किया इस मौके पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि, 'यह निःशुल्क ज्ञान संसाधन कक्षा 10 के छात्रों को सरल बोली जाने वाली हिंदी में अवधारणात्मक रूप से स्पष्ट और आकर्षक पाठ प्रदान करके सहायता करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। आने वाले समय में कक्षा 9, 11 और 12 के व्याख्यान भी इसमें जोड़े जाएंगे जो छात्रों के लिए बहुत उपयोगी साबित होंगे आईआईटी कानपुर का उद्देश्य उन सभी लोगों तक शिक्षा पहुंचाना है जो इसे वहन नहीं कर सकते हैं 'इस परियोजना का नेतृत्व कर रहे प्रोफ़ेसर संदीप संगल ने कहा 'आईआईटी कानपुर के स्नातकोत्तर छात्रों द्वारा पढ़ाए जाने वाले ये व्याख्यान मजबूत बुनियादी बातों के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करते हैं व्याख्यान सरल बोली जाने वाली हिंदी में दिए जाते हैं और पूरे एनसीईआरटी पाठ्यक्रम को कवर करते हैं विज्ञान में प्रदर्शनों का उपयोग छात्रों के सीखने को अधिक आकर्षक और प्रभावी बनाता है 'यह पहल आईआईटी कानपुर की ऑनलाइन रूरल एजुकेशन इनिशिएटिव पर आधारित है जिसे तीन साल पहले रंजीत सिंह रोज़ी शिक्षा केंद्र द्वारा लॉन्च किया गया था वर्तमान में यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के एक दर्जन से अधिक सरकारी स्कूलों में चल रहा है और अन्य राज्यों में भी इसका विस्तार हो रहा है हल के साथ आईआईटी कानपुर और उत्तर प्रदेश सरकार सुलभ उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं ।

पुराने मीटर पर हजारों बकाए के बावजूद नया मीटर लगाया

सुतरखाना में एक ही पते पर एक से अधिक मीटर लगाए जाने के कई केस विवादित दुकान से बिजली मीटर गायब! एक्सईएन करेंगे जांच

कानपुर । सुतरखाना की एक विवादित दुकान से सालों पुराना चलता हुआ बिजली मीटर गायब कर दिया गया फिर बिना डिस्कनेक्शन के ही, नियम विपरीत जाकर केस्को ने दुकान में किसी और के नाम से नया प्रीपेड मीटर भी लगा डाला। वो भी तब जब उसी दुकान के गायब हुए मीटर पर हजारों का बिल बकाया था दुकान से पुराना चलता हुआ मीटर गायब करने का आरोप लगा है ग्वालटोली निवासी एक युवक पर जो कथित तौर पर दुकान को चला रहा था वहीं आरोप लगाने वाला सुतरखाने का स्थानीय होटल संचालक है, जिसको दुकान का मूल किरायेदार बताया जा रहा है पीड़ित होटल संचालक ने केस्को मुख्यालय में शिकायती पत्र देकर, उसकी दुकान पर अवैध कब्जा जमाए ग्वालटोली के युवक पर मीटर गायब कर देने, और फर्जी कागजातों से गैरकानूनी ढंग से नया मीटर लगवा लेने का आरोप लगाया है वहीं इस मामले ने सबस्टेशन स्तर पर लापरवाह कार्यशैली को उजागर कर दिया है, की जेई आदि किस कदर बिना कागजी जांच के एक ही एड्रेस पर या एक ही दुकान में नए मीटर लगा दिए जाते हैं वो भी पुराने मीटर पर हजारों का बकाया होने के बावजूद केस्को एमडी के ओएसडी योगेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर एक्जीक्यूटिव इंजीनियर वागीश कुमार को जांच सौंप दी गई है जांच में मिलने वाले तथ्यों के आधार पर दोषी पर विधिक कार्यवाही की जाएगी पीड़ित के अनुसार सुतरखाना मेन रोड पर लगभग डेढ़ दशक से वो वक्फ संपत्ति की दुकान नंबर 72/9- बी चला रहा था वक्फ में दुकान का किराया भी वही अदा कर रहा था दुकान में 2013 से ही उसके नाम का बिजली मीटर भी लगा था उसने अपने ग्वालटोली निवासी एक पार्टनर को आयुर्वेदिक प्रोडक्ट्स का व्यापार करने को दुकान सौंप दी पार्टनर की नियत में खोट आया तो उसने ताले डालकर कूटरचित दस्तावेजों से दुकान पर कब्जे के प्रयास किया पुलिस कंप्लेन भी हुईं आरोप है कि इस बीच कब्जे का प्रयास करने वाले ग्वालटोली निवासी पार्टनर ने दुकान में लगा पीड़ित के नाम का मीटर उखाड़ कर गायब कर दिया पीड़ित के अनुसार ऐसे ही कूटरचित और फर्जी रसीदों से आरोपी ने उनकी दुकान पर अपने नीम से नया मीटर भी लगवा डाला बता दें कि खुद केस्को अधिकारियों के अनुसार सुतरखाना और दूसरी घनी आबादी इलाकों में एक ही छोटी सी दुकान या पते पर एक से अधिक मीटर लगा दिए जाने की कई शिकायतें पिछले कुछ समय में आई हैं।

→ → → न्यूज डायरी ← ← ←

अवैध खनन पर प्रभावी रोकथाम हेतु जिलाधिकारी ने की बैठक

कानपुर। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में अवैध खनन पर प्रभावी रोकथाम हेतु जनपद में चेक गेट स्थापित किए जाने तथा डिस्टिक मिनिरल फंड कमेटी की बैठक संपन्न हुई बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने जिला खनन अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद में अवैध खनन वाहनों के परिवहन पर 24 घंटे मॉनिटरिंग हेतु जनपद में चेक गेट लगाए जाए जिसके लगाने के उपरांत जनपद में अवैध खनिज वाहनों पर 24 घंटे कड़ी निगरानी की जा सके उक्त चेक गेट में पीटी जेड कैमरा, आरएफआईडी स्कैनर आदि सुविधा से युक्त रहेगा जिसमें 24 घंटे खनिज का परिवहन करने वाले वाहनों का रियल टाइम चेकिंग की जा सकेगी तथा बिना परिवहन प्रपत्रों ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध समय से कार्यवाही करते हुए ऑनलाइन चालान जेनरेट होगा जिसकी जुर्माना धनराशि प्रतिरूपित करते हुए उसकी वसूली संबंधित वाहन स्वामी से की जा सकेगी इससे जनपद में राजस्व में वृद्धि होगी तथा अवैध खनन परिवहन पर रोक लगाई जा सकेगी जिलाधिकारी ने जिला खनन अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि डिस्टिक मिनिरल फंड के माध्यम से जनपद के खनन प्रभावित क्षेत्रों में मूलभूत विधाएं जैसे पेयजल आपूर्ति, विद्यालयों में भवन, प्रयोगशाला, पुस्तकालय शौचालय, महिला एवं बाल कल्याण विभाग, कौशल विकास, सिंचाई, ऊर्जा, इत्यादि क्षेत्रों में उक्त फंड से खनन प्रभावित क्षेत्र में कार्य कराया जा सकता है इसके लिए समस्त संबंधित अधिकारियों से फंड की उपलब्धता के अनुसार मांग पत्र प्राप्त कर खनन प्रभावित क्षेत्र में कार्य कराए जाने के निर्देश दिए बैठक में प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी दिव्या , अपर जिलाधिकारी (नगर) डा0 राजेश कुमार, जिला खनन अधिकारी सनी कौशल आदि संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एसएन सेन पीजी कॉलेज में रोजगार मेले का हुआ भव्य आयोजन

कानपुर। एसएन सेन बालिका पीजी कॉलेज तथा प्रादेशिक सेवायोजन कार्यालय कानपुर के संयुक्त तत्वावधान में छात्राओं हेतु एक 'रोजगार मेला' आयोजित किया गया जिसमें कानपुर के क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ. मुरलीधर राम ने मुख्य अतिथि के पद को सुशोभित किया सेवायोजन कार्यालय से ए.के. तिवारी अतिथि के रूप में सहभागिता की कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलन से किया गया अतिथियों का इको-फ्रेंडली स्वागत करते हुए पौधों को स्मृति चिह्न के रूप में प्रदान किया गया मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में जनसंख्या विस्फोट को सबको सरकारी नौकरी देने की राह में बाधा बताया तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भविष्य हेतु रोजगार सृजन की संभावना से भी छात्राओं को परिचित कराया कौशल विकास योजना में संचालित रोजगार परक कार्यक्रमों की जानकारी भी दी उन्होंने हुनर की खोज पर बल दिया इस कार्यक्रम में बीए, बीएससी, एमए, बीबीए, बीसीए तथा स्थी ने सक्रिय सहयोग दिया सभी शिक्षिकाओं ने कार्यक्रम में उपस्थित रहकर छात्राओं का उत्साहवर्धन किया।

दिल्ली में शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर बीजेपी ने हर्ष व्यक्त कर किया मिष्ठान वितरण

कानपुर । दिल्ली में 27 वर्षों के उपरांत भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने और रेखा गुप्ता के मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण करने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी के कानपुर क्षेत्रीय कार्यालय में भव्य उत्सव मनाया गया इस अवसर पर क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल के नेतृत्व में जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह, दीपू पांडे, दिनेश कुशवाहा, क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी अनूप अवस्थी सहित सैकड़ों पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने मिष्ठान वितरण कर एवं आतिशबाजी कर एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया इस ऐतिहासिक विजय पर क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कहा कि यह जीत दिल्ली की जनता की आशाओं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी की जीत है यह भारतीय जनता पार्टी की नीतियों, विकास कार्यों और सेवा भाव का परिणाम है कि दिल्ली की जनता ने पार्टी को प्रचंड बहुमत देकर सरकार बनाने का अवसर प्रदान किया उन्होंने आगे कहा कि यह विजय पार्टी कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत और जनता के विश्वास का प्रमाण है आने वाले समय में भाजपा सरकार दिल्ली में सुशासन, विकास और जनता की सेवा हेतु समर्पित रहेगी इस अवसर पर उपस्थित सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भाजपा के प्रति अपनी निष्ठा प्रकट की और दिल्ली में पार्टी की जीत को ऐतिहासिक क्षण बताया मिष्ठान वितरण में जसविंदर सिंह, आनंद मिश्रा, गौरव पांडे, अर्जुन बेरिया, दीपू पासवान, सुमित तिवारी, अमित सिंह परिहार, दीपांकर मिश्रा, सनी जायसवाल, विनित दुबे, अंकित शर्मा, अनीता त्रिपाठी, मीरा भदौरिया, एमपी सलोनिया, अर्चना आर्या, वीरेंद्र दिवाकर, गोलू शुक्ला पार्षद, अशोक पाल, विकास सविता आदि सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ओपन स्नूकर एवं बिलियर्ड खेल प्रतियोगिता का आयोजन आज से

कानपुर । ओपन स्नूकर व बिलियर्ड खेल प्रतियोगिता के संबंध में कानपुर प्रेस क्लब में प्रेसवार्ता का आयोजन हुआ जिसमें आयोजनकर्ताओं द्वारा बताया गया कि दि कानपुर यूनियन क्लब लिमिटेड द्वारा आज से ओपन स्नूकर व बिलियर्ड खेल प्रतियोगिता का आयोजन क्लब प्रांगण में स्वर्गीय राम नाथ मेहरोत्रा की स्मृति में आयोजित किया जा रहा है जिसमें शहर के प्रमुख स्नूकर खिलाड़ी भाग ले रहे हैं यह प्रतियोगिता नाकआउट के आधार से करना सुनिश्चित हुआ है प्रतियोगिता में शहर के लगभग सभी खिलाड़ी भाग ले रहे हैं स्नूकर प्रतियोगिता में लगभग 50 से 65 खिलाड़ियो का भाग होना सम्भव है अभी तक लगभग 48 खिलाड़ियों ने अपना रजिस्ट्रेशन क्लब में करा लिया है जिसका उद्घाटन प्रमुख समाजसेवी प्रमोद जायसवाल के कर कमलों द्वारा सम्पन्न होगा प्रेसवार्ता में प्रमुख रूप से इस अवसर पर सुरेश कसेरा, विनय रस्तोगी, सैय्यद अली, इशान शर्मा, अजय जायसवाल गौरव गुप्ता आदि लोग उपस्थित रहे।

बजटः यूपी के समग्र विकास का मजबूत रोडमैप-भूपेंद्र चैधरी

किसानों, महिलाओं, युवाओं, श्रमिकों और गरीबों पर विशेष ध्यान

लखनऊ (यूएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट प्रस्तुत किए जाने के बाद भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चैधरी ने इसे प्रदेश के समग्र विकास का एक मजबूत रोडमैप करार दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रस्तुत बजट ष्विकसित भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह बजट उत्तर प्रदेश को आर्थिक रूप से मजबूत, आत्मनिर्भर और वैश्विक स्तर पर निवेश का केंद्र बनाने की दिशा में एक बड़ा प्रयास है।उत्तर प्रदेश विधानसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना द्वारा प्रस्तुत किया गया 2025-26 का बजट प्रदेश के चैमुखी विकास को गतिमान करने वाला बजट है।यह बजट नए उत्तर प्रदेश के नवीन सपनों तथा गरीब, किसान, महिला एवं युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक नया अध्याय लिखेगा। वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत किया गया यह बजट उत्तर प्रदेश के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा बजट है तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूर दृष्टि सोच के अनुरूप वाला बजट है।प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने ऐतिहासिक बजट के लिए उत्तर प्रदेश वासियों की तरफ से मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री को हृदयतल से हार्दिक आभार प्रकट किया योगी सरकार ने इस बजट में किसानों, महिलाओं, युवाओं, श्रमिकों और गरीबों के उत्थान पर विशेष ध्यान दिया है। सरकार ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 3 करोड़ किसानों को79,500 करोड़ डीबीटी के माध्यम से प्रदान किए हैं, जिससे अन्नदाताओं की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया जा सके। गन्ना किसानों को2.73 लाख करोड़ का रिकॉर्ड भुगतान किया गया है, जो पिछले 22 वर्षों के कुल भुगतान से छ59,143 करोड़ अधिक है। इसके अलावा, किसानों की सिंचाई सुविधा को बेहतर बनाने के लिए पीएम कुसुम योजना के तहत 22,089 सोलर पंपों की स्थापना कराई गई है।महिला सशक्तिकरण को लेकर भी इस बजट में कई महत्वपूर्ण योजनाएं शामिल की गई हैं। योगी सरकार ने मेधावी छात्राओं के लिए रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजनाष् लागू करने की घोषणा की है, जिससे प्रदेश की बेटियों को उच्च शिक्षा में सहायता मिलेगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यह योजना पार्टी के 2022 विधानसभा चुनाव के दौरान किए गए संकल्प पत्र के एक और वचन को पूरा करती है। इसके माध्यम से प्रदेश की बेटियों को उच्च शिक्षा में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा और आत्मनिर्भर बन सकेंगी।लखपति दीदी योजना के तहत 2 लाख से अधिक महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त बनीं और 31 लाख से अधिक महिलाओं को चिन्हित किया गया है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत 1.86 करोड़ गैस कनेक्शन वितरित किए गए हैं और लाभार्थियों को 2 मुफ्त सिलेंडर दिए जा रहे हैं।प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं को व्यापक रूप से मजबूत करने के लिए सरकार ने बड़ी योजनाओं की घोषणा की है। उत्तर प्रदेश आज चिकित्सा सुविधाओं में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो चुका है। वर्तमान में 80 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं और आयुष्मान भारत योजना के तहत 5.13 करोड़ आयुष्मान कार्ड जारी किए गए हैं, जिससे उत्तर प्रदेश पूरे देश में पहले स्थान पर है। इसके अलावा, 22,681 आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित किए गए हैं, जिससे प्रदेश के हर नागरिक को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अयोध्या, मथुरा, नैमिषारण्य और चित्रकूट के विकास के लिए विशेष बजट आवंटित किया गया है। बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर के लिए150 करोड़ की व्यवस्था की गई है, जबकि नैमिषारण्य में वेद विज्ञान केंद्र की स्थापना हेतु100 करोड़ का बजट प्रस्तावित किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि योगी सरकार का यह बजट उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर, समृद्ध और विकसित प्रदेश बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। बजट प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की ओर ले जाने में सहायक होगा और इसे देश के ग्रोथ इंजन के रूप में स्थापित करेगा। योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश को अपराध मुक्त, भ्रष्टाचार मुक्त और सुशासन का मॉडल बनाया है और यह बजट राज्य को वैश्विक निवेश केंद्र के रूप में विकसित करेगा। भाजपा इस बजट का पूरी तरह समर्थन करती है और इसे प्रदेश की आर्थिक समृद्धि और सामाजिक कल्याण की दिशा में एक दूरदर्शी निर्णय मानती है। उत्तर प्रदेश अब सुशासन, निवेश और विकास का नया मॉडल बन चुका है, जिससे राज्य के हर नागरिक को लाभ मिलेगा। योगी सरकार का यह बजट सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूल मंत्र पर आधारित है।

प्रदेश की जनता को खुशहाली की ओर ले जाने वाला है बजटः केशव

प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप है यूपी का बजट

लखनऊ (यूएनएस)। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य नेउत्तर प्रदेश विधानसभा के पटल पर प्रस्तुत किये गये वर्ष 2025-26 के बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि उत्तर प्रदेश का बजट प्रधानमंत्री के विजन केअनुरूप है।बजट से प्रदेश का समग्र, सर्वांगीण, चहुंमुखी विकास होगा। महिलाओं नौजवानों, बुजुर्गों, किसानों और सर्व समाज के हितों को सर्वोपरि रखते हुए उत्तर प्रदेश का बजट बनाया गया। शिक्षा, चिकित्सा, किसानों, महिलाओं व युवाओं पर विशेष रूप से फोकस किया गया है ।यह बजट राज्य के सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास के इतिहास में नए स्वर्णिम अध्याय जोड़ेगा। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप यह बजट गांव गरीबो,किसानों, नौजवानों, महिलाओं समेत समाज के हर तबके के हितों की पूर्ति करने वाला बजट है। इस बजट से उत्तर प्रदेश, उन्नत प्रदेश और सर्वोत्तम प्रदेश बनेगा। समग्र विकास और आत्मनिर्भरता की नीव रखने वाला यह बजट है। बजट से किसानों उद्यमियों ,व्यापारियों और कमजोर वर्ग के तबकों के जीवन में एक नया सवेरा आएगा,एक नई क्रांति आएगी ,एक नए युग का सूत्रपात होगा। उत्तर प्रदेश के नागरिकों को बड़े अवसर उपलब्ध होंगे। विकास और रोजगार सृजन को मजबूत प्रोत्साहन मिलेगा और व्यापक आर्थिक स्थिरता को मजबूती मिलेगी। इस बजट से युवाओं के सपनों को उड़ान मिलेगी और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। कहा है कि गाँव ,गरीब, किसान, नौजवान, महिला सशक्तीकरण को समर्पित एवं आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश का निर्माण करने वाला, उत्तर प्रदेश की अर्थ व्यवस्था को मजबूत बनाने को अग्रसर करने वाला यह बजट है। जनता को खुशहाली की ओर ले जाने वाला बजट है। जन-मन के लिए सर्वसमावेशी, सर्वस्पर्शी व आत्मनिर्भर उत्तर बनाने वाला शानदार बजट है।

उच्च शिक्षा के लिए ऐतिहासिक है बजट-योगेंद्र उपाध्याय

रानी लक्ष्मी बाई स्कूटी योजना और शिक्षुता प्रोत्साहन योजना को बड़ा बजट

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में उच्च शिक्षा को सशक्त बनाने के लिए व्यापक वित्तीय प्रावधान किए हैं। उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने इस बजट को प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि यह छात्रों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के विकास में नई दिशा प्रदान करेगा।प्रदेश में उच्च शिक्षा के बुनियादी ढांचे को सशक्त करने के लिए प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान योजना के तहत 600 करोड़ रूपए की व्यवस्था प्रस्तावित की गई है। इस राशि का उपयोग विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं को विकसित करने और उच्च शिक्षा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए किया जाएगा।छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी शिक्षा में सहूलियत प्रदान करने के लिए रानी लक्ष्मी बाई स्कूटी योजना के अंतर्गत 400 करोड़ रूपए की धनराशि प्रस्तावित की गई है। इस योजना के तहत मेधावी छात्राओं को स्कूटी प्रदान की जाएगी, जिससे उन्हें आवागमन में सुविधा मिलेगी और वे उच्च शिक्षा के प्रति अधिक प्रेरित होंगी। प्रदेश के युवाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण देकर उन्हें उद्योगों के अनुरूप तैयार करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री शिक्षुता प्रोत्साहन योजना के लिए 100 करोड़ रूपए की व्यवस्था की गई है। यह योजना युवाओं को रोजगार के अवसरों से जोड़ने और उनके करियर को नई दिशा देने में सहायक सिद्ध होगी।शैक्षिक बुनियादी ढांचे को और मजबूत करने के लिए विन्ध्यांचल धाम मंडल में माँ विन्ध्यवासिनी राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु 50 करोड़ रूपए की व्यवस्था प्रस्तावित की गई है। इसके अतिरिक्त, प्रदेश के विभिन्न राज्य विश्वविद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए भी 50 करोड़ की धनराशि रखी गई है। राजकीय महाविद्यालयों के निर्माणाधीन भवनों को पूर्ण करने के लिए 52 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है, जिससे विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त शिक्षण संस्थान उपलब्ध हो सकें।उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि यह बजट प्रदेश के युवाओं के लिए सुनहरे भविष्य की नींव रखेगा। सरकार का यह प्रयास नए उत्तर प्रदेश को शिक्षा, रोजगार और नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

शिवपाल ने बजट को कहा बड़े घोटाले की स्क्रिप्ट

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने विधानसभा में बजट पेश किया। अब इस पर आम बजट पर विपक्ष की तीखी प्रतिक्रियाये आई है। सपा नेता शिवपाल यादव ने उत्तर प्रदेश के बजट पर कहा, ष्यह बजट एक बड़े घोटाले की पटकथा है। अगर यही विकास है तो जनता को अंधकार से कोई शिकायत नहीं होनी चाहिए। मैं सरकार से आग्रह करता हूं कि अगली बार जुमलों की किताब की जगह जनता की जरूरत का बजट बनाएं। हम 2027 में जनता के हित में एक बेहतर बजट लाएंगे।ष्वहीँ उत्तर प्रदेश विधानसभा के नेता विपक्ष माता प्रसाद पांडे ने कहा है कि यह बजट सरकार के दिखावे का बजट है और इस बजट को मैं कोई नंबर नही देता हूं। बजट से विकास को रफ्तार क्या किसी प्रकार से कोई मदद नहीं मिलेगी। इस बजट में प्रदेश की जनता को कुछ नया नहीं प्राप्त होने वाला है। बजट में नौजवान और बेरोजगारों के लिए कोई विशेष प्रावधान नहीं है।

यूपी बजट : युवाओं के कौशल विकास और रोजगार सृजन को नया आयाम-कपिलदेव

286 आईटीआई में 1.90 लाख सीटें, 12 विशेष महिला आईटीआई से बढ़ेगी भागीदारी

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश के वित्तीय वर्ष 2025-26 के 8,08,736 करोड़ रूपये के ऐतिहासिक बजट को प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल ने युवाओं के उज्ज्वल भविष्य का मजबूत आधार बताया। यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के श्आत्मनिर्भर भारतश् और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के श्नए उत्तर प्रदेशश् के संकल्प को गति देने वाला है, जिससे प्रदेश के युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाकर बड़े पैमाने पर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर सृजित किए जाएंगे। प्रधानमंत्री शिक्षुता प्रोत्साहन योजना के तहत सत्र 2024-25 में 54,833 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की गई है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के अंतर्गत बीते छह वर्षों में 15.25 लाख युवाओं को निःशुल्क रोजगारपरक प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें से 5.71 लाख युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार या स्वरोजगार से जोड़ा गया है। उन्होंने बताया कि अप्रेंटिस योजना के तहत अब तक 2,54,335 युवाओं को उद्योगों और एमएसएमई में प्रशिक्षण के साथ रोजगार के अवसर मिले हैं। इसके अलावा, वर्तमान में 286 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानो में विभिन्न व्यवसायों के लिए 1,90,064 सीटें उपलब्ध कराई गई हैं। विशेष रूप से, 47 आईटीआई में महिला शाखाएं संचालित की जा रही हैं, जबकि 12 आईटीआई पूरी तरह से महिलाओं के लिए समर्पित हैं, जिससे महिलाओं की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। वर्तमान दौर तकनीकी दक्षता का है और उत्तर प्रदेश सरकार इस क्षेत्र में युवाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। आने वाले वर्षों में सरकार का फोकस अत्याधुनिक तकनीकों, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और रोबोटिक्स से जुड़े प्रशिक्षण को बढ़ाने पर रहेगा, जिससे प्रदेश के युवा न केवल राज्य बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर भी अपनी पहचान बना सकें। उन्होंने बजट में कौशल विकास से जुड़े व्यापक प्रावधानों के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और वित्त मंत्री सुरेश खन्ना का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह बजट उत्तर प्रदेश को भारत के ग्रोथ इंजन के रूप में स्थापित करने में निर्णायक भूमिका निभाएगा।

बजट में पिछड़ा वर्ग और दिव्यांगजन के लिए बड़ी योजनाएं-कश्यप

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तुत 2025-26 के बजट में पिछड़ा वर्ग कल्याण और दिव्यांगजन सशक्तिकरण के लिए महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप ने कहा कि यह बजट समाज के हर तबके के समावेशी विकास को समर्पित है। सरकार ने पिछड़े वर्ग के छात्रों, निर्धन परिवारों, बेरोजगार युवाओं और दिव्यांगजनों के लिए कई योजनाओं की घोषणा की है, जो उनके जीवन स्तर को सुधारने में सहायक होंगी।पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों के लिए पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के तहत 2825 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। निर्धन परिवारों की बेटियों के विवाह अनुदान योजना के लिए 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। बेरोजगार युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के उद्देश्य से कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए 35 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई है।दिव्यांगजन सशक्तिकरण के तहत भरण-पोषण अनुदान योजना में 1424 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित की गई है। शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों को कृत्रिम श्रवण सहायक यंत्र आदि प्रदान करने के लिए 35 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। असहाय दिव्यांग व्यक्तियों के इलाज हेतु अनुदान योजना के लिए 10 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा, 3 से 7 वर्ष के श्रवणबाधित, मानसिक मंदित, दृष्टिबाधित बच्चों के लिए 18 मंडलों में बचपन डे केयर सेंटर संचालित किए जा रहे हैं, ताकि उनकी प्रारंभिक शिक्षा और देखभाल सुनिश्चित की जा सके। यह बजट समाज के सभी वर्गों को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित है। सरकार प्रतिबद्ध है कि हर जरूरतमंद तक योजनाओं का लाभ पहुंचे और उनका सामाजिक-आर्थिक उत्थान हो।

यूपी में नौ लाख आउटसोर्स कर्मियों की बल्ले बल्ले

सेवा निगम का गठन बड़ी पहल, योगी मेहरबान,बजट में कर दिया इंतजाम बढ़ेगी सैलरी

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की, जिसके तहत राज्य के लगभग 9 लाख आउटसोर्स कर्मियों की सैलरी में बढ़ोतरी की जाएगी। यह निर्णय कर्मचारियों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और उनके काम के प्रति सम्मान को बढ़ाने के उद्देश्य से लिया गया है। सीएम योगी ने कहा कि आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का न्यूनतम मानदेय 16,000 रुपये से बढ़ाकर 20,000 रुपये प्रति माह किया जाएगा। पारिश्रमिक सीधे कर्मचारियों के बैंक अकाउंट में ट्रांसफर किया जाएगा, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी।आउटसोर्सिंग कर्मी सरकारी विभागों और निगमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। ये कर्मी सफाई, माली, चपरासी, गार्ड जैसे कार्यों को संभालते हैं, जो न केवल प्रशासनिक कार्यों के सुचारु संचालन में सहायक होते हैं, बल्कि नागरिकों को दी जाने वाली बुनियादी सेवाओं का भी हिस्सा होते हैं। इन कर्मचारियों को सामान्य सरकारी कर्मचारियों के समान अधिकार और सुविधाएं नहीं मिल पातीं, जिसके चलते इनकी कार्य-स्थितियों और वेतन में सुधार की आवश्यकता हमेशा महसूस की जाती रही है। सीएम योगी ने घोषणा की कि आउटसोर्सिंग कर्मियों के लिए न्यूनतम वेतन में 4,000 रुपये की वृद्धि की जाएगी। यह कदम कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम है। वेतन वृद्धि के साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि यह राशि सीधे कर्मचारियों के खाते में पहुंचे, जिससे उन्हें नकद भुगतान की परेशानी से छुटकारा मिलेगा और पारदर्शिता में भी वृद्धि होगी। कर्मचारियों को समय पर और सही तरीके से वेतन मिल सकेगा। उनका विश्वास प्रशासन पर बढ़ेगा।सीएम योगी ने घोषणा की कि आउटसोर्सिंग प्रक्रिया को और अधिक सुनियोजित और पारदर्शी बनाने के लिए एक सेवा निगम का गठन किया जाएगा। इस निगम का उद्देश्य आउटसोर्सिंग कर्मियों के कार्यों को बेहतर तरीके से प्रबंधित करना और उन्हें मिलने वाली सुविधाओं तथा उनके वेतन में सुधार लाना होगा। निगम के गठन से कार्यप्रणालीमें सुधार होगा। कर्मचारियों के लिए एक स्थिर और न्यायपूर्ण कार्य वातावरण बनेगा।

भूख हड़ताल पर बैठे लोको पायलट,वीक ऑफ हो रहे कैंसिलय बिना रेस्ट के तनाव में कर रहे ड्यूटी

लखनऊ (यूएनएस)। लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन पर लोको पायलट और गार्ड भूख हड़ताल पर बैठे हैं। रनिंग स्टाफ का कहना है-वीक ऑफ कैंसिल किया जा रहा है। इसमें मेला सहित अन्य कारण बताए जा रहे हैं। 10 से अधिक दिनों तक बिना रेस्ट के काम कराया जा रहा है। इससे पारिवारिक और मानसिक स्थिति खराब हो रही है। हम लोग तनाव में काम कर रहे हैं। लखनऊ मंडल में करीब 3,700 कर्मचारी हड़ताल पर हैं। इसमें से 2,200 लोको पायलट और 1,500 गार्ड हैं। कर्मचारी ड्यूटी पर भी हैं। इस दौरान ड्यूटी खत्म होने के बाद 36 घंटे तक उपवास कर प्रदर्शन में शामिल हो रहे। लोको पायलट बताते हैं कि रूट ऑफ होने के बाद रनिंग रूम में रहने पर 8 घंटे के बाद दोबारा ड्यूटी पर बुलाने का नियम होता है, लेकिन सिर्फ 6 घंटे पर ही बुला लिया जाता है। इससे समस्या होती है। वहीं घर पर रहने पर 16 घंटे की बजाय सिर्फ 14 घंटे में ही बुला लिया जाता है। लोको पायलट चैधरी विक्रम सिंह ने बताया कि रेस्ट कम मिलता है। 50 फीसदी डीए बढ़ने के बाद अन्य कर्मचारियों के भत्ते 25 फीसदी बढ़ा दिए गए हैं, लेकिन रनिंग कर्मचारियों का किलोमीटर अलाउंस अभी तक नहीं बढ़ाया गया है। इससे कर्मचारियों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। आल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन के ब्रांच सेक्रेटरी लोको पायलट आरएस महतो ने बताया कि साप्ताहिक रेस्ट 16 30 घंटे दिया जाए। इसके साथ ही ट्रिप रेस्ट 16 घंटे की रेस्ट हेडक्वार्टर में दिया जाना चाहिए। 70 फीसदी किलोमीटर भत्ते को आयकर से मुक्त किया जाए। इस दौरा। एनपीएस और यूपीएस पेंशन को रद्द कर ओपीएस पेंशन लागू करने की मांग की गई है। आल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन के अध्यक्ष लोको पायलट ज्ञान स्वरूप ने बताया कि हाई पावर कमेटी रिपोर्ट के अनुसार रात की ड्यूटी को सिर्फ दो रात तक सीमित किया जाए।

समाज के हर वर्ग का समान विकास सरकार का लक्ष्य-योगी

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश सरकार का आज बजट प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने पेश किया ।योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-2026 के लिए 8 लाख 8 हजार 736 करोड़ 6 लाख रुपये का ऐतिहासिक बजट विधानसभा में पेश किया। यह उत्तर प्रदेश के इतिहास में अबतक का सबसे बड़ा बजट है। विधानसभा में बजट पेश होने के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने पत्रकारों से बात करते हुए सरकार की उपलब्धियां गिनाई और भावी योजनाओं की भी चर्चा की। सीएम ने कहा कि हमने अपने बजट में इस बात का विशेष ध्यान रखा है कि समाज के सभी वर्गों का समान विकास हो।प्रदेश की जो इमेज बनी हुई है उसमें बदलाव आए।सीएम योगी ने कहा कि इस बजट का आकार 08 लाख 08 हजार 736 करोड़ रुपये से अधिक यानि 8,08,736.06 करोड़ रुपये का है। वर्ष 2024-25 के बजट के सापेक्ष इसमें 9.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उत्तर प्रदेश के बजट के आकार में यह बढ़ोत्तरी राज्य के सामर्थ्य के अनुरूप है। यह बजट अर्थव्यवस्था को विस्तार देने की डबल इंजन सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन पर आधारित बजट है। सीएम ने कहा कि कुल व्यय में 02 लाख 25 हजार 561 करोड़ 49 लाख रुपये कैपिटल एक्सपेंडिचर सम्मिलित है। 2017-18 में प्रदेश की जीडीपी 12.89 लाख करोड़ रुपये थी, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 27.51 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि बजट में व्यय की नई मदों हेतु 28 हजार 478 करोड़ 34 लाख रुपये का प्रावधान है। अवस्थापना विकास के लिये 01 लाख 79 हजार 131 करोड़ 04 लाख रुपये प्रस्तावित है।इसमें ऊर्जा क्षेत्र के लिये 61,070 करोड़ रुपये से अधिक, सिंचाई के लिये 21,340 करोड़ रुपये से अधिक, भारी एवं मध्यम उद्योग के लिये लगभग 24 हजार करोड़ रुपये, नगर विकास के लिये 25,308 करोड़ रुपये से अधिक, आवास एवं शहरी नियोजन के लिये 7,403 करोड़ रुपये से अधिक तथा नागरिक उड्डयन के लिये 3,152 करोड़ रुपये प्रस्तावित है । उन्होंने बताया कि शिक्षा क्षेत्र के लिये 1,06,360 करोड़ रुपये से अधिक प्रस्तावित है। कुल बजट का 13 फीसदी शिक्षा पर इतना व्यय करने वाला उत्तर प्रदेश अग्रणी राज्य है। कृषि क्षेत्र के अन्तर्गत कृषि, उद्यान, पशुधन, दुग्ध, मत्स्य, सहकारिता, ग्राम्य विकास, पंचायती राज, नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति के लिये कुल लगभग 89,353 करोड़ रुपये प्रस्तावित है जो कुल बजट का 11 प्रतिशत है। चिकित्सा क्षेत्र के अन्तर्गत चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, आयुष तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिये 50,550 करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान है जो कुल बजट का 6 प्रतिशत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि होमगार्डस, पीआरडी जवान, ग्राम चैकीदार, शिक्षामित्र, बेसिक शिक्षा विभाग के अनुदेशक एवं मानदेय के आधार पर कार्य करने हेतु वाले कार्मिकों को मुख्यमंत्री जन आरोग्य अभियान के अन्तर्गत 05 लाख रुपये तक की निःशुल्क चिकित्सा का लाभ दिया जाएगा।

इतना ही नहीं आस्था,धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन स्थलों पर भी खास ध्यान दिया गया है। श्री बांके बिहारी जी मंदिर मथुरा-वृन्दावन कॉरिडोर के निर्माण व भूमि क्रय हेतु 150 करोड़ रुपये प्रस्तावित हैं।जनपद मीरजापुर के त्रिकोणीय क्षेत्र में परिक्रमा पथ एवं जन सुविधाओं के विकास हेतु भूमि खरीद व निर्माण के लिए 200 करोड़ रुपये प्रस्तावित हैं। नैमिषारण्य में पर्यटन अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु 100 करोड़ रुपये तथा वेद विज्ञान केन्द्र की स्थापना हेतु 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था। चित्रकूट में पर्यटन अवस्थापना सुविधाओं के लिए 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री ने बताया कि बजट वर्ष 2024-2025 के बजट से 9.8 प्रतिशत अधिक है, जिससे राज्य की आर्थिक वृद्धि को गति मिलेगी। बजट प्रदेश की आर्थिक मजबूती, औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। सरकार का लक्ष्य उत्तर प्रदेश को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ना है।योगी सरकार ने शिक्षा को और मजबूत बनाने के लिए 13 प्रतिशत बजट शिक्षा क्षेत्र के लिए निर्धारित किया है। इसमें प्राथमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में आईसीटी लैब और स्मार्ट क्लासेस स्थापित करने का प्रस्ताव है।उत्तर प्रदेश को तकनीकी हब बनाने के लिए योगी सरकार ने कई नई योजनाएं शुरू करने का प्रस्ताव बजट के जरिए पेश किया है। इसमें श्आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिटीश् की स्थापना की जाएगी, जिससे प्रदेश को तकनीकी नवाचार का केंद्र बनाया जाएगा।

भाकियू भानु गुट की विशाल किसान महापंचायत सम्पन्न हुई

किसान आयोग, बिजली व कर्जा माफ और जीवन यापन भत्ते की मांग उठाई

लखनऊ (यूएनएस)। राजधानी में भारतीय किसान यूनियन भानु गुट के प्रदेश प्रभारी ऋषि मिश्रा के नेतृत्व में चल रही गरीब किसान न्याय पदयात्रा वृंदावन पहुंच कर विशाल किसान महापंचायत में तबदील हो गई। प्रदेश प्रभारी ऋषि मिश्रा के नेतृत्व में किसानों और नौजवानों ने बेहद ही अनुशासन के साथ पदयात्रा का समापन किया। इस यात्रा का हर चैराहे पर क्षेत्रीय जनता द्वारा भव्य स्वागत और अभिनन्दन किया गया था। बुधवार को रात्रि विश्राम वृंदावन मैदान परिसर में करने के बाद एक दिवसीय किसान न्याय पदयात्रा का समापन और विशाल किसान महापंचायत आयोजित हुई जिसमें हजारों की संख्या में किसान उपस्थित रहें। भाकियू भानू गुट के उत्तर प्रदेश मुख्य महासचिव तारा सिंह बिष्ट ने कहा किसान कर्ज माफी, किसान आयोग का गठन, विद्युत फ्री, पुलिस प्रशासन व राजस्व प्रशासन द्वारा किसानों से लगातार किए जा रहे भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने व लखनऊ मंडल के समस्त जनपदों की नहरों में जल प्रवाह सुचारू रूप से संचालित किए जाने व लखनऊ विकास प्राधिकरण आवास विकास परिषद में हो रहा भ्रष्टाचार पर रोक लगाए जाने को लेकर सरकार द्वारा राजस्व अधिकारियों को निर्देशित करने व गांव में घरौनी कार्य को पूरा करने को लेकर जो अभी तक संपन्न नहीं किया गया साथ ही विगत 14 वर्षों से किसानों की जमीन का सर्किल रेट नहीं बढ़ाए जाना और उसके शीघ्र सर्किल रेट बढ़ाने को लेकर किसानों से अन्य सभी संबंधित तमाम मुद्दों को लेकर किसान महापंचायत का आयोजन किया गया है। लखनऊ जिलाध्यक्ष अनुरेंद्र कुमार (अन्नू) ने कहा कि सरकार द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित करें जाने की मांग करते हुए इस किसान महापंचायत का आयोजित किया गया है। प्रदेश प्रभारी ऋषि मिश्रा ने कहा कि उत्तर प्रदेश के गरीब किसान पर हो रहे अत्याचार पर अंकुश लगाए जाने को लेकर इस महापंचायत से सरकार को चेतावनियां देने का एलान करते हुए कहा है कि अगर हम किसानों की बात नहीं सुनी जाएगी तो आगामी विधानसभा चुनाव 2027 पर हमारे पूरे उत्तर प्रदेश का किसान सरकार को मुंहतोड़ जवाब देगा।

सम्पादकीय

रील्स के परिवेश

मॉडर्न परिवेश में जीवन का चरमसुख अब फॉलोअर्स पाने और कमेंट आने पर निर्भर हो गया है। फ़ेसबुक जैसे प्लेटफ़ॉर्म पर नग्न-अवस्था में तस्वीरें शेयर कर आज लड़कियाँ लाइक कमेंट पाकर खुद को ऐसे अनुगृहित करती दिखाई देती है; मानो जीवन की सबसे अहम और ज़रूरी ऊंचाई को उन्होंने पा लिया हो। इस नगनता को हम आधुनिकता के इस दौर में न्यू फ़ैशन कहते हैं। सोशल मीडिया पर फ़ैशन की उबाल आई तो सोशल नेटवर्क पर युवा पीढ़ी ने खुद को खूबसूरत युवतियों से पीछे पाया, फिर क्या युवकों ने खुद की नग्नता का नंगा नाच शुरू किया कहा मैं पीछे कैसे? युवा अपने यौवन को दिखाते घूम रहे हैं मैं किसी से कम नहीं। पहले के ज़माने में बड़े बुज़ुर्ग इस तरह की हरकतों पर नकेल कसते थे। खैर ज़माना आधुनिक है इस लिए समाज इसे स्वीकारता और आनंदित होता है। ऐसे बिगड़ैल यूट्यूबर के इंटरव्यूज होना और भी अचरज की बात है। सोशल मीडिया पर आजकल जो ये फ़ॉलोवर बढ़ाने के लिए जो नग्नता परोसी जा रही है, क्या उसमें परोसने वाले ही दोषी है? क्या उसको लाइक और शेयर करने वाले दोषी नहीं हैं? मेरे हिसाब से तो वह ज़्यादा दोषी हैं। अगर हम ऐसी पोस्ट या वीडियो को लाइक शेयर करना ही बंद कर दें तो क्या ये बंद नहीं हो सकता? पूरा देश नग्नता के लिए फ़िल्मों को दोष देता है परंतु आज सोशल मीडिया (सामाजिक पटल) पर इतनी भयंकर नग्नता है कि हमारी जो भारतीय फ़िल्में को भी शर्म आ जाए। आज कोई भी सोशल प्लेटफ़ार्म अछूता नहीं है फूहड़पन और नग्नता से। सोशल मीडिया के अंधे दौर में कुछ लाइक और व्यू पाने के लिए हमारे समाज की नारियों को कैसे लक्षित किया जा रहा है और उन्हें नग्नता परोसना पड़ रहा है और वह लाइक और व्यू के आसमान में उड़ने के लिए नग्नता परोस स्वयं के मान सम्मान स्वाभिमान का सौदा आसानी से कर रही हैं। कुछ चपल चाप यूट्यूबर्स लोग केवल व्यू पाने के लिए हमारी आस्था पर इस तरह के अश्लीलता वाले थम्बनेल लगाते हैं। किससे क्या कहें? जीवन का चरमसुख अब फ़ॉलोअर्स पाने और कमेंट आने पर निर्भर हो गया है। फ़ेसबुक जैसे प्लेटफ़ॉर्म पर नग्न-अवस्था में तस्वीरें शेयर कर आज लड़कियाँ लाइक कमेंट पाकर खुद को ऐसे अनुगृहित करती दिखाई देती हैं, मानो जीवन की सबसे अहम और ज़रूरी ऊंचाई को उन्होंने पा लिया हो। इस नगनता को हम आधुनिकता के इस दौर में न्यू फ़ैशन कहते हैं। इस सोशल मीडिया पर फ़ैशन की उबाल आई तो सोशल नेटवर्क पर युवा पीढ़ी ने खुद को खूबसूरत युवतियों से पीछे पाया, फिर क्या युवकों ने खुद की नग्नता का नंगा नाच शुरू किया और कहा, मैं पीछे कैसे? युवा अपने यौवन को दिखाते घूम रहे हैं मैं किसी से कम नहीं। ऐसे बिगड़ैल यूट्यूबर के इंटरव्यूज होना और भी अचरज की बात है। पहले के ज़माने में बड़े बुज़ुर्ग इस तरह की हरकतों पर नकेल कसते थे। खैर ज़माना आधुनिक है इस लिए समाज इसे स्वीकारता और आनंदित होता है। पर ये बहुत ही गम्भीरता से सोचने का विषय है- हमारे घरों के छोटे-छोटे बच्चे किस दिशा में जा रहे हैं। माता-पिता क्यों जानबूझ कर अनदेखा कर रहे हैं? क्यों नहीं अपने बच्चो को टाइम और संस्कार देना चाहते हैं? क्यों अपने हाथो अपने बच्चो को दलदल में धकेल रहे हैं? आजकल के माता-पिता बहुत ज़्यादा मार्डन है और उन्हें नंगापन, बॉयफ्रेंड और मार्डन परिवेश बेहद आकर्षित करती हैं। ये आने वाली पीढ़ी और समाज के लिए घातक सिद्ध होगा। टीनएजर लड़कियों की मनःस्थिति को अपने ख़ास मकसद के मुताबिक ढाला जा रहा है। अब तो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स आभासी नग्नता के अड्डे बने हुए हैं। वल्गर रील्स और वीडियोस तो अब हर घर के टीनेजर्स बना ही रहे हैं। अब तो ऐसा महसूस होने लगा है कि वैश्यावृति के अड्डे भी नये विकल्पों के साथ हवस परस्त मदी के लिए उपलब्ध हो गए हैं। सोशल मीडिया पर आजकल जो ये फ़ॉलोवर बढ़ाने के लिए जो नग्नता परोसी जा रही है, क्या उसमें परोसने वाले ही दोषी हैं? क्या उसको लाइक और शेयर करने वाले दोषी नहीं हैं? मेरे हिसाब से तो वह ज़्यादा दोषी हैं। अगर हम ऐसी पोस्ट या वीडियो को लाइक शेयर करना ही बंद कर दें तो क्या ये बंद नहीं हो सकता? आज सामाजिक विकार अपने सफ़र के सफलतम पड़ाव में है। रोकथाम की कोई गुंजाइश नहीं है। अब तो प्रलय ही इसकी गति को रोक सकती है। सोशल मीडिया में रील्स पर नग्न और अश्लील नृत्य की नौटंकी करने वाली बेटियों से निवेदन है कि चंद काग़ज़ के टुकड़ों के लिए अपने परिवार और धर्म की इज़्ज़त तार-तार ना करो।

शेयर मार्केट के विकास में सेबी का अहम योगदान

एडवोकेट किशन भावनानीं

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के हर देश को सुद्धड़ व अनुकूल विकसित बनाने के लिए वित्त की आवश्यकता होती है, जिसमें एक छोटी सी सुई से लेकर हवाई जहाज के तुल्य तक कार्य हो सकते हैं,परंतु वित्त से भी आवश्यक इसका प्रबंधन है,अगर प्रबंधन, स्सुशासन नहीं रहा हैं तो विकास कार्य पटरी से उत्तर जाएगा व कुछ सीमित धनाट्यों के हाथों में चला जाएगा, इसलिए वित्त प्रबंधन व उसकी निगरानी करना अति आवश्यकहै।विकसित भारत में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) का अहम् रोल है जिससे मैं अच्छे से जानता हूं,क्योंकि मैंने एलएलबी एलएलएम के साथ सीए (एटीसी) भी किया है इसलिए सेबी कानून प्रक्रिया व विनियमन को भली भांति समझ सकता हूं। सामान्य सेबी भारत में प्रतिभूति बाजार के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार सबसे महत्वपूर्ण विनियामक निकायों में से एक है। सेबी की स्थापना प्रतिभूति बाजार में निवेश करने वाले निवेशकों के हितों को संरक्षित करने और प्रतिभूति बाजारके विकास और वृद्धि को प्रोत्साहित करने के इरादे से की गई थी ।साथ ही, बोर्ड को यह सुनिश्चित करना होगा कि सभी बाजार भागीदार निर्धारित मानदंडों का अनुपालनकरें।सेबी को उन बाजार प्रति भागियों पर जुर्माना लगाने का अधिकार दिया गया है जो नियमों और विनियमों का अनुपालन नहीं कर रहे हैं।भारत में प्रतिभूति और वित्त का नियामक बोर्ड है। इसकी स्थापना 12 अप्रैल 1988 में हुई तथा सेबी अधिनियम 1992 के तहत वैधानिक मान्यता 30 जनवरी 1992 को प्राप्त हुई।सेबी का मुख्यालय मुंबई में बांद्रा कुर्ला परिसर के व्यावसायिक जिले में हैं और क्रमशः नई दिल्ली, कोलकाता, चेनन्ई और अहमदाबाद में उत्तरी, पूर्वी, दक्षिणी व पश्चिमी क्षेत्रीय कार्यालय हैं।आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि दिनांक 17 फरवरी 2025 को सेबी ने,मौजूदा ग्राहकों के लिए अब निवेश सलाहकार और रिसर्च एनालिस्ट अपने मौजूदा ग्राहकों को एमआईटीसी की जानकारी सिर्फ ईमेल या किसी अन्य सुरक्षित डिजिटल माध्यम से भेज सकते हैं। एमआईटीसी की जानकारी 30 जून 2025 तक सभी मौजूदा ग्राहकों को भेजनी होगी। अब फिजिकल या डिजिटल सिगनेचर की जरूरत नहीं होगी। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,शेयर मार्केट में इन्वेस्ट करने वाले निवेशकों के हितों को सुरक्षित करने वह शेयर मार्केट के विकास वृद्धि को प्रोत्साहित करने में सेबी का हम योगदान है।

साथियों बात अगर हम सेबी द्वारा नियमों में बदलाव की करें तो, निवेश सलाहकारों (आईए) और शोध विश्लेषकों (आरए) के लिए यह अनिवार्य बना दिया है कि वे मोस्ट इम्पोर्टेंट टर्म्स ऐंड कंडीशंस' (एमआईटीसी) के तौर पर जाने जाने वाले नियम और शर्तों (टीऐंडसी) का खुलासा करेंगे और उन पर ग्राहकों की सहमति लेंगे। ये अहम नियम और शर्तें दो पृष्ठ का दस्तावेज है, जिसे सेबी ने आईए और आरए के संबंधित उद्योग मानक संगठनों के सहयोग से मानक रूप दिया है। निवेश सलाहकारों को 30 जून तक इन नियमों और शर्तों के बारे में क्लाइंटों को बताना होगा।नए करारों में नई शर्तों को शामिल करना जरूरी है। इसके अलावा, एमआईटीसी ने शिकायतों के मामले में ग्राहकों के लिए स्पष्ट कदम सुझाए हैं। इनमें सेबी के स्कोर्स पोर्टल या ऑनलाइन विवाद समाधान (ओडीआर) वेबसाइट पर शिकायत को आगे बढ़ाना (यदि समाधान असंतोषजनक रहता है) शामिल है। दिशा-निर्देशों में यह भी बताया गया है कि निवेश सलाहकार सिर्फ परामर्श सेवाओं के लिए भुगतान स्वीकार कर सकते हैं। उन पर ग्राहकों की ओर से अपने खातों में धन या प्रतिभूतियां प्राप्त करने पर प्रतिबंध लगाया गया है। निवेश सलाहकारों के लिए बदले नियम वे मोस्ट इम्पोर्टेंट टर्म्स ऐंड कंडीशंस (एमआईटीसी) के तौर पर जाने जाने वाले नियम और शर्तों (टीऐंडसी) का खुलासा करेंगे और उन पर ग्राहकों की सहमति लेंगे। सेबी द्वारा नियमों में बदलाव करने के मकसद की करें तो,नियम बनाने,सार्वजनिक परामर्श अनिवार्य करने और मानदंडों को संशोधित करने के लिए संबंधित पक्षों की भागीदारी के लिए एक नई प्रक्रिया का निर्धारण किया है। सेबी ने गजट में प्रकाशित अधिसूचना में सेबी (विनियमों को बनाने, संशोधन और समीक्षा करने की प्रक्रिया) विनियमन, 2025 को अधिसूचित किया है।सेबी नियम बनाने के लिए, अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर नीति में सुझाए गए परिवर्तनों वाला प्रस्ताव प्रकाशित करेगा। इसके अलावा प्रस्तावित विनियमों के उद्देश्य और उसका विवरण, सार्वजनिक टिप्पणियां प्राप्त करने का तरीका, प्रक्रिया और समयसीमा की जानकारी दी जाएगी।सेबी ने कहा,सार्वजनिक टिप्पणियां प्राप्त करने के लिए आमतौर पर कम से कम 21 दिन दिये जाएंगे।सार्वजनिक टिप्पणियां प्राप्त होने पर, टिप्पणियों को अस्वीकार करने का औचित्य, यदि कोई हो, सेबी की आधिकारिक वेबसाइट पर दिया जाएगा। इसके बाद प्रस्तावित नियमों और संबंधित एजेंडा पत्र पर सेबी विचार करेगा। यदि एजेंडा पत्र सार्वजनिक परामर्श के बाद तैयार किया गया है, तो इसमें प्राप्त टिप्पणियों का एक व्यवस्थित संकलन या ऐसी टिप्पणियों का सारांश और उसपर सेबी की टिप्पणियां शामिल होंगी।सेबी ने कहा,जहां बोर्ड (सेबी) की राय होगी कि निवेशकों के हित और प्रतिभूति बाजार के विनियमन और विकास के लिए यह उपयुक्त है कि सार्वजनिक परामर्श प्रक्रिया का पालन प्रस्तावित विनियमन के उद्देश्य को विफल कर देगा, चेयरपर्सन सार्वजनिक परामर्श की प्रक्रिया से दूर हो सकता है या सार्वजनिक टिप्पणियां प्राप्त करने की समय अवधि कम कर सकता है। साथियों बात अगर हम सेबी निवेश सलाहकारों व रिसर्च एनालिसिस्ट नियमों में बदलाव को गहराई से समझने की करें तो, भारतीय शेयर बाजार में पैर जमाना वित्त की दुनिया में नए लोगों के लिए एक समस्या हो सकती है।क्यों अधिकतर लोग शेयर बाजार की सलाह के लिए इन सलाहकारों की ओर रुख करते हैं और हम अपने धन- संबंधी लक्ष्यों तक पहुंचने में मदद के लिए सर्वोत्तम सलाहकार कैसे पा सकते हैं।सर्कुलर के मुताबिक निवेश सलाहकारों और रिसर्च एनालिस्ट्स को सीधे राहत दी गई है।अब वे अपने मौजूदा ग्राहकों को उनकी जानकारी ईमेल या किसी अन्य डिजिटल माध्यम से भेज सकते हैं, जिसे रिकॉर्ड के रूप में सुरक्षित रखा जा सकता है। पहले ग्राहकों से एमआईटीसी को फिजिकल या डिजिटल सिग्नेचर के जरिए कन्फर्म कराना अनिवार्य था, जिससे कई समस्याएं हो रही थीं, अब इस नियम में राहत देते हुए ईमेल या अन्य डिजिटल माध्यमों से एमआईटीसी भेजने की अनुमति दी है।नए ग्राहकों के लिए एमआईटीसी को टाइम एंड कंडीशंस में शामिल किया जाएगापूरी शर्तों और नियमों को ग्राहक को डिस्क्लोज करना होगा और उनसे लिखित सहमति लेनी होगी।निवेश सलाहकारों और रिसर्च एनालिस्ट्स के लिए शुल्क पर नया नियम- (1) सेबी ने निवेश सलाहकारों और रिसर्च एनालिस्ट्स के लिए यह नियम तय किया हैः-आरए (रिसर्च एनालिस्ट) एडवांस फीस सिर्फ 3 महीने तक ले सकते हैं।इंवेस्टमेंट एडवाइजर एडवांस फीस 6 महीने तक ले सकते हैं हालांकि सेबी ने इस सीमा को 1 साल तक बढ़ाने के लिए एक परामर्श पत्र जारी किया है,क्योंकि आईएस और आरए ने इस नियम का विरोध किया है।सेबी के नए नियमों का विश्लेषण-निवेश सलाहकारों और रिसर्च एनालिस्ट्स के लिए राहत है, परंतु इन विशेषज्ञों को व्यापार और निवेश से संबंधित सभी मामलों में विशेषज्ञ कहलाने के लिए लंबे अध्ययन और शोध से गुजरना पड़ता है।वे अन्य ब्रोकर या एजेंट से अलग होते हैं क्योंकि वे ग्राहक के सर्वोत्तम हित में कार्य करते हैं। सेबी-पंजीकृत सलाहकार आपको ऐसी सलाह देता है जो आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों तक पहुँचने में मदद करती है।सेवाएँ प्रदान करने के अलावा, ये विशेषज्ञ हमको बता सकते हैं कि शेयर बाज़ार के बारे में कैसे अध्ययन करें या सीखें,क्योंकि वे सूचना और ज्ञान का एक समृद्ध स्रोत हैं। आप शेयर बाज़ार, शेयर और शेयर बाज़ार के सुझावों के बारे में जानकारी देने के लिए उन पर भरोसा कर सकते है।सर्वश्रेष्ठ सेबी पंजीकृत निवेश सलाहकार चुनना क्यों महत्वपूर्ण है?क्या करना है और अपनी मेहनत की कमाई को कैसे बढ़ाना है, इसकी योजना बनाना आसान नहीं है! साथ ही,हमको सेबी निवेश सलाहकार से विशेषज्ञ की दूसरी राय भी लेनी होगी।यह सबसे अच्छा सलाहकार चुनना एक ऐसा काम है जिसे आपको हल्के में नहीं लेना चाहिए! सही विकल्प चुनने से आपको बेहतर निणर्य लेने में मदद मिल सकती है। यह आपको ट्रेडिंग या निवेश के लिए सेबी-पंजीकृत स्टॉक सलाहकार की विशेषज्ञता पर भरोसा करने की भी अनुमति देता है।

साथियों बात अगर हम भारत में उपयुक्त सेबी-पंजीकृत निवेश सलाहकार चुनने के लिए सुझावकी करें तो जिसने पहले कभी ऐसा नहीं किया है, उसे सेबी -प्रमाणित निवेश सलाहकार खोजने में कठिनाई हो सकती है,इसलिए सबसे अच्छा सलाहकार खोजने में मदद करने के लिए पूरी प्रक्रिया हैं (1) सलाहकार खोजने के लिए कई स्रोतों का उपयोग करें,जब कोई व्यक्ति विश्वसनीय वित्तीय सलाह देने वाले साथी की तलाश में होता है तो वह इंटरनेट का उपयोग करता है।लेकिन यह आपके लिए पार्टनर की तलाश शुरू करने का एकमात्र स्थान नहीं है। आप सोशल मीडिया पर सुन सकते हैं या मुंह से सुनीबातों से संकेत ले सकते हैं! इन तरीकों से आपको नामों की एक सूची मिलेगी, और उनमें से सबसे अच्छा सेबी-पंजीकृत निवेश सलाहकार होगा। (2) उनकी सेबी-स्थिति स्थापत करेंत करेंकिसी एक को चुनने से पहले, जाँच लें कि क्या वे सेबी आरए के रूप में पंजीकृत हैं। ऐसा करने के लिए,सेबी की वेबसाइट खोलें और स्वीकृत सलाहकारों की सूची में उनके क्रेडेंशियल देखें। यदि वे दिखाई देते हैं, तो आप उन पर विचार कर सकते हैं, लेकिन यदि नहीं, तो उन्हें अपनी सूची से हटा दें!(3) उनके अनुभव और ज्ञान की जाँच करेंहमें यकीन है कि प्रत्येक सेबी पंजीकृत निवेश सलाहकार के पास आपकी मदद करने की विशेषज्ञता है, लेकिन फिर भी आपको जांच करनी होगी!

साफ होनी चाहिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर दिमागी गंदगी

प्रियंका सौरभ

कानूनी कार्रवाई का मतलब सिर्फ व्यक्तियों को दंडित करना नहीं है; इसका उद्देश्य एक मिसाल कायम करना है कि कुछ चीजें स्वीकार्य नहीं हैं, चाहे लोग उन्हें कितना भी हास्यपूर्ण बताने की कोशिश करें। यदि वे सचमुच समाज को बेहतर बनाने के बारे में चिंतित हैं, तो उन्हें यह समझना चाहिए कि सांस्कृतिक पतन से लड़ना भी बड़े अपराधों से निपटने जितना ही महत्वपूर्ण है। यदि आप सोचते हैं कि हमें ऐसे घृणित 'मजाक' को नजरअंदाज कर देना चाहिए और केवल 'वास्तविक अपराधों' पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, तो आप यह समझने में विफल हैं कि समाज कैसे काम करता है। विकृत और अपमानजनक हास्य को सामान्य मानने से नैतिक सीमाएं कमजोर होती हैं और लोग अस्वीकार्य चीजों के प्रति असंवेदनशील हो जाते हैं। कॉमेडी में बिना किसी परिणाम के कुछ भी कहने की छूट नहीं है - खासकर तब जब यह बहुत ही विचलित करने वाले क्षेत्र में प्रवेश कर जाए। यदि कोई मजाक अनादर, असंवेदनशीलता या नैतिक सीमाओं को लांघने पर आधारित है, तो यह सवाल उठना उचित है कि क्या यह समाज का उत्थान करता है या पतन करता है?आलोचना का मतलब 'घटिया मानसिकता' रखना नहीं है; यह संस्कृति पर विषय-वस्तु के प्रभाव को पहचानने के बारे में है। यदि कॉमेडी पर सवाल नहीं उठाया जा सकता तो फिर वास्तव में संवेदनशील कौन है? अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर ऐसी सामग्री का बचाव करना केवल यह साबित करता है कि समाज में क्या स्वीकार्य है, इसके प्रति लोग कितने असंवेदनशील हो गए हैं।

कुछ लोग ह्यूमर के नाम पर समाज में गंदगी फैला रहे हैं। ऐसा कंटेट प्रसारित कर रहे हैं जो चिंता का विषय है। विवाद बढ़ने के बाद ये अश्लील इंफ्लूएंसर अपनी करतूत पर माफी मांग लेते है। लेकिन सवाल ये है कि क्या इनकी शर्मनाक हरकत पर इनका माफ़ी मांग लेना काफ़ी है या बड़ा एक्शन होना चाहिये? ऐसे लगों को कानूनी तौर पर तो सजा मिलनी ही चाहिए, लेकिन साथ ही में जनता उनके सभी चैनलों का बहिष्कार करेगी तो यह उनके लिए सबसे बड़ी सजा होगी। इन लोगों को सजा मिलनी आवश्यक है तभी बाकी इस प्रकार के मानसिक दिवालिया वाले लोग सुधार पाएंगे। ऐसे सारे कार्यक्रम, ओटीटी, टीवी, आदि पर भी हैं। सब बंद होना चाहिए। ऐसा बलग़र कंटेंट्स हमारे देश की संस्कृति को खत्म कर देगी।.यह निंदनीय है और सभ्य समाज के लिए गलत भी। ऐसे लोग हमारा सनातन धर्म और हिंद संस्कृति का बेड़ागर्क कर रहे है। इनको सजा होनी चाहिए ताकि आने वाले समय ऐसी नीच हरकत और सोच रखने वाले ऐसी हरकत करने से पहले 10 बार सोचना पड़े। इस सब प्रकार की घिनौनी मानसिकता को देखना और सुनना आज के समाज का भी कसूर है। इन जैसे लोगों का समाज से बहिष्कार करना चाहिए। गंदी भाषा वाले बहुत सारे नाटक और फ़िल्में दिखाई जाती हैं। उन्हें भी बंद कर देना चाहिए। ओटीटी पर तो बहुत ज्यादा अश्लीलता परोसी जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया की 'इंडियाज गॉट लैटेंट' पर 'आपत्तिजनक' टिप्पणियों की निंदा की। सर्वोच्च न्यायालय ने अल्लाहबादिया के शब्दों के पीछे छिपे गहरे मुद्दों को उजागर करते हुए इसे 'उनके दिमाग की गंदगी' कहा। अल्लाहबादिया के शब्दों की निंदा करते हुए कहा कि उसकी भाषा से माता-पिता और बहनों को शर्म आएगी। सुप्रीम कोर्ट के अनुसार, अल्लाहबादिया की टिप्पणियों की विकृत प्रकृति से 'पूरा समाज शर्मिंदा महसूस करेगा'। यह मामला डिजिटल युग में प्रभावशाली व्यक्तियों और सामग्री निर्माताओं की जिम्मेदारी के बारे में व्यापक चर्चा को जन्म देता है। वैसे भी सार्वजनिक हस्तियों को अपनी भाषा के प्रयोग के प्रति सचेत रहना चाहिए, क्योंकि इससे सामाजिक मूल्यों पर असर पड़ता है। समाज पर ऐसे युवा प्रतीकों के प्रभाव को कम आंकना मूर्खतापूर्ण होगा, विशेषकर युवा मस्तिष्कों और स्वस्थ समाज की बुनियादी संस्कृति पर। क्या यह काफी बड़ा नहीं है? यह पूछना कि शो का कोई प्रतियोगी किस चीज के लिए कितना शुल्क लेगा, क्या इससे युवाओं की एक पूरी पीढ़ी भ्रष्ट नहीं हो जाएगी? तर्कहीन ढंग से और समाज के प्रति किसी जिम्मेदारी के बिना कही गई बातें। क्या आपके बच्चे नहीं हैं और न ही आपको उनकी परवाह है। सच तो यह है कि 'मजाक' के माध्यम से ऐसी अश्लीलता को सामान्य बनाना उसी मानसिकता को बढ़ावा देता है जो वास्तविक अपराधों को बढ़ावा देती है। समाज रातों-रात नहीं बिखर जाता - इसकी शुरुआत असहनीय को सहन करने, घृणित को 'सिर्फ हास्य' के रूप में नजरअंदाज करने और धीरे-धीरे नैतिक सीमाओं को खत्म करने से होती है।

कानूनी कार्रवाई का मतलब सिर्फ व्यक्तियों को दंडित करना नहीं है। इसका उद्देश्य एक मिसाल कायम करना है कि कुछ चीजें स्वीकार्य नहीं हैं, चाहे लोग उन्हें कितना भी हास्यपूर्ण बताने की कोशिश करें। यदि वे सचमुच समाज को बेहतर बनाने के बारे में चिंतित हैं, तो उन्हें यह समझना चाहिए कि सांस्कृतिक पतन से लड़ना भी बड़े अपराधों से निपटने जितना ही महत्वपूर्ण है। यदि आप सोचते हैं कि हमें ऐसे घृणित 'मजाक' को नजरअंदाज कर देना चाहिए और केवल 'वास्तविक अपराधों' पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, तो आप यह समझने में विफल हैं कि समाज कैसे काम करता है। विकृत और अपमानजनक हास्य को सामान्य मानने से नैतिक सीमाएं कमजोर होती हैं और लोग अस्वीकार्य चीजों के प्रति असंवेदनशील हो जाते हैं। कॉमेडी में बिना किसी परिणाम के कुछ भी कहने की छूट नहीं है। खासकर तब जब यह बहुत ही विचलित करने वाले क्षेत्र में प्रवेश कर जाए। कानून गरिमा को बनाए रखने और बुनियादी शालीनता के क्षरण को रोकने के लिए मौजूद हैं। अगर आप 'यह सिर्फ. एक मज़ाक है' के नाम पर इसका बचाव कर रहे हैं, तो शायद असली मुद्दा यह है कि आप इस तरह की सामग्री के प्रभाव के प्रति कितने सुनन्न हो गए हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ़ कानूनी कार्रवाई करना बहुत ज़रूरी है। आपका यह तर्क कि हमें 'मजाक के बजाय वास्तविक अपराधों और समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए' मूर्खतापूर्ण और अपरिपक्व दोनों है।

हास्य में शक्ति होती है और शक्ति के साथ जिम्मेदारी भी आती है। 'मजाक' कहलाने वाली हर बात हानि रहित नहीं होती। कुछ हास्य हानिकारक व्यवहार को सामान्य बना देता है। यदि कोई मजाक अनादर, असंवेदनशीलता या नैतिक सीमाओं को लांघने पर आधारित है, तो यह सवाल उठना उचित है कि क्या यह समाज का उत्थान करता है या पतन करता है। आलोचना का मतलब 'घटिया मानसिकता' रखना नहीं है; यह संस्कृति पर विषय-वस्तु के प्रभाव को पहचानने के बारे में है। यदि कॉमेडी पर सवाल नहीं उठाया जा सकता तो फिर वास्तव में संवेदनशील कौन है? अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर ऐसी सामग्री का बचाव करना केवल यह साबित करता है कि समाज में क्या स्वीकार्य है।

स्वस्थ लोकतंत्र के लिए एक मज़बूत और रचनात्मक विपक्ष आवश्यक है

प्रियंका सौरभ

विपक्ष एक आवश्यक प्रहरी है जो एक समृद्ध लोकतंत्र में सरकार की शक्ति पर नियंत्रण और संतुलन सुनिश्चित करता है। यह विभिनन्न दृष्टिकोणों को व्यक्त करने, समाज के विभिनन्न पहलुओं का प्रतिनिधित्व करने तथा सरकार को उसके कार्यों के लिए जवाबदेह बनाने के लिए आवश्यक है। सहिष्णुता, वास्तविक राजनीतिक विरोध, तथा विवादों को सौहार्दपूर्ण ढंग से निपटाने की नागरिकों की क्षमता में विश्वास, ये सभी लोकतंत्र के लिए पूर्वापेक्षाएँ हैं। एक कमजोर और बिखरा हुआ विपक्ष चुपचाप खड़ा रह सकता है और बहुमत वाली पार्टी की तानाशाही और मनमर्जी को तानाशाही स्थापित करने की इजाज़त दे सकता है। यद्यपि सरकार के सुचारू संचालन के लिए एक स्वस्थ विपक्ष आवश्यक है, ताकि कभी-कभार होने वाली ज्यादतियों का प्रतिकार किया जा सके और अवरोधों को रोका जा सके, किन्तु विपक्ष की अनुपस्थिति समग्र रूप से लोगों की स्वतंत्रता और जीवन को खतरे में डाल देगी तथा कानून के शासन को भी ख़तरा पहुँचाएगी।

लोकतंत्र को मज़बूत बनाने के लिए सरकार और विपक्ष को मिलकर रचनात्मक रूप से काम करना होगा। लेकिन भारत में संसदीय बहसों में बढ़ते ध्रुवीकरण, बार-बार व्यवधान तथा गहन चर्चाओं पर बयानबाजी के प्रभुत्व के कारण विधायी विचार-विमर्श की गुणवत्ता और भी खराब हो गई है। अपर्याप्त नीतिगत चर्चा सरकार और विपक्ष के बीच वास्तविक बातचीत में बाधा डालती है। पक्षपातपूर्ण मुद्दों का उपयोग अक्सर उन महत्त्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करने के लिए किया जाता है, जिनके लिए व्यापक राष्ट्रीय सहमति की आवश्यकता होती है, जैसे विदेश नीति और तकनीकी विकास। संसदीय चर्चाओं की प्रभावशीलता तब कम हो जाती है जब राजनीतिक दुश्मनी के कारण चर्चा के बजाय अशांति पैदा होती है। सरकार का विधायी एजेंडा और विपक्ष के साथ सार्थक तरीके से बातचीत करने की अनिच्छा यह दर्शाती है कि वह अपने कार्यों की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। संसदीय प्रक्रियाओं द्वारा चर्चा और नीति सुधार को सुगम बनाया जाना चाहिए, लेकिन बढ़ती पक्षपातपूर्णता ने इन प्रक्रियाओं को कमजोर कर दिया है। महत्त्वपूर्ण नीतियों पर पूर्व-विधान परामर्श और चर्चाएँ अधिक प्रयास से नहीं हो पा रही हैं।सरकार को नियंत्रण और संतुलन बनाए रखने के लिए एक मज़बूत विपक्ष की आवश्यकता है। इस बात को समझते हुए, अमेरिकी संस्थापकों ने सरकार के कई स्तर स्थापित किये। वे बड़ी सरकार को लेकर बहुत सतर्क थे, यही कारण है कि उन्हें लगता था कि इसे चलाना कठिन और जटिल है। वे अन्य सदस्यों द्वारा कानून पारित होने से रोकने के लिए वैध लेकिन अनैतिक साधनों के प्रयोग से अनभिज्ञ थे। 'विधेयक पर बात-चीत करते हुए उसे समाप्त कर देना' या 'विधेयक पर बात न करना' का तात्पर्य अनावश्यक भाषणबाजी और समय की बर्बादी से है जिसका उद्देश्य किसी सार्थक विधेयक या कानून को वास्तव में पारित होने से रोकना होता है। विपक्ष सरकार में तोड़फोड़ कर सकता है और कानूनों को पारित होने से रोक सकता है, जिससे वे अप्रभावी हो जाएंगे। मज़बूत विपक्ष के अभाव में वर्तमान सरकार निरंकुश और गैर-जवाबदेह हो जाती है और वह ऐसे कानून बना सकती है जो कुछ लोगों या किसी विशिष्ट जनजाति या समूह को लाभ पहुँचाते हैं। जैसा कि कहा गया है, 'सत्ता भ्रष्ट करती है' और खेद की बात है कि ऐसा होता भी है। अतीत के कथित 'परोपकारी' राजा वास्तव में अधिकार के पदों पर नहीं थे। 1960 के दशक में पहली बार नाइजीरियाई सैन्य अधिग्रहण से पहले, देश में मज़बूत विपक्ष था। हालांकि, फूट डालो और राज करो की रणनीति, तथा देशद्रोह के आरोप में नेता को जेल में डालकर इसे कुचलने में सफल रहे। परिणामस्वरूप, लोगों ने उन सभी लोगों को मार डाला जिन्हें वे भ्रष्ट मानते थे, क्योंकि उन्हें लगा कि उनकी शिकायतों पर सुनवाई नहीं हो रही है और सरकार गैर-जवाबदेह और भ्रष्ट हो गई है। इसके परिणामस्वरूप तख्तापलट हुआ। मुख्यतः एक विशिष्ट जनजाति से सम्बंधित राजनेताओं की हत्या के बाद गृहयुद्ध छिड़ गया। भले ही नेता को यह विश्वास हो कि वह लोगों के सर्वोत्तम हित में कार्य कर रहा है, लेकिन यदि मामले में उनकी कोई बात नहीं सुनी जाएगी तो लोग उत्पीडि़त महसूस करेंगे। किसी वर्तमान या भूतपूर्व नेता द्वारा जनता के प्रतिनिधियों को सम्बोधित करने तथा अपने कार्यों के लिए उत्तरदायी ठहराए जाने की क्षमता अद्भुत है। सभी तानाशाह प्रेस में किसी भी प्रकार की असहमति को दबाने से शुरुआत करते हैं, जो एक अन्य महत्त्वपूर्ण तत्व है। इसके बाद उन्हें गैर-सरकारी संगठनों पर हमला करने का अवसर मिलता है।राजनीतिक बयानबाजी के बजाय नीति पर ज़ोर देना संसदीय कार्यप्रणाली में सुधार का एक तरीक़ा है। संसदीय चर्चाओं में पुराने ज़माने के दोषारोपण या चुनाव प्रचार की तुलना में शासन सम्बंधी मुद्दों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

डॉक्टर बनने के लिए क्यों देश छोड़ रहे भारतीय छात्र

डॉ. सत्यवान सौरभ

घरेलू मेडिकल संस्थानों में उपलब्ध कुछ सीटों के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा और इस तथ्य के कारण कि कुछ देश बहुत कम ट्यूशन फीस देते हैं, भारतीय छात्र अक्सर विदेश में चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करना चुनते हैं। इससे उन्हें अधिक किफायती लागत पर उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने की सुविधा मिलती है। अन्य आकर्षक कारकों में विभिनन्न अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा पद्धतियों से परिचित होना, निजी कॉलेजों में उच्च ट्यूशन फीस, अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा पद्धतियों से परिचित होना और कुछ देशों में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा शामिल हैं। इसलिए, इन छात्रों का मुख्य उद्देश्य चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करना और भारत वापस आना है। (भले ही कुछ लोग विदेश में बसना चाहते हों, लेकिन यह प्रवृत्ति भारत में चिकित्सा प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों से बहुत अलग नहीं हो सकती है) । इसलिए, विदेशी चिकित्सा-सनतक परीक्षा उत्तीर्ण करने की उनकी क्षमता मुख्य चिंता है। क्या सरकार इसे समाप्त कर देगी और इसकी जगह सभी छात्रों के लिए एक परीक्षा लाएगी, चाहे डिग्री भारत से हो या विदेश से? मुख्य मुद्दा यह है कि क्या भारत में पर्याप्त योग्य चिकित्सा पेशेवर हैं या क्या इसका उद्देश्य लोगों को विदेशों में चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने से रोकना है।

भारत छोड़ने वाले मेडिकल छात्रों की संख्या में वृद्धि हुई है, हर साल 30, 000 से अधिक छात्र विदेश जाते हैं। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के आंकड़ों के अनुसार, केवल 16 प्रतिशत विदेशी मेडिकल सनतक फ़ॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्ज़ामिनेशन स्क्रीनिंग परीक्षा पास करते हैं। नीट प्रतियोगिता, उच्च ट्यूशन और घरेलू सीटों की कमी के कारण, भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली त्रस्त है, जिसके कारण विदेशी शिक्षा पर निर्भरता बढ़ रही है। कम ट्यूशन लागत, सुव्यवस्थित प्रवेश प्रक्रिया और मान्यता प्राप्त डिग्री के साथ, कई देश यात्रा के लिए पसंदीदा गंतव्य हैं। इन कारकों के कारण, छात्रों की बढ़ती संख्या भारत के बाहर चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करके अंतर को पाट रही है, जिससे यह गारंटी मिलती है कि वे अभी भी डॉक्टर बनने की अपनी आकांक्षाओं को पूरा कर सकते हैं। आसान आवेदन और प्रवेश प्रक्रिया के कारण भारतीय छात्र अंतर्राष्ट्रीय मेडिकल कोर्स को प्राथमिकता देते हैं। छात्र अंग्रेज़ी या कोई विदेशी भाषा पढ़ सकते हैं। हर साल ट्यूशन पर लगभग 200, 000 से 300, 000 रुपये ख़र्च होते हैं। कोई कैपिटेशन शुल्क की आवश्यकता नहीं है। कई अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों को विश्व स्वास्थ्य संगठन और भारतीय चिकित्सा परिषद से मान्यता मिली है। छात्रों को एक बहुसांस्कृतिक सेटिंग से अवगत कराया जाता है जो उनके जीवन के अनुभवों और ज्ञान को व्यापक बनाता है। अच्छी शैक्षिक गुणवत्ता के साथ इनकी डिग्री अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पार मान्यता प्राप्त है। घरेलू सीटों के लिए तीव्र प्रतिस्पर्धा के कारण भारतीय मेडिकल छात्र तेजी से देश छोड़ रहे हैं। भारत में छात्र भयंकर प्रतिस्पर्धा के कारण विदेशों में विकल्प तलाशते हैं, अक्सर उन देशों में जहाँ चिकित्सा नियम ढीले होते हैं। चूँकि भारत में हर 22 आवेदकों के लिए केवल एक मेडिकल सीट है, इसलिए 20, 000 से अधिक छात्र हर साल चीन, रूस और यूक्रेन जैसे देशों में विदेश में अध्ययन करने के लिए मजबूर हैं। लेकिन कई अंतरराष्ट्रीय मेडिकल स्कूलों में पाठ्यक्रम की असमान गुणवत्ता से छात्रों की रोजगार क्षमता और योग्यता प्रभावित होती है।

भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली तक विदेशी सनतकों की पहुँच में देरी होती है क्योंकि उन्हें फ़ॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्ज़ामिनेशन पास करना होता है और इंटर्नशिप पूरी करनी होती है। बीते साल फ़ॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्ज़ामिनेशन लेने वाले 32, 000 भारतीय छात्रों में से केवल 4, 000 ही योग्य थे। इन छात्रों और परिवारों के लिए, उच्च ट्यूशन लागत, अस्थिर अर्थव्यवस्थाएँ और कुछ देशों में सुरक्षा सम्बंधी खतरे बोझ हैं। रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष के कारण 24, 000 से अधिक भारतीय मेडिकल छात्रों को विस्थापित होना पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप वित्तीय नुक़सान और अनिश्चित शैक्षणिक भविष्य हुआ।

भारत में डॉक्टरों की कमी बदतर होती जा रही है क्योंकि अधिक विदेशी प्रशिक्षित चिकित्सा पेशेवर वहाँ बेहतर अवसरों के कारण विदेशों में अभ्यास करना पसंद करते हैं। चिकित्सा शिक्षा की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पहला परिवर्तन चिकित्सा सीटों की संख्या का विस्तार करना है। 2025 में 10, 000 और मेडिकल सीटें जोड़ी जाएंगी, भारत में 75, 000 अतिरिक्त सीटों का पांच साल का लक्ष्य है। वंचित क्षेत्रों में शिक्षा तक पहुँच बढ़ाने के लिए किफायती मेडिकल कॉलेज स्थापित करने होंगे। नए सरकारी मेडिकल कॉलेज खोलने और टियर-2 और टियर-3 शहरों में एम्स के विस्तार से चिकित्सा शिक्षा तक पहुँच बढ़ी है। उच्च गुणवत्ता वाले निर्देश और उचित लागत को बनाए रखते हुए निजी निवेश को प्रोत्साहित करना होगा।

गंगा के जल में स्वयं को शुद्ध कर लेने की अद्भुत शक्ति है : डा0 अजय कुमार सोनकर

कार्यालय संवाददाता

प्रयागराज। विख्यात वैज्ञानिक पद्मश्री डा0 अजय कुमार सोनकर ने बताया कि गंगा के जल में पाये जाने वाले बैक्टीरियोफेज के कारण ये संभव होता है। गंगा के जल में ये गुण किसी अन्य नदी की तुलना में सबसे प्रभावशाली होता है। गंगा नदी में बैक्टेरियोफेज की 1100 प्रजातियाँ पायी जाती है। उन्होंने बताया कि मैंने स्वयं गंगा के जल का अपनी प्रयोगशाला में अनेकों बार अध्ययन किया है।

डा0 अजय ने बताया कि मुझे ये विदित था कि करोड़ों लोग इस महाकुम्भ में डुबकी लगायेंगे। महाकुम्भ शुरू होने से पहले मैंने दिनांक 09 नवम्बर 2024 को अख़बारों में पढ़ा कि ञउऊ ने कहा है कि गंगा का पानी आचमन व सनन योग्य नहीं है। मैंने विभिनन्न सनन के घाट से पानी के नमूने इकट्ठा किये और अपनी प्रयोगशाला में जाँचा। मुझे गंगा के जल में ऐसे कोई अवयव नहीं मिले जो रोगकारी हो सकते थे। उन्होंने आगे बताया कि मुझे तीव्र जिज्ञासा रही कि मैं करोड़ों लोगों के सनन से गंगा के पानी में बदलाव की जाँच कर सकूँ और बैक्टीरिया को बैक्टीरियोफेज के द्वारा नष्ट किये जाने की प्रक्रिया का अध्ययन कर सकूँ। इसलिये लगातार कुछ दिनों के अंतराल में मैंने विभिनन्न घाटों से पानी के नमूने इकट्ठा किये और उनके जाँच में मुझे बैक्टीरिया का स्तर करोड़ों लोगों के सनन के कारण उत्पनन्न प्रदूषण के अनुपात में बढ़ा हुआ कभी नहीं मिला। अपने अध्ययन से मैंने ख़ुद पर सम्मोहन का प्रभाव महसूस किया। अचानक दो दिन पहले फिर से अख़बारों में ख़बर आयी कि ञउऊ ने कहा है कि गंगा का जल आचमन व सनन योग्य नहीं है। मैं अचम्भित हुआ, मुझे नहीं पता कि जाँच किसके द्वारा की गयी नमूने कहां से इकट्ठे किये गये?किन्तु आनन-फ़ानन में मैंने कल शाम पाँच सनन के घाटों से जल के नमूने इकट्ठा किये। मैंने पाया कि पिछले दिनों की अपेक्षा जल का स्तर बहुत कम है और नहाने के अरैल के दो घाटों पर बहुत ज़्यादा गंदगी दिख रही थी, मैंने सनन कर रहे लोगों के बीच के पानी के पाँच नमूने इकट्ठा किये। और अपनी प्रयोगशाला में उनको ले आया। मैं प्राथमिक जाँच करते ही हतप्रभ हो गया कि गंगा का पानी में बैक्टीरियल ग्रोथ ऐसी नहीं थी कि जल रोगमय हो जाए।

डा0 सोनकर ने कहा कि यहाँ मैं बताना चाहता हूँ कि पानी में बैक्टीरिया की वृद्धि अक्सर पानी को अधिक अम्लीय बना देती है क्योंकि बैक्टीरिया अपने चयापचय के हिस्से के रूप में अम्लीय उपोत्पाद उत्पनन्न करते हैं, जो आसपास के पानी में लैक्टिक एसिड या कार्बोनिक एसिड छोड़ते हैं, जिससे पीएच स्तर कम हो जाता है और यह अधिक अम्लीय हो जाता है।

किन्तु गंगा जल के पाँचों नमूने अम्लीय नहीं थे। माइक्रोस्कोप में परीक्षण में जीवित बैक्टीरिया की तादाद बहुत कम थी।मैंने इंक्यूबेशन तापमान पर नमूनों को रखा लेकिन 14 घटों के बाद भी बैक्टीरिया की तदाद में ना कोई वृद्धि हुई ना ही उसमें कोई दुर्गंध ही नोटिस हुई। मेरी प्रयोगशाला में जल के पाँचों नमूने मौजूद हैं।

कोई भी मेरे साथ किसी भी घाट पर चले जल का नमूना इकट्ठा करे, और मेरे साथ प्रयोगशाला में उसकी जाँच में मेरी कही बात का मिलान जब चाहे कर ले।डा0 अजय ने कहा कि यहाँ ये बात ध्यान देने की है कि जिस प्रकार गंगा के जल को महा कुम्भ के पहले से ही अति दूषित बताया गया है। यदि ऐसी स्थिति होती तो हाहाकार मच गया होता। अस्पतालों में पैर रखने की जगह नहीं होती। प्रशासन कुछ भी करके करोड़ों लोगों के संक्रमण और दूषित जल से जन्मे रोगियों को छुपा नहीं सकता था। ये गंगा के स्वयं को शुद्ध कर लेने की शक्ति है कि पचास करोड़ लोगों को अपने गले लगाने के बाद भी गंगा अभी भी रोगमय नहीं है किसी भी मानव के लिये। अनगिनत लोगों ने गंगा सनन किया है। जिनमें जा जाने कितने रोगी व कमजोर प्रतिरोधक शक्ति वाले लोग रहे होंगे। गंगा के सनन के कारण किसी को कुछ भी नहीं हुआ। अगर होता तो देश के तमाम शहरों के अस्पतालों में पैर रखने की जगह नहीं होती।

आज स्वच्छताग्राहियों को सम्मानित करेगा भूरा मठ

कार्यालय संवाददाता

महाकुंभ नगर। सेक्टर-18 में हरिश्चन्द्र मार्ग स्थित श्री स्वामी डूंग जी महाराज संस्थान (भूरा मठ अनन्क्षेत्र) में शुक्रवार को 400 स्वच्छताग्राहियों को महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा। साथ ही उन्हें वस्त्रदान किया जाएगा। संस्था के अध्यक्ष विद्यामार्तंड अरविंद स्वामी ने बताया कि 20 दिसम्बर 2024 से 26 फरवरी 2025 तक अनवरत अखंड अनन्क्षेत्र (भंडारा) चलता रहेगा। अनन्क्षेत्र शिविर द्वारा अब तक लगभग 15 लाख श्रद्धालुओं और संतों को अनन्दान व वस्त्रदान किया जा चुका है। अरविंद स्वामी ने बताया कि 131 वर्षों से तीर्थराज प्रयाग में संस्था अनन्दान शिविर लगाती आ रही है। उन्होंने बताया कि श्री स्वामी डूंग जी महराज संस्थान भूरा मठ अनन्न क्षेत्र में भागवत कथा, प्रवचन सहित हवन, यज्ञ आदि धार्मिक कार्य किये जा चुके हैं। यहां कोई भूखा न रहे इसके लिए अनन्न क्षेत्र अनवरत चल रहा है। सेक्टर 18 में अब इकलौते चल रहे अनन्न क्षेत्र में प्रतिदिन हजारों संत-महात्मा, श्रद्धालु, श्रमिक, स्वच्छताग्राही प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने किए अक्षयवट एवं सरस्वती कूप के दर्शन

सनातन संस्कृति की शाश्वत चेतना के प्रतीक स्थल पर पूजन-अर्चन

कार्यालय संवाददाता

महाकुंभ नगर। तीर्थराज प्रयागराज में प्रवास के दौरान केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी के साथ संगम क्षेत्र स्थित अक्षयवट एवं सरस्वती कूप के दर्शन-पूजन किए। इस पावन अवसर पर उन्होंने देशवासियों की सुख-समृद्धि और कल्याण की प्रार्थना की।मंत्री निर्मला सीतारमण ने अक्षयवट की सनातन परंपरा में महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि यह पवित्र स्थल अनंतकाल से श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र रहा है। अक्षयवट, जो अविनाशी और अखंड सनातन चेतना का प्रतीक माना जाता है, अध्यात्मिक ऊर्जा का वह स्रोत है, जहां हर युग में भक्तों ने आत्मिक शांति प्राप्त की है।सरस्वती कूप के दर्शन के दौरान उन्होंने विद्या और ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती का स्मरण कर राष्ट्र की बौद्धिक उननति की कामना की। इस अवसर पर औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने कहा कि प्रयागराज की यह ऐतिहासिक धरोहर न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा की गहरी जड़ों का प्रमाण भी है।

धार्मिक उनमाद फैला कर सम्बिधान खत्म करना चाहती हैं सरकार-राजेश पाण्डेय

कार्यालय संवाददाता

प्रयागराज।जैसा कि आप सभी को मालूम है कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर पूरे प्रदेश में जनचौपाल कार्यक्रम चल रहा है।इसी क्रम में ब्रिहस्पतिवार को विधानसभा 265 कोरांव के सेक्टर पवारी में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता विनय सोनकर के नेतृत्व में जन चौपाल लगाई गई।जिसमें दलित पिछड़े समाज के लोगों ने भारी संख्या में पहुंचकर समाजवादी पार्टी के विचारों को रखते हुए राष्ट्रीय नेता अखिलेश यादव के द्वारा पीडीए जनचौपाल कि सराहना करते हुए क्षेत्रीय मूदे पर प्रकाश डाला गया।

वहीं पंचायत में मुख्य अतिथि के रुप में जिला उपाध्यक्ष राजेश पाण्डेय ने कहाकि भारतीय जनता पार्टी आज हमारे समाज को धार्मिक उनमाद फैला कर भटकाने का काम कर रही है उनका मनसूबा जनता का ध्यान भटकाकर संविधान खत्म करने का है।

लेकिन हमारे पीडीए के जननायक व समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव उनके मनसूबे को कामयाब नहीं होने देंगे। इसी क्रम में समाजवादी पार्टी के जिलासचिव दिनेश पटेल ने सरकार पर बडा हमला करते कहा कि आज नौजवान रोजगार के भटक रहे है वहीं किसान सरकार कि गलत नितियों से तंग आकर आत्महत्या कर रहे हैं यही नहीं रुके उन्होंने ने कहा मौजूदा सरकार दलितों को जाति पांत में बांटकर लोगों का ध्यान भटकाने का काम कर रही है। लेकिन अब हम लोगों को पीडीए के बैनर तले एक होकर सामन्तवादीयों के मनसूबे को विफल करना है। इसी क्रम में पिडीए जनचौपाल के आयोक विनय सोनकर ने कहा कि आज मौजूदा सरकार सरकारी तंत्र को प्राइवेट कर उद्योग पतियों को बढाने का काम कर सम्बिधान खत्म कर राजतंत्र लाना चाहती हैं लेकिन हम सब को एक होकर आगामी आने वाले चूनाव मे समाजवादी पार्टी को जिता कर इनके मनूसूबे को फेल करना है उक्त कार्यक्रम में प्रमुख रुप से श्री राम प्रजापति सेक्टर प्रभारी रामसून्दर बिन्द, सन्तलाल शर्मा, ननकू बिन्द नागेंद्र सिंह चौहान मूबारक अली राकेश मिश्रा, रोहित बिन्द, मंगला कोल, अशोक विद्यार्थी, चन्द्रमणी कुसवाहा, शंकर सिंह चौहान,राजेंद्र प्रसाद बिन्द रामदूलार सिंह पनन लाल बिन्द राम अधार बिन्द आदि सैकड़ों जन मौजूद रहे।

रंगारंग कार्यक्रम के बीच एमवी कॉन्वेंट स्कूल का हुआ उद्घाटन

शिक्षकों का दायित्व अच्छी शिक्षा देकर बच्चों का उज्ज्वल भविष्य बनाए-डॉ वाचस्पति

कार्यालय संवाददाता

बारा प्रयागराज। 28 वें एम.वी. संस्थान का उद्घाटन फाउंडर चेयरमैन विधायक बारा डा0 वाचस्पति व चेयरपर्सन डॉ. मधुपति के कर कमलों द्वारा सर्व प्रथम विधि-विधान से पूजन अर्चन हवन आरती के बाद फ़ीता काटकर बुधवार को कनक नगर शंकरगढ़ में किया गया। विधायक डॉ. वाचस्पति ने कहा चुनाव के पूर्व किए शिक्षण संस्थान के वादे को आपका सहयोग और सहारा मिला तो आज पूरा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। श्री वाचस्पति ने आगें कहा पच्चीस वर्षों से शिक्षण संस्थानों का कार्य करते हुए अपने छात्र-छात्राओ व शिक्षकों में संस्कार युक्त शिक्षण के साथ कालेज को साफ-सुथरा रखने के लिए मै स्वतः पान-गुटखा सिगरेट चाय ना पीता हूं ना शिक्षण संस्थानों में किसी को उपयोग करने की छूट देता हूं। विधायक डॉ. वाचस्पति ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए शिक्षण संस्थान के सहयोग की अपील की। सांस्कृतिक कार्यक्रम में हिन्दी साहित्य में पद्मश्री से पुरस्कृत श्री सुरेन्द्र दुबे, डा0 शैलेश गौतम, चन्दन राय,अमन, शबीना,आदिब, प्रमोद बाबू झा, सुरेन्द्र केसरवानी, मुराद अहमद मुराद एवं उनके साथियों द्वारा मंच पर काव्य पाठ कर ख़ूब तालियां बटोरी। आदित्य रैना एवं उनके साथियों ने जादू दिखाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। छात्रों ने गणेश वन्दना तथा शिक्षकों ने नृत्य दिखाकर सांस्कृतिक कार्यक्रम में चार-चांद लगा दिया। बारा क्षेत्र के क्षेत्रवासियों के साथ भाजपा,अपना दल, निषाद पार्टी के कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों के साथ क्षेत्रिय गणमान्यजनों एवं एमवी ग्रुप के भारी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं टीम के लोग उपस्थित रहकर देर शाम तक कवि सम्मेलन में उपस्थित रहकर कवियों एवं क्षेत्र वासियों का उत्साह वर्धन करते रहें।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से आकृति आर्या, प्रगति आर्या, प्राप्ति आर्या, प्रकृति आर्या, ब्रजेशानंद नंद जी महराज, डॉ. विनोद त्रिपाठी, विधायक प्रतिनिधि फूल चंद्र पटेल, श्यामू निषाद, मीडिया प्रभारी नीरज केसरवानी, भाजपा नेता अखिलेश पटेल, दिलीप चतुर्वेदी, व्यापार मंडल अध्यक्ष अरविंद केसरवानी, राजकुमार पटेल, प्रकाश सिंह, राम जतन, संदीप पटेल, चंचल द्विवेदी, राम मनोहर सिंह सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहें।

महाकुंभ में आ रहे श्रद्धालुओं की सेवा कर रही डॉक्टर सोनी कुशवाहा

कार्यालय संवाददाता

कोरांव/प्रयागराज । महाकुंभ के अवसर पर कोरांव की प्रख्यात महिला सर्जन डॉक्टर सोनी कुशवाहा ने श्रद्धालुओं की सेवा करने का निणर्य लिया है। नैनी सड़वा मोड़ के आगे बाहर की गाडि़यों का जाना अक्सर बंद रहता है, जिससे श्रद्धालुओं को घाट तक की पैदल यात्रा करनी पड़ती है।

डॉक्टर सोनी कुशवाहा ने इन श्रद्धालुओं का कष्ट देखकर उनकी सेवा करने का निणर्य लिया है। उनके अस्पताल के सामने ही श्रद्धालु गाड़ी से उतरते हैं और वहां से घाट तक की पैदल यात्रा करते हैं।डॉक्टर सोनी कुशवाहा द्वारा लगातार मरीजों का निशुल्क परामर्श एवं दवाई का वितरण किया जा रहा है। साथ ही, भूखे लोगों को खिचड़ी, हलवा, बिस्किट और पानी का वितरण किया जा रहा है।डॉक्टर सोनी कुशवाहा ने बताया कि श्रद्धालुओं की सेवा करने में उन्हें आत्मिक आनंद की अनुभूति होती है। उन्होंने कहा, 'यदि व्यक्ति नर के रूप में नारायण को पहचानने लगे तो सारी दुनिया के दुख कलेश खत्म हो जाएंगे, लड़ाई झगड़े स्वतः ही बंद हो जाएंगे।

'डॉक्टर सोनी कुशवाहा ने हाल ही में गरीब असहाय लोगों का जगह-जगह कैंप लगाकर इलाज किया था एवं लगभग 1000 कंबल का वितरण किया था।डॉ सोनी कुशवाहा यमुनापार की बेहद प्रतिष्ठित महिला चिकित्सक हैं। हजारों लोग उनके इलाज से लाभान्वित हो चुके हैं एवं सैकड़ो निःसंतान महिलाओं को उनके इलाज से संतान की प्राप्ति हुई है।इस सेवा कार्य के लिए डॉक्टर सोनी कुशवाहा को श्रद्धालुओं की ओर से धन्यवाद और आशीर्वाद मिल रहा है। उनकी इस सेवा कार्य की जिले भर में प्रशंसा हो रही है। सुकृत अस्पताल के संचालक डॉक्टर आरके कुशवाहा ने महाकुंभ में आ रहे यात्रियों की सेवा को लेकर के कहा कि मानवी सेवा ईश्वरीय सेवा है। पुनीत कार्य करने का अवसर मिले तो ऐसे पुनीत कार्यों में बढ़ चढ़ कर के जन मानस का सहयोग करना चाहिए।

महाकुम्भ में 2 लाख से अधिक श्रद्धालु ले चुके हैं लेजर लाइट शो का आनंद

प्रयागराज और महाकुम्भ की कथा लेजर शो में देखते हैं प्रतिदिन 5 हजार से अधिक श्रद्धालु

यूपी टूरिज्म विभाग की ओर से टेम्फ्लो सिस्टम कर रहा है लेजर शो का संचालन

कार्यालय संवाददाता

महाकुम्भ नगर। प्रयागराज में सनातन संस्कृति के सबसे बड़े समागम, महाकुम्भ का दिव्य - भव्य आयोजन पिछले 38 दिनों से चल रहा है। महाकुम्भ के अवसर पर प्रयागराज में कई तरह के भव्य आयोजन हो रहे हैं। इसी क्रम में प्रयागराज में यमुना बोट क्लब के काली घाट पर लेज़र लाइट शो का प्रदर्शन 11 जनवरी से हो रहा है। अब तक लगभग 2 लाख से अधिक श्रद्धालु लेजर लाइट शो का आनंद ले चुके हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में पर्यटन विभाग की ओर से ये लेजर शो प्रयागराज वासियों के लिए एक सौगात है। प्रयागराज के महात्म और महाकुम्भ की गाथा पर आधारित लेजर शो शहर में आने वाले तीथर्यात्रियों और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन चुका है। इसका प्रदर्शन महाकुम्भ के बाद भी नियमित तौर पर होता रहेगा।महाकुम्भ का दिव्य - भव्य आयोजन एक ओर तो प्रयागराजवासियों के लिए आत्मसम्मान और गौरव का विषय है, साथ ही महाकुम्भ शहर वालों को कई तरह की सौगात भी दे जाता है। महाकुम्भ की ऐसी ही सौगात है लेजर लाईट शो। जिसका प्रदर्शन यमुना बोट क्लब के पास काली घाट पर शाम 7 बजे और 8 बजे नियमित तौर पर हो रहा है। 40 मिनट की अवधि का लेजर शो तीर्थराज प्रयागराज के महात्म और महाकुम्भ की पौराणिक कथा पर आधारित है। शो की आर्गनाइजर टेम्फ्लो सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजर अंकुर चौधरी का कहना है कि 11 जनवरी से लेजर शो का नियमित प्रदर्शन हो रहा है। प्रत्येक दिन कम से कम 5 से 6 हजार लोग शो का आनंद लेते हैं। कभी - कभी ये संख्या 10 हजार से भी अधिक हो जाती है। अब तक महाकुम्भ में लगभग 2 लाख से अधिक श्रद्धालु लेजर शो को देख और सराह चुके हैं। अंकुर चौधरी का कहना है कि लेजर शो का आयोजन उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग की ओर से हो रहा है। प्रयागराज के महात्म की गाथा का ये लेजर शो महाकुम्भ के बाद भी नियमित तौर पर चलता रहेगा। प्रयागराज में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए आने वाले दिनों में भी ये शो आकर्षण का केंद्र होगा। काली घाट, यमुना जी के तट पर इस शो का प्रदर्शन दर्शकों के लिये पूरी तरह फ्री आफ कॉस्ट है। उन्होंने बताया कि शाम के समय फ्लोटिंग रेस्टोरेंट कालिंदी और बोट क्लब के पास शो का प्रदर्शन प्रयागराजवासियों और यहां आने वाले पर्यटकों को एक नया अनुभव दे रहा है। वाटर स्क्रीन पर लेजर लाइट से प्रयागराज और महाकुम्भ की कथा का प्रदर्शन दर्शकों को आस्था, भक्ति के साथ सुखद अनुभूति भी दे रहा है। साथ ही ये शो युवा पीढ़ी को नई तकनीकी के माध्यम से सनातन आस्था की प्राचीन परंपरा से जोड़ने का एक अनूठा और सफल प्रयास भी साबित हो रहा है।

रेखा गुप्ता को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाकर वैश्य समाज का बढ़ाया सम्मान-व्यापारी

कार्यालय संवाददाता

फाफामऊ। गुरुवार को अखिल भारतीय व्यापारी मोर्चा व सर्व वैश्य महा संगठन की सयुंक्त बैठक मे दिल्ली के विधानसभा चुनाव मे भारतीय जनता पार्टी को प्रचंड जीत पर मुख्यमंत्री पद के लिए भारत की आधी आबादी महिला व वैश्य समाज की निर्वाचित विधायक रेखा गुप्ता को नेता सदन बनाने पर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार प्रकट किया गया और प्रधानमंत्री के विजन को दिल्ली को चौमुखी विकास व यमुना नदी को स्वच्छता के वादे को साकार करने के लिए रेखा गुप्ता को शुभकामनाएं दी गयी। बैठक मे मुख्य रूप से व्यापारी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल आर.डी.वर्मा, भोला सिंह,धीरेंद्र केशरवानी,अजय जायसवाल, श्याम बाबू केशरवानी, शक्ति केशरवानी, श्याम बाबू गुप्ता, पार्षद निशा गुप्ता,सोनू जायसवाल, अंकुर अग्रवाल, मुकेश केशरवानी, रवि अग्रवाल कपिल जायसवाल संतोष जायसवाल सर्वेश गुप्ता शिवप्रसाद मिश्र टीटू गुप्ता प्रकाश जायसवाल आदि व्यापारी शामिल रहे।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने महाकुम्भ पहुंचकर संगम में लगाई पवित्र डुबकी

कार्यालय संवाददाता

महाकुम्भनगर, 20 फरवरी। महाकुम्भ-2025 के अंतर्गत बृहस्पतिवार को केंद्रिय कपड़ा मंत्री और बिहार के बेगूसराय से भाजपा सांसद गिरिराज सिंह ने तीर्थराज प्रयागराज के त्रिवेणी संगम में सनन करके खुद को धन्य माना। उन्होंने महाकुम्भ को सनातनी आस्था का महासमुद्र करार दिया। महाकुम्भ के सफल आयोजन को लेकर गिरिराज सिंह ने पीएम मोदी, सीएम योगी तथा स्थानीय प्रशासन का धन्यवाद दिया। सनन के दौरान हुई अनुभूति को दिव्य बताते हुए उन्होंने त्रिवेणी संगम में सनन कर खुद को सौभाग्यशाली माना। वहीं, भाजपा विधायक रेखा गुप्ता के दिल्ली के सीएम पद की शपथ लेने पर भी उन्होंने प्रसनन्ता व्यक्त की और शुभकामनाएं दी।

केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह प्रयागराज एयरपोर्ट से अरैल घाट पर बने वीआईपी डेक पहुंचे जहां त्रिवेणी संगम में उन्होंने सनन किया। सनन के उपरांत उन्होंने प्रसनन्ता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रयागराज सनातन धर्म का सागर है। अब तक 60 करोड़ लोग यहां पवित्र डुबकी लगा चुके हैं। यहां की व्यवस्थाएं और साफ-सफाई बेहतरीन है। मेरा मानना है कि दुनिया में इससे बड़ा समागम कहीं नहीं हो सकता। इसके लिए मैं योगी जी और मोदी जी का आभार व्यक्त करता हूं। इसके बाद, सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म्स पर तस्वीरें साझा करते हुए उन्होंने लिखा कि कुंभ एक महा उत्सव ही नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति की दिव्य धारा है, जहाँ आस्था, श्रद्धा और अध्यात्म का पवित्र संगम होता है।

पुण्य सलिला गंगा में डुबकी लगाने मात्र से हृदय निर्मल हो जाता है और मोक्ष की अनुभूति होती है। इस पावन अवसर पर कुम्भ सनन का सौभाग्य प्राप्त हुआ, मन आनंदित है, आत्मा तृप्त है, हर हर गंगे।

भाजपा विधायक रेखा गुप्ता के दिल्ली के सीएम पद की शपथ लेने पर उन्होंने कहा कि यह खुशी का अवसर है और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वहीं, सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा कि प्रयागराज महाकुम्भ मेला क्षेत्र में युवा चेतना के राष्ट्रीय संयोजक रोहित कुमार सिंह द्वारा आयोजित बौद्धिक संवाद का उद्घाटन स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी के साथ किया। स्वामी सर्वेश्वरानंद सरस्वती, मनीष कश्यप सहित देश भर से आए लोगों के साथ संवाद किया। बिहार निवासी रोहित कुमार सिंह के द्वारा पिछले 42 दिनों से लगातार कुंभ मेला क्षेत्र में देश-दुनिया से आए श्रद्धालुओं के बीच अद्भुत सेवा कार्य किया गया।

जिलाध्यक्षता की अध्यक्षता में विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अंतर्गत बैठक सम्पन्न

कार्यालय संवाददाता

झांसी। आज जिलाधिकारी श्री अविनाश कुमार की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम-युवा) योजना के जनपद में सफल क्रियान्वयन को लेकर बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में उद्योग विभाग के अधिकारी एंव समस्त बैंकों के डिस्ट्रिक कॉर्डिनेटर उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत कौशल प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को उत्पाद/सेवा संबंधी उद्यम स्थापित कराकर स्वरोजगार से जोड़कर उन्हें स्वावलंबी बनाना है। उन्होंने समीक्षा करते हुए अब तक विभिन्न बैंकर्स द्वारा योजना अंतर्गत किए गए कार्यों की प्रगति पर असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने ऐसे बैंक चिह्नित करने के निर्देश दिए जिन्होंने सरकार की महत्वाकांक्षी योजना में अब तक रुचि नहीं ली है, ऐसे बैंक से सरकारी खातों का संचालन बंद कर दिया जाए। जिलाधिकारी श्री अविनाश कुमार ने बैठक के दौरान ऐक्सिस बैंक, इण्डियन ओवरसीज बैंक, पंजाब एंड सिंध बैंक, यूनियन

बैंक ऑफ़ इण्डिया, आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, एचडीएफसी बैंक लिमिटेड, आईडीबीआई बैंक लिमिटेड, यस बैंक लिमिटेड एवं कोडक महिंद्रा बैंक लिमिटेड द्वारा अब तक शून्य स्वीकृत आवेदन एवं शून्य वितरण पर सख्त नाराजगी व्यक्त करते हुए आवेदनों को स्वीकृत कर वितरण कराए जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने विभिन्न बैंकों के पास मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम युवा) योजना के 432 आवेदन लंबित रहने पर भी समस्त डिस्ट्रिक्ट कार्डिनेटर को आड़े हाथों लिया। समीक्षा के दौरान लगभग 300 अस्वीकृत आवेदन पर भी उन्होंने बैंक से प्रत्येक आवेदन के सम्बंद जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी श्री अविनाश कुमार ने उपस्थित विभिन्न भिनन बैंकों के डिस्ट्रिक कॉर्डिनेटर को ताकीद करते हुए कहा कि इस योजना में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, उन्होंने बताया कि योजनान्तर्गत प्रथम चरण में रू. 05 लाख तक की परियोजना हेतु 04 वर्षों तक 100इ ब्याज तथा गारंटी मुक्त ऋण प्रदान किया जा रहा है। सामान्य वर्ग के लाभार्थी को परियोजना लागत का 10इ, ओबीसी को 10इ, एससी/एसटी/दिव्यांग को 10इ का अंशदान जमा करना होगा, परियोजना लागत पर 10इमार्जिन मनी अनुदान एवं 04 वर्षों तक सीजीटीएमएसई प्रतिपूर्ति देय होगी, परियोजना लागत में भूमि/भवन व्यय सम्मिलित नहीं होगा तथा कुल परियोजना लागत का न्यूनतम 10इ टर्म लोन के रूप में होना अनिवार्य होगा।उन्होंने बताया कि द्वितीय चरण के लिए प्रथम चरण में लिए गए मूलधन/पेनल इंटरेस्ट की पूर्ण वापसी करने वाला अभ्यर्थी पात्र होगा, रुपए 10 लाख तक परियोजना स्थापित की जा सकेंगी परंतु रुपए 07.5 लाख तक के ऋण पर 50इ ब्याज अनुदान 03 वर्षों तक दिया जाएगा, ऋण में परियोजना लागत का न्यूनतम 10इ टर्म लोन अनिवार्य होगा तथा इसमें वर्कशॉप/वर्कशेड की लागत शामिल की जा सकेगी, सीजीटीएमएसई कवरेज 3 वर्षों तक का होगा। जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि योजनांतर्गत आवेदक की आयु सीमा 21 से 40 वर्ष होना अनिवार्य है, न्यूनतम कक्षा 08 उत्तीर्ण, इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष को वरीयता दी जाएगी, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, ओडीओपी प्रशिक्षण योजना, एससी/एसटी/ओबीसी प्रशिक्षण योजना, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के अंतर्गत प्रशिक्षित अथवा किसी मान्यता प्राप्त शैक्षिक संस्थान से कौशल संबंधी प्रमाण पत्र/डिग्री/डिप्लोमा आदि प्राप्त हों। आवेदन करने के लिए आवेदक को एमएसएमई पोर्टल ार ऑनलाइन आवेदन करना होगा, आवेदन के पश्चात जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र में ऑनलाइन प्राप्त आवेदन का परीक्षणोंपरांत ऑनलाइन रूप से बैंकों को भेजा जाएगा, बैंकों के स्तर पर प्राप्त आवेदनों पर समयबद्ध रूप से ऋण स्वीकृत/वितरण किया जाए। बैठक अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी श्री अविनाश कुमार ने संबोधित करते हुए कहा कि यह योजना शासन की अति महत्वाकांक्षी योजना है, उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक विकास खण्ड में योजनांतर्गत कैंप आयोजित किए जाएँ जिससे हमारे जनपद के जो युवा विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं उनका आवेदन शीघ्र कराना सुनिश्चित करें, यह योजना बहुत ही अच्छी है। उन्होंने इस योजना को लेकर लगातार मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए, सभी बैंकर्स को योजना के तहत प्राप्त आवेदनों को त्वरित गति से निस्तारित करते हुए ऋण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी श्री जुनैद अहमद, एलडीएम श्री अजय शर्मा, श्री भानु प्रताप सिंह पंजाब नेशनल बैंक सहित समस्त बैंकर्स उपस्थित रहे।

भाई की मौत से पंद्रह दिन टली बहन की शादी

कार्यालय संवाददाता

विजयीपुर/फतेहपुर। किशनपुर थाना छेत्र के विजयीपुर चौकी अंतर्गत ग्राम पंचायत अमनी निवासी चंद्रशेखर पाल की पुत्री लक्ष्मी की गुरुवार 20 फरवरी को बारात आनी थी । शादी की तैयारियों में लगे छोटे भाई पंकज पाल बहुत ही खुश थे शादी की तैयारियों के चलते बहन ने भाई से लहंगा लाने के लिए कहा तो भाई पंकज पाल विजयीपुर मार्केट से लहंगा न लेकर खागा से लाने की बात कहकर घर से अपनी स्कूटी से निकल गया तथा जब खागा से अपने घर की तरफ लहंगा लेकर आ रहे थे तभी कोतवाली खागा छेत्र के किशनपुर रोड स्थित रेलवे क्रासिंग ब्रिज के ऊपर एक अनियंत्रित पिकअप ने पंकज पाल की स्कूटी में टक्कर मार दी जिससे पंकज पाल की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद शव का अंतिम संस्कार गुरुवार को किया गया।घर में खुशी का माहौल ग़म में तब्दील हो गया। भाई की आकस्मिक मौत की वजह से बहन की शादी पंद्रह दिनों के लिए टल गई। मृतक पंकज पाल के पिता चंद्रशेखर पाल ने बताया की पंकज ही शादी की सारी जिम्मेदारियों निभा रहा तथा उसकी आकस्मिक मृत्यु से पूरे परिवार, गांव व रिश्तेदारों में दुख व्याप्त है तथा उन्होंने कहा कि शादी की सारी तैयारिया हो चुकी थी टेंट लग चुका था मिठाइयां बन चुकी थी। इस बीच इस हादसे ने झकझोर दिया। जिस वजह से बेटी लक्ष्मी की शादी पंद्रह दिनों बाद पूरे रीति रिवाजे के साथ होगी। इतना कहते कहते पिता की आंखे आशुओं से डबडबा गई।

भाजपा राज में किसान दुखी-इं.वीरेन्द्र यादव

कार्यालय संवाददाता

रायबरेली। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के आह्वान पर पीडीए चर्चा कार्यक्रम जनपद की विधानसभाओं के अनेकों सेक्टरों में आयोजित किए गये हरचंदपुर विधानसभा क्षेत्र के गोझरी में आयोजित पीडीए जनपंचायत को सम्बोधित करते हुए जिला अध्यक्ष इं.वीरेन्द्र यादव ने कहा कि बीजेपी की डबल इंजन सरकार में इस क्षेत्र की नहरों पुरवा ब्रांच एवं मौरावाँ रजबहा में किसानों को सिंचाई का पानी नहीं मिल रहा,अधिकांश सरकारी नलकूप ख़राब पड़े है ग़रीब किसानों की गेहूँ ,सरसों की फसलों की सिंचाई नहीं हो पा रही परन्तु विभागीय अधिकारी समस्याओं का समाधान नहीं कर रहें,देश का अनन्दाता महँगी खाद डालने पर मजबूर है इसके बाद भी बीजेपी राज में पिछले आठ वर्ष से दिन रात आवारा जानवरों से फसल की रखवाली को किसान परिवार सहित खेतों में बैठने पर विवश हैं किसान का दुख दर्द की कोई सुनवाई बीजेपी सरकार में नहीं है।समाजवादी पार्टी सरकार में इस क्षेत्र में ताला एवं पोरई सहित विद्युत केंद्रों की स्थापना कर किसानों को निर्बाध सोलह घण्टे बिजली,कई चिकित्सालय एवं सैकड़ों गाँव समग्र ग्राम बनाकर सर्वांगीण विकास किया गया।परंतु भाजपा सरकार ने विकास कार्य अवरुद्ध कर दिया।बछरावा विधायक श्याम सुन्दर भारती ने कुसड़ी सागरपुर में पीडीए जनपंचायत में कहा कि पिछड़ों,दलितों,अल्पसंख्यकों की एकता से ही तानाशाह भाजपा को सत्ता से बेदख़ल कर विकास परक समाजवादी पार्टी की सरकार बनाना है।पीडीए चर्चा कार्यक्रम को पूर्व ब्लॉक प्रमुख जीतू सिंह,विधानसभा अध्यक्ष राकेश यादव,दीपू शुक्ला,कृपा शंकर यादव,मुनेश्वर पासी,ब्रजेंद्र चौधरी, डा.जावेद,राजकुमार लोधी,श्रवण चौधरी,सत्तेश गौतम, ज़फ़र अहमद मुनन,विजय बहादुर यादव,बबलू लोधी,मो. रईस,पिण्टू यादव, रामबहादुर पासी, उमाशंकर शुक्ला,अरुण अंबेडकर,राधे श्याम लोधी,आलोक यादव, चन्द्रप्रकाश आज़ाद,पुत्तन सिंह यादव,आदर्श यादव आदि ने जनपद के अनेकों सेक्टरों में पीडीए की जनपंचायतों को सम्बोधित कर पिछड़ों, दलितों,अल्पसंख्यकों एवं आधी आवादी की एकजुटता पर बल दिया।उपस्थित लोगों ने समाजवादी पार्टी सरकार में हुए कार्यों को याद किया इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग एवं महिलाएँ उपस्थित रही।

एम0टी0पी0 हेतु अपना आवेदन 26 फरवरी तक कराए उपलब्ध : सीएमओ

रायबरेली। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ नवीन चंद्रा ने बताया है कि प्रदेश में असुरक्षित गर्भपात के फलस्वरूप होने वाली मातृ-मृत्यु का प्रतिशत 8.9 है। देश में प्रतिवर्ष लगभग 15000 माताओं की मौत असुरक्षित गर्भपात से हो जाती है। उ0प्र0 80 प्रतिशत महिलाएं ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं में जानकारी का अभाव है साथ ही गर्भ निरोधको के प्रभावी उपयोग का प्रचलन भी कम है। इसलिए अनचाहे गर्भ धारण की सम्भावना बढ़ जाती है। सुरक्षित गर्भपात सेवायें अधिकतम शहरी क्षेत्रों में ही उपलब्ध है। प्रदेश में केवल 25 प्रतिशत गर्भपात सरकारी केंद्रों में होते है।

बीमार गरीब, बेसहारा एवं निसहाय ने उच्च सक्षम अधिकारियों से लगाई मदद की गुहार

कार्यालय संवाददाता

खागा (फतेहपुर) तहसील क्षेत्र के धाता विकास खण्ड अन्तर्गत बसवा गांव निवासी सत्य प्रकाश विश्वकर्मा पुत्र माता बदल विश्वकर्मा गरीब, बेसहारा एवं निसहाय परिवार अपने आवास, आयुष्मान कार्ड और गरीबी रेखा से नीचे का राशन कार्ड बनवाने हेतु जिलाधिकारी , मुख्य विकास अधिकारी, जिला चिकित्साधिकारी, एवम् जिला पूर्ति अधिकारी जिला फतेहपुर उत्तर प्रदेश से गुहार लगाते हुए मांग किया।

उच्चाधिकारियों से मांग करते हुए कहा है कि पतनी पिंकी देवी कई वर्षों से टी बी की बीमारी से ग्रस्त हैं।जिसका इलाज सरकारी व प्राइवेट डाक्टरों से भारी भरकम राशि देकर करा रहे हैं। और खुद हैपेटाइटिस बी के 10 वर्षों से बीमार है।बीमारे के चलते रोजगार या नौकरी किसी तरह का काम नही

कर पाते हैं। और उन्होंने बताया कि एक बड़ी बेटी 15 वर्ष की है। और 3 छोटे बेटे हैं।जिनका अच्छे से भरण पोषण और शिक्षा दीक्षा नहीं कर पा रहे हैं। आर्थिक तंगी बराबर बनी रहती है।इतना ही नहीं रहने के लिए कच्ची छत का गिरा हुआ टूटा फूटा मकान है ।खेत भी नहीं है ।गरीबी रेखा का सरकारी राशन कार्ड नहीं बना, बीमारी के इलाज हेतु आयुष्मान कार्ड नहीं बना ,जिससे गरीबी और बीमारी की जबरजस्त मार झेलना पड़ रहा है ।ऐसी विषम परिस्थिति से निपटने के लिए सरकार की हर योजना का लाभ दिया जाना अति आवश्यक है ।जिसे विभागीय अधिकारी और कर्मचारी के माध्यम से शीघ्र अति शीघ्र देने और दिलाने का हमारी तरफ से निवेदन स्वीकार करें।

गेहूं के उत्पादन को लेकर किसान चिंतित

कार्यालय संवाददाता

गोरखपुर। ठंड गेहूं के उत्पादन के लिए अति आवश्यक है । ठंड के मौसम में पड़ने वाले शीत गेहूं के उत्पादन और विकास के लिए रामबाण होता है । इस बार के मौसम से किसान काफी चिंतित नजर आ रहे हैं । अक्टूबर से लेकर दिसंबर तक गेहूं की बुवाई होती है । अपने यहां दिसंबर में प्रमुख रूप से बुवाई होती है । ठंड भी दिसंबर से अपना रूप दिखानी शुरू कर देती है लेकिन इस बार दिसंबर तक ठंड का कोई ठिकाना नहीं था । लोगों ने दिसंबर भर पूरे धूप का आनंद लिया । थोड़ी बहुत ठंड जनवरी में देखने को मिली तो लोगों ने अनुमान लगाया कि लगता है ठंड इस बार पीछड़ कर पड़ेगी लेकिन लोगों का यह अनुमान भी धारा का धरा रह गया और इस बार का ठंड बिना शीत कोहरे की खत्म हो गई । जनवरी में कुछ दिनों तक शीत और कोहरा पड़ा तो जरूर लेकिन वह भी रवि (गेहूं) की फसल के लिए पर्याप्त नहीं कहीं जा सकती है । फरवरी में भी लोगों को सुबह की ठंड केवल महसूस हो रही है शाम की ठंड तेज धूप की वजह से लगभग गायब सी हो गई है ।

मौसम के इस अप्रत्याशित परिवर्तन बदलाव से किसान गेहूं की फसलों को लेकर काफी चिंतित नजर आ रहे हैं । किसानों का मानना है कि गेहूं की फसल के लिए कम से कम 90 दिनों की ठंड जरूरी होती है । अगर इससे कम ठंड पड़ती है तो गेहूं का उत्पादन प्रभावित होता है । कई बार सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है। गेहूं की मोटाई भी प्रभावित होती है । इस बार ठंड की समय सीमा 90 दिनों से कम रही साथ ही शीतलहर कोहरे का कहीं अता-पता नहीं रहा । फरवरी मार्च तक सुबह सुबह-सुबह शीत पड़ती है , गुनगुनी ठंड रहती है लेकिन इस बार की ठंड और मौसम दोनों किसानों को चिंता में डाले हुए हैं । किसान खेतों में नमी लाने के लिए गेहूं की सिंचाई तो जरूर कर रहे हैं लेकिन मौसम की इस तेजी से किसानों को नुकसान उठाना पड़ सकता है। कृषि वैज्ञानिकों और जानकारों का मानना है कि यह मौसम गेहूं की फसल के लिए सही नहीं है । रही सही कोर कसर पश्चिमी तेज हवाएं पूरी कर दे रही है । यह हवाएं कुछ दिनों के बीच में अंतराल देकर चल रही है जिससे किसानों का गेहूं की सिंचाई करने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है । हर बार की ठंड में एक दो बार हल्की बारिश भी बीच-बीच में हो जाया करती थी जो इस बार नहीं हुई । यह सब गेहूं की फसलों के लिए अब तक ठीक नहीं कहा जा सकता है।

महाशिवरात्रि के दृष्टिगत भवरेश्वर मंदिर में चलाया गया विशेष सफाई अभियान

कार्यालय संवाददाता

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के निर्देशन में उप जिलाधिकारी महराजगंज सचिन यादव के नेतृत्व में महाशिवरात्रि के दृष्टिगत वि0ख0 बछरावां में स्थित भवरेश्वर मंदिर सुदौली में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। उक्त कार्यक्रम में लगभग 500 लोगों ने प्रतिभाग कर सफाई अभियान में श्रमदान किया।उल्लेखनीय है कि सुदौली में भवरेश्वर मंदिर स्थित है, महाशिवरात्रि में काफी अधिक संख्या में श्रद्धालुओं का आवागमन मंदिर में होता है, जिसके दृष्टिगत एसडीएम महराजगंज के नेतृत्व में तहसील महराजगंज के समस्त स्टाफ जिसमें तहसीलदार, नायब तहसीलदार, लेखपाल व अन्य कार्मिक तथा विकास खण्ड बछरावां व विकास खण्ड शिवगढ़ का समस्त स्टाफ संबंधित खण्ड विकास अधिकारी के नेतृत्व में नगर पंचायत बछरावां व नगर पंचायत शिवगढ़ का समस्त स्टाफ अधिशाषी अधिकारी के नेतृत्व में संबंधित ग्राम पंचायतों के प्रधानगण अपने पंचायत स्टाफ व सफाई कमिर्यों के साथ तथा मंदिर कमेटी के प्रबंधक अपनी कमेटी के सदस्यों के साथ सम्मिलित होकर सई नदी, मंदिर परिसर व पहुंच मार्ग में वृहद साफ सफाई अभियान चलाया गया, जिसमें उपस्थित लोगों ने श्रमदान किया, जिससे महाशिवरात्रि में श्रद्धालुओं के आवागमन व दर्शन करने में किसी भी प्रकार की कोई समस्या उत्पनन न हो और वह सुखद अनुभूति के साथ दर्शन कर सके।इस अवसर पर तहसीलदार महाराजगंज मंजुला मिश्रा सहित संबंधित अधिकारीगण व कर्मचारीगण, समाजसेवी, प्रधानगण, सफाई कर्मी इत्यादि उपस्थित रहे।

छात्राओं को कराया जाएगा निःशुल्क ट्रेनिंग

कार्यालय संवाददाता

गोरखपुर। पंडित महामना फाउंडेशन ट्रस्ट एवं पंडित परशुराम मणि त्रिपाठी लोक कल्याण न्यास के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित महामना पर्सनालिटी डेवलपमेंट एवं डिजिटल साक्षरता ट्रेनिंग गोरखपुर स्थित चंद्रकांती रामावती देवी आर्य महिला पी0 जी0 कॉलेज की छात्राओं को निःशुल्क कराया जाएगा। इस ट्रेनिंग में सभी छात्राओं को कंप्यूटर से होने वाले लगभग 90 प्रतिशत कार्यों को मोबाइल फोन की सहायता से करना सिखाया जाएगा। साथ ही साथ मिसेज महाराष्ट्र अनुपमा सिंह द्वारा पर्सनालिटी डेवलपमेंट की क्लास ली जाएगी। इस एक महीने की ट्रेनिंग को पंडित महामना फाउंडेशन ट्रस्ट के संस्थापक एवं काशी हिंदू विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र सचिन गौरी वर्मा ने तैयार किया है एवं पिछले चार वर्षों में भारत के 19 बड़े-बड़े विश्वविद्यालय के विद्याथिर्यों को इसकी ट्रेनिंग दे चुके हैं। सचिन गौरी वर्मा ने बताया कि यह ट्रेनिंग पंडित परशुराम मणि त्रिपाठी लोक कल्याण न्यास के संस्थापक एवं लेडी प्रसनन कौर इंटर कॉलेज बसडीला के प्रधानाचार्य डॉ दिनेश मणि त्रिपाठी आदि के मार्गदर्शन में कराया जा रहा है। महाविद्यालय की प्रधानाचार्या डॉक्टर सुमन सिंह एवं बी0 एड0 विभाग की विभागाध्यक्ष डॉक्टर अपर्णा मिश्रा के अनुमति एवं सहयोग से इस ट्रेनिंग को महाविद्यालय की छात्राओं के लिए निःशुल्क कराया जाएगा एवं इसमें चयनित छात्राओं को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया जाएगा। इस ट्रेनिंग की सूचना महाविद्यालय में संस्था की वॉलेंटियर संजना वर्मा एवं प्राची यादव ने दिया।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

मीरजापुर। जनपद में दुर्घटनाओं को रोकने एवं दुर्घटना से होने वाले मृत्यु दर को कम करने के दृष्टिगत जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कर सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए विगत बैठक में लिए गए निणर्यों के अनुपालन प्रगति की समीक्षा भी की। उन्होंने पुलिस विभाग एवं परिवहन विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि दुर्घटनाओं को रोकने हेतु तेज वाहन चलाने वाले तथा शराब व अन्य मादक पदार्थ का सेवन करके वाहन चलाने वालों की जांच कर सघन कार्यवाही भी कराई जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जनपद के विभिनन मार्गों/सकरी पुलिया, अंधा मोड़ आदि स्थानों पर रिफ्लेक्टर, रोड मार्किंग, डेलीनेटर तथा प्रकाश व्यवस्था अथवा अन्य जो भी आवश्यकता हो संकेतक बोर्ड भी लगाए जाए। उन्होंने प्रभारी अधिकारी यातायात को निर्देशित करते हुए कहा कि ऐसे स्थानों पर जहां प्रकाश व्यवस्था न हो सूची उपलब्ध कराएं ताकि सौर्य उर्जा लाइट लगाई जा सकें। जिलाधिकारी ने प्रभारी अधिकारी यातायात को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी थानो में मेडिकल रूम को फंशनल करवाएं। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि सभी थानों को सामुदायिक/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो से मैपिंग कराया जाए। कार्यदायी संस्था उपसा के द्वारा जिलाधिकारी को बताया गया कि चिन्हित ब्लैक स्पाटो को पूर्ण करा लिया गया हैं।

समस्त प्रधानाचार्य दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत सस्पेंड डाटा का परीक्षण कर साक्ष्य सहित आख्या कराए उपलब्ध : महिमा

रायबरेली। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी महिमा ने बताया है कि अन्य पिछड़ा वर्ग (अल्पसंख्यक पिछड़ा वर्ग को छोड़कर) वित्तीय वर्ष 2024-25 में दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत कक्षा 11-12 के छात्र/छात्राओ द्वारा छात्रवृत्ति हेतु ऑनलाइन आवेदन किया गया है। छात्र/छात्राओं के ऑनलाइन आवेदन पत्रों का विभिनन बिंदुओं पर परीक्षण स्टेट एन0आई0सी0 एवं खाते का पी0एफ0एम0एस0 सॉफ्टवेयर द्वारा किया गया। परीक्षण के उपरान्त संदेहास्पद डाटा जनपद की लॉगिन पर प्राप्त हुआ है। सम्बन्धित विद्यालयों द्वारा डाटा का परीक्षण कर साक्ष्य सहित आख्या स्पष्ट संस्तुति के साथ इस कार्यालय को उपलब्ध कराया जाना है।जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक से कहा है कि समस्त संबंधित प्रधानाचार्य को अपने स्तर से उक्त डाटा प्राप्त कराते हुए, सस्पेक्ट डाटा का परीक्षण कर स्पष्ट संस्तुति के साथ साक्ष्य सहित आख्या जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी कार्यालय को 24 फरवरी 2025 तक उपलब्ध कराये। ताकि प्राप्त आख्या एवं साक्ष्य के आधार पर आवश्यक कार्यवाही की जा सके।

न्यायिक अधिकारियों की निगरानी समिति ने बालिका आश्रय गृह का किया निरीक्षण

रायबरेली। मा0 जनपद न्यायाधीश राजकुमार सिंह के दिशा-निर्देशन में न्यायिक अधिकारियों की समिति के द्वारा बालक आश्रय गृह व बालिका आश्रय गृह स्थित चक धौरहरा रायबरेली का निरीक्षण किया गया। समिति के अध्यक्षा प्रतिमा, सदस्य अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनुपम शौर्य व सदस्य प्रभाष त्रिपाठी, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय व श्रेया सोलंकी अपर सिविल जज(जू0डि0) द्वारा गांधी सेवा निकेतन के आश्रय गृह में आवासित बालिकाओं से बातचीत करके उनका हालचाल जाना गया। आश्रय गृह में रहने वाली बालिकाओं द्वारा समिति को अपनी समस्याओं से अवगत कराया। समिति के द्वारा आवासित बालिकाओं के शैक्षणिक, मानसिक व सामाजिक विकास हेतु मिलने वाली सुविधाओं के सम्बन्ध में जानकारी ले आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। समिति द्वारा आश्रय अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि जो बालिकाएँ पढ़ने की इच्छुक है उनका दाखिला सम्बन्धित संस्था में कराया जाए व आवासित बालिकाओं के माता-पिता से सम्पर्क कर बालिकाओं को उनके घर भेजने का प्रयास किया जाए।निरीक्षण दौरान पराविधिक स्वयं सेवक मनोज कुमार प्रजापति व पूनम सिंह भी उपस्थित रही।

जिलाधिकारी ने महाशिवरात्रि पर्व की तैयारियों के दृष्टिगत की बैठक

कार्यालय संवाददाता

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने सभी सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि आगामी महाशिवरात्रि पर्व पर काफी संख्या में श्रद्धालु बाबा घुइसरनाथधाम, बेलखरनाथ धाम, भयहरणनाथ धाम, हौदेश्वरनाथ धाम तथा अन्य महत्वपूर्ण शिवालयों पर जलाभिषेक करते है। इन सभी स्थलों पर समुचित सुरक्षा व्यवस्था, सफाई तथा पेयजल के साथ-साथ निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाये। जिलाधिकारी ने कैम्प कार्यालय में महाशिवरात्रि पर्व को सकुशल सम्पनन कराने हेतु सम्बन्धित उपजिलाधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी व विभागीय अधिकारियों को दायित्व सौपे।

बैठक में राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने बताया कि बाबा घुइसरनाथधाम में 30वॉ राष्ट्रीय एकता महोत्सव 25 फरवरी से 27 फरवरी 2025 तक मनाया जायेगा जिसमें आवश्यक व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में अधिकारियों को अवगत कराया। जिलाधिकारी ने पुलिस विभाग को निर्देशित किया कि मेले में सुरक्षा व्यवस्था, महिला पुलिस की तैनाती, वैरीकैडिंग, फायर बिग्रेड, नदी के किनारे नाव व गोताखोर आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करायें। चिकित्सा विभाग को निर्देशित किया गया कि मेला क्षेत्र में अस्थायी चिकित्सा केन्द्र, एम्बुलेन्स आदि

की व्यवस्था हेतु निर्देश दिया गया। जल निगम एवं नगर पालिका/नगर पंचायत के अधिकारी को निर्देशित किया कि मन्दिर परिसर में पानी की व्यवस्था निरन्तर बनी रहे और पानी के टैंकर की व्यवस्था करा ली जाये। जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया गया कि मेला क्षेत्र में अस्थायी शौचालय का निर्माण कराया जाये, सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति की जाये और मेला क्षेत्र की दिन में 03 बार सफाई करायी जाये जिससे वहां पर कूड़ा करकट इकट्ठा न हो। खण्ड विकास अधिकारी लालगंज एवं सांगीपुर को निर्देशित किया गया कि मेला क्षेत्र में अपनी देखरेख में सफाई कमिर्यों से कराया जाये। विद्युत विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया कि मेला क्षेत्र में विद्युत की आपूर्ति निरन्तर बनी रहे, इसमें अनावश्यक रूप से कटौती न की जाये। लोक निर्माण विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया कि मेला क्षेत्र में वैरीकेडिंग करायी जाये। राष्ट्रीय एकता महोत्सव बाबा घुइसरनाथधाम में खादी ग्रामोद्योग, चिकित्सा विभाग, आंवला उत्पादन प्रदर्शनी, कृषि विभाग, हार्टीकल्चर, बाल विकास परियोजना, वन विभाग, नेडा, पशुपालन, सूचना विभाग, मत्स्य पालन, जिला पंचायत राज विभाग आदि के द्वारा प्रदर्शनी लगायी जाये। पर्यटन विभाग द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाये। उपजिलाधिकारी लालगंज को निर्देशित किया गया कि बाबा घुइसरनाथधाम सम्पूर्ण मेला क्षेत्र की निगरानी करते रहे और सम्बन्धित अधिकारियों से समन्वय बनाकर महाशिवरात्रि पर्व को सकुशल सम्पनन करायेगें। जिलाधिकारी ने सभी सम्बान्धित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि महाशिवरात्रि के पर्व पर बाबा घुइसरनाथधाम, बेलखरनाथ धाम, हौदेश्वरनाथ धाम, भयहरणनाथ धाम तथा अन्य महत्वपूर्ण शिवालयों पर जो व्यवस्थायें करते आ रहे है वैसे ही आगामी महाशिवरात्रि पर्व पर पूर्व से ही अच्छी व्यवस्था सुनिश्चित करा लें, जिनकों जो दायित्व एवं कार्य सौपे गये गये है उसका पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ कार्य करें, लापरवाही कदापि न बरते, महाशिवरात्रि पर्व को सकुशल सम्पनन करायें।

जिलाधिकारी ने सम्बन्धित उपजिलाधिकारियों व सीओ को निर्देशित किया कि अपने महत्वपूर्ण शिवालयों का निरीक्षण कर लें, जो भी कमियां पायी जाये उसे दुरूस्त करा लें जिससे महाशिवरात्रि पर्व के दिन किसी भी प्रकार की समस्या न हो। बैठक में पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार ने सीओ को निर्देशित किया कि मेला क्षेत्र में सुरक्षा के दृष्टिगत निगरानी रखी जाये, मन्दिरों का कपाट समय से खोला जाये, खोया-पाया केन्द्र बना लें और साउण्ड सिस्टम बेहतर हो जिसकी आवाज पूरे मेला क्षेत्र में सुनायी दे। पार्किंग स्थल का चिन्हांकन कराकर वैरीकेडिंग करा ली जाये जिससे जाम की समस्या न उत्पनन हो। मेला क्षेत्र में दुकाने निर्धारित स्थलों पर लगायी जाये, एन्टीरोमियों की टीम लगायी जाये। मेले में सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करते रहे जिससे किसी भी प्रकार की घटना न घटित हो। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा, अपर जिलाधिकारी अजय कुमार तिवारी, परियोजना निदेशक डीआरडीए दयाराम यादव सहित सम्बन्धित उपजिलाधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी व सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बड़े बुजुर्गों ने कभी नहीं दी घी के साथ शहद खाने की सलाह

शहद और घी दोनों को आयुर्वेद में बहुत महत्?वपूर्ण माना गया है। इतना ही नहीं यह मानव स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छे हैं। लेकिन फिर शहद और घी का मिश्रण बनाने से यह जहरीला क्यों बन जाता है।

आयुर्वेदिक किताब चरक संहिता के अनुसार, शहद और घी का बराबर मिश्रण स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकता है। वैसे तो शहद एक मीठा और चिपचिपा पदार्थ है, जो मधुमक्खियों से मिलता है।शहद को अकेले लिया जाए, तो यह सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है। शहद हमारे शरीर में हीटिंग एजेंट का काम करता है। शहद के साथ लेने पर कुछ संयोजन स्वास्थ्य के लिए अच्छे होते हैं, लेकिन कुछ ऐसे संयोजन हैं, जो शहद के साथ लेने पर स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं। बता दें कि शहद औषधीय गुणों से भरपूर है, लेकिन अगर इसे गलत संयोजन में मिला दिया जाए, तो यह बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। तो आइए जानते हैं कि शहद और घी मिलाना कैसे जहरीला हो जाता है।प्राचीन भारतीय ज्ञान कहता है कि शहद और घी का संयोजन विषैला यानी जहरीला होता है। शहद एक प्राकृतिक रूप से पाया जाने वाला पदार्थ है, जो 35-40 प्रतिशत फ्रुक्टोज और 25-35 प्रतिशत ग्लूकोज और सुक्रोज व माल्टोज से भरपूर होता है। शहद में कुछ ऐसे मिनरल्स भी होते हैं, जो अन्य मीठी चीजों में नहीं पाए जाते। इसके अलावा इसमें क्लोस्ट्रीडियम बोटुलिनम नामक बैक्टीरिया होता है।दूध बैक्टीरिया को पनपने का सबसे अच्छा माध्यम माना जाता है, इसलिए जब शहद को दूध या दूध से बने उत्पादों में मिलाया जाता है, तो यह बैक्टीरिया कई गुना बढ़ जाते हैं और कुछ विषाक्त पदार्थ पैदा करते हैं, जिससे सांस संबंधी समस्याएं, पेट दर्द यहां तक की कैंसर भी हो सकता है। कुल मिलाकर शहद और घी का संयोजन स्वास्थ्य के लिए बिल्कुल अच्छा नहीं है।आपको आश्चर्य होगा कि अगर घी और शहद को मिलाकर जहर बनता है, तो पंचामृत बनाते समय इसका उपयोग क्यों किया जाता है। दरअसल, पंचामृत पांच पदार्थों से मिलकर बनता है, जिसका उपयोग पूजा के दौरान अभिषेक करने के लिए किया जाता है।बाद में इसे प्रसाद के रूप में परोसते भी हैं। इसे बनाने में आमतौर से दूध, दही, शहद, घी और चीनी का इस्तेमाल होता है। पंचामृत के जहरीले न होने का कारण यह है कि घी और शहद को समान अनुपात में नहीं मिलाया जाता । इसके अलावा पंचामृत को प्रसाद के रूप में बांटते हैं, इसलिए इसका सेवन बहुत कम मात्रा में होता है। आमतौर पर बस एक 1 चम्मच लिया जाता है, जिससे शरीर को कोई नुकसान नहीं होता।आयुर्वेद में कहा गया है कि घी और शहद का बराबर मात्रा में मिलाकर सेवन करने से शरीर के लिए हानिकारक आहार बन जाता है। जिससे त्वचा रोग, फोड़े, पाचन रोग, बुखार, पाइल्स और यूरेनरी डिसऑर्डर जैसी समस्याएं हो जाती हैं।घी सेहत के लिए अच्छा माना जाता है। यह दूध, प्रोटीन, ओमेगा-3 फटी एसिड, हेल्दी फेट, विटामिन ए और ब्यूटीरिक एसिड जैसे पोषक तत्वों से भरपूर है। यह सभी पोषक तत्व हमारे समग्र स्वाथ्य को बढ़ावा देने के लिए बहुत जरूरी हैं। दाल, करी, सब्जी यहां तक की खिचड़ी में सिर्फ एक चम्मच देसी घी मिलाने से इनका स्वाद बढ़ जाता है।आप शायद न जानते हों, लेकिन चावल और रोटी में हाई ग्लाइसेमिक इंडेक्स को कम करने के लिए एक चम्मच घी को मिलाना अच्छा तरीका है। बता दें कि घी न केवल डायबिटीज रोगियों के लिए फायदेमंद है, बल्कि यह नेचु?ल लेक्सेटिव के रूप में भी काम करता है। जिससे कब्ज की समस्या बहुत जल्दी ठीक हो जाती है।शहद प्राचीनकाल से ही अपने औषधीय गुणों के कारण जाना जाता है। गले की खराश और खांसी को ठीक करने से लेकर मिठाइयों और पेय पदार्थों को प्राकृतिक रूप से मीठा करने तक शहद हमें कई तरह से फायदा पहुंचाता है। यहां तक की अपने एंटीफंगल और एंटीबैक्टीरियल गुणों के कारण अलग-अलग मेडिकल रिसर्च में भी शहद के फायदों पर चर्चा की गई है। नींबू पानी में मिलाकर वजन घटाने के लिए खाली पेट इसका

सेवन किया जा सकता है। गले की खराश को ठीक करने के लिए काली मिर्च और अदरक के साथ मिलाकर इसे लिया जा सकता है।शहद और घी दोनों ही स्वास्थ्य के लिए अच्छे हैं, लेकिन ये ध्यान रखने वाली बात है कि आप इसे कैसे ले रहे हैं। बराबर मात्रा में इन दोनों को लेना नुकसानदायक है, इसलिए ऐसा करने से बचें और सीमित मात्रा में इनका सेवन करके भरपूर लाभ लें।

बल्ड शुगर का खतरनाक लेवल कई अंगो को पहुंचाता है नुकसान

डायबिटीज को साइलेंट किलर भी कहा जाता है। जब ब्लड शुगर का लेवल बढ़ना शुरू होता है तो मरीज को इसके बारे में बिल्कुल भी पता नहीं चल पाता है। हालांकि शुगर की बीमारी होने पर इसके लक्षण जरूर दिखना शुरू हो सकता है। जिसके कारण शुरूआत में ही इसे कंट्रोल करना मुश्किल हो जाता है। कई हेल्थ रिपोर्ट्स के अनुसार, डायबिटिक मरीजों के मामले में भारत दुनिया का दूसरा बड़ा देश है। अगर इस बीमारी को कंट्रोल नहीं किया गया तो डायबिटीज के मरीजों की संख्या में तेजी से इजाफा होता है। इसलिए लोगों में डायबिटीज के के बारे में पूरी जागरुकता रखनी चाहिए। सीडीसी के मुताबिक जब डायबिटीज होती है तो अत्यधिक प्यास लगना, बार-बार पेशाब आना, बहुत भूख लगना, हाथ-पैर सुन्न होना, बिना वजह वजन

घटना, थकान लगना, ड्राई स्किन और त्वचा पर इंफेक्शन आदि के लक्षण नजर आने लगते हैं। डायबिटीज को यदि समय पर कंट्रोल नहीं किया जाए तो यह नसों को खराब कर देती है। जिसके कारण आंख, पैर, दिल, किडनी, नसों आदि अंग खराब होने लगते हैं। बता दें कि यह बीमारी की आखिरी स्टेज होती है। आखिरी स्टेज होने पर व्यक्ति में यह लक्षण दिखाई देने लगते हैं। NHS के मुताबिक हाई शुगर के कारण आंख खराब हो जाती है। इसे डायबिटिक रेटिनोपैथी कहा जाता है। इस दौरान आंख की रोशनी या तो धीरे-धीरे कम होने लगती है या फिर व्यक्ति को धुंधला दिखाई देने लगता है। इसके अलावा आंखों के आगे अलग-अलग आकृतियां नजर आने लगती हैं।NIDDK के मुताबिक जब डायबिटीज अधिक बढ़ने पर नसें खराब होने लगती हैं तो इसे डायबिटिक न्यूरोपैथी कहते हैं। हालांकि इसके लक्षण इस पर निर्भर करते हैं कि कौन से हिस्से की नसें खराब हुई हैं। जैसे पैरों की नसें जब खराब होती हैं तो पैरों में दर्द, जलन और सुन्नपन आदि के संकेत मिलने लगते हैं।

कई समस्याओं का हल है अदरक का पानी

भारत के लगभग हर घर में अदरक का इस्तेमाल किया जाता है। कोई मसाले के रूप में करता है तो कोई गार्निशिंग के लिए। इसके अरोमा और रिफ्रेशिंग फ्लेवर की वजह से यह हर किसी को पंसद आता है। चाय हो या कोई सब्जी, जरा सा अदरक डालते ही स्वाद दोगुना हो जाता है। लेकिन अदरक सिर्फ स्वाद बढ़ाने के ही नहीं काम आता बल्कि सेहत के लिए भी यह बेहद फायदेमंद है। अदरक एंटी-फंगल, एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल और जलनरोधी गुणों से भरपूर होता है जो शरीर को कई बीमारियों और संक्रमण से लड़ने में मदद करता है। चाय के अलावा अदरक को पानी में डालकर भी पिया जाए तो इसके कई फायदे मिलते हैं।मजबूत पाचन तंत्र - रोजाना एक ग्लास अदरक का पानी पीने से पाचन तंत्र मजबूत होता है। इसमें एंटी-इंफ्लेमेट्री गुण भी पाए जाते हैं जो पेट में जलन, अपच, जैसी कई सम्सयाओं से राहत दिला सकते हैं।शुगर लेवल करे कंट्रोल - अदरक का पानी डायबिटीज के मरीजों के लिए बेहद फायदेमंद होता है। नियमित रूप से इसका सेवन करने से शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है।त्वचा के लिए फायदेमंद - अदरक का पानी पीने

से खून साफ रहता है और शरीर की गंदगी यूरीन के जरिये बाहर निकल जाती है जिससे कील-मुंहासे नहीं होते हैं और त्वचा पर निखार आता है।वजन घटाने के लिए - अदरक का पानी वजन घटाने में भी मदद करता है। यह मेटाबॉलिज्म बढ़ाने में मदद करता है जिससे अतिरिक्त फैट को घटाने में मदद मिलती है। अदरक के पानी में आप कुछ बूंदें नींबू के रस की भी मिला सकते है।दर्द से राहत - अदरक का पानी पीने से रक्त संचार ठीक रहता है जिससे मांसपेशियों में एंठन या हल्के दर्द से राहत पाई जा सकती है।

खीरे की मदद से निखारें स्किन की रंगत

खीरा गमिन्यों के लिए बेहतरीन सब्जी है। वास्तव में यह शरीर को ठंडा रखने का काम करता है और इसके हेल्थ बेनिफिट्स गर्मी में होने वाली कई तरह की परेशानियों से निजात दिलाते हैं। वहीं दूसरी ओर इसके ब्यूटी बेनिफिट्स भी उतने ही हैं। आप इसका रस निकालकर पीएं या फिर स्किन पर अप्लाई करें। यह

दाग-धब्बों, काले घेरे मिटाने के साथ-साथ स्किन की रंगत भी निखारता है। खीरे के अगर स्वास्थ्य लाभों की बात हो तो इसमें 96 प्रतिशत पानी पाया जाता है, जो शरीर को निर्जलीकरण से बचाता है। वहीं इसमें मैगनेशियम व पोटेशियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। यह शरीर को भीतर से डिटॉक्सीफाई करता है, जिससे आप लाइट महसूस करते हैं और जब शरीर के भीतर से विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाते हैं तो उसका असर स्किन पर भी साफ तौर पर नजर आता है। खीरे के उपयोग से किसी भी व्यक्ति को आंखों में सूजन व काले घेरे से निजात मिलती है। वहीं इसमें मौजूद बायोटिन, विटामिन ए, बी 1 और सी, और पोटेशियम के कारण इसका उपयोग करने से स्किन दमकने लगती है।खीरे की मदद से टोनर बनाकर स्किन को बेहतरीन तरीके से टोन किया जा सकता है। इस टोनर को बनाने के लिए पहले आप खीरे को कद्दूकस करके उसका रस निकालें। अब आप इसमें नींबू का रस या ग्रीन टी या पुदीने का प्रयोग कर सकते हैं। आप इस टोनर को किसी स्प्रे बोतल में स्टोर करके फ्रिज में रखें और गर्मी के दिनों में इस टोनर से स्प्रे करने पर आपको ठंडक भी मिलेगी और स्किन भी दमकती रहेगी। खीरे को आप सिर्फ टोनर ही नहीं, बल्कि फेस मास्क की तरह भी लगा सकती हैं। अगर आपको गर्मी में सनबर्न हो गया है या आप टैनिंग से निजात पाना चाहती हैं तो आप कद्दूकस किया हुआ खीरा या फिर खीरे के रस को सीधे ही स्किन पर अप्लाई करें। इसके अतिरिक्त ब्लेमिश दूर करने के लिए दही में कद्दूकस किया हुआ खीरा मिक्स करें और बतौर फेस मास्क अप्लाई करें।

महिलाओं के लिए बांझपन का बड़ा कारण बन रही है टीबी

टीबी यानी ट्यूबरकुलोसिस (क्षय रोग) न सिर्फ जानलेवा है, बल्कि महिलाओं के लिए भी बांझपन का बड़ा कारण बनकर भी सामने आई है। इस बीमारी के बैक्टीरिया महिलाओं को मातृत्व सुख से भी वंचित कर रहे हैं।महिलाएं पेल्विक यानी उदर क्षेत्र के दर्द को सामान्य समझती हैं पर असल में ऐसा टीबी की वजह से भी हो सकता है। इसका खुलासा जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के चेस्ट-गायनी विभाग की स्टडी में किया गया है। गुरुवार को वर्ल्ड टीबी डे पर इस बार इन्वेस्ट टू एंड टीबी सेव लाइफ थीम रखी गई है।डॉक्टरों ने अध्ययन में 20-30, 31-40 और 40 से ऊपर वर्ष की महिलाओं के तीन ग्रुप बनाए। इनमें 70 विवाहित और 20 अविवाहित महिलाओं को शामिल किया गया। इनमें 51 फीसदी ग्रामीण तो 49 फीसदी शहरी क्षेत्र की रहीं। सभी महिलाओं को पेल्विक दर्द हो रहा था लेकिन वे

इसे सामान्य मानकर टाल रही थीं। दर्द जब बढ़ने लगा तो विशेषज्ञों के पास इलाज के लिए पहुंचीं।सभी का हिस्टोपैथोलॉजिकल परीक्षण के साथ सीबीनॉट टेस्ट भी कराया गया। कुछ ब्लड टेस्ट कराए गए तो पाया गया कि अधिकांश को जेनिटल टीबी हो गई है। 64.3 फीसदी महिलाओं में टीबी की वजह से बांझपन सामने आया। फेलोपिन ट्यूब भी अनियमित मिली। स्त्री रोग तो 68 फीसदी तक में पाए गए। डॉ.सुधीर चौधरी, (पूर्व प्रोफेसर चेस्ट विभाग जीएसवीएम) कहते हैं कि सामान्य तौर पर टीबी को लोग फेफड़ों से जोड़ देते हैं लेकिन स्टडी बता रही है कि जेनिटल टीबी महिलाओं को मातृत्व सुख देने में बैरियर पैदा कर रही है। इस तरह के पेल्विक दर्द को टालना खतरनाक हो सकता है क्योंकि एक बार बांझपन होने का मतलब है कि मल्टीपल स्त्री रोग होना। ऐसे में भविष्य में भी परेशानी बढ़ती है और लंबे समय तक इलाज कराना पड़.ता है। वहीं डॉ. आनंद कुमार, (हेड चेस्ट विभाग जीएसवीएम) सलाह देते है कि स्टडी के सहारे महिलाओं को अलर्ट होना होगा। पेल्विक दर्द को नजरअंदाज नहीं करना है। हर वर्ग की महिलाओं में इस तरह की टीबी से मातृत्व सुख से वंचित होने के केस मिले हैं।

आत्महत्या की वजह बन सकता है डिप्रेशन

भोजपुरी एक्ट्रेस आकांक्षा दुबे ने वाराणसी के एक होटल में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। अभिनेत्री की मौत की खबर सामने आने के बाद से ही हर कोई हैरान है। हालांकि, अभी तक आत्महत्या की वजह का कोई पता नहीं चल सका है, लेकिन पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। आकांक्षा दुबे भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री थीं। लेकिन कुछ साल पहले वह डिप्रेशन का शिकार हो गई थीं। इसके बाद उन्होंने काम करना बंद कर दिया था। बीते कुछ समय से हमें लगातार ऐसी कई खबरें सुनने को मिल रही हैं, जहां डिप्रेशन या तनाव की वजह से लोग निराश होकर जान दे रहे हैं। आकांक्षा दुबे से पहले कई जाने-माने कलाकार मौत को गले लगाकर लोगों को हैरान कर चुके हैं। लेकिन आखिर ऐसी क्या वजह होती है कि लोग खुदकुशी जैसा बढ़ा कदम उठा लेते हैं। जानते हैं कुछ ऐसी वजहों के बारे में, जो व्यक्ति को आत्महत्या जैसा बढ़ा कदम उठाने के लिए मजबूर करती है। बीते कुछ

समय से दुनियाभर में खुदकुशी एक चिंता का विषय बना हुआ है। लगभग हर वर्ग के लोग लगातार जिंदगी से हताश होकर अपनी जान दे रहे हैं। आमतौर पर आत्महत्या का मुख्य कारण डिप्रेशन ही माना जाता है, लेकिन जरूरी नहीं कि इसकी कोई एक वजह हो। कई अन्य कारणों के चलते भी लोग यह कदम उठा लेते हैं।अगर आप अपने आसपास किसी व्यक्ति में ऐसे लक्षण देख रहे हैं, तो सकता है कि वह डिप्रेशन से गुजर रहा है और तनाव महसूस कर रहा है। ऐसे में आप उनकी ऐसी स्थिति में मदद कर सकते हैं। डिप्रेशन से गुजर रहे व्यक्ति के लिए यह बेहतर है कि आप उनकी बात सुनें। निराश व्यक्ति किसी से कोई जवाब या समाधान नहीं चाहता। उसे बस एक ऐसे सुरक्षित स्थान की चाह होती है, जहां वह अपने भय और चिंताओं को व्यक्त कर सकें और जहां उसकी बात सुनी जाए। आप इन तरीकों से अवसादग्रस्त व्यक्ति की मदद कर सकते हैं। बात सुनने वाला व्यक्ति- अवसाद से जूझ रहा व्यक्ति अपने पास एक ऐसे शख्य को चाहता है, जो उनकी बातों को सुने। यह व्यक्ति ऐसा होना चाहिए, जो बिना कोई निर्णय, राय या सलाह के सिर्फ डिप्रेशन से गुजर रहे व्यक्ति की बातों को सुने। विश्वासपात्र व्यक्ति- निराश और हताश व्यक्ति एक विश्वासपात्र व्यक्ति की तलाश में रहता है, जो उनकी बातें सुनने के बाद उनकी भावनाओं का सम्मान करें। वह चाहता है कि ऐसा व्यक्ति उनकी बातों को गुप्त ही रखे और उन पर हावी होने की कोशिश ना करें।ध्यान देने वाला व्यक्ति- मानसिक समस्या से पीड़ित व्यक्ति अपने पास किसी ऐसे शख्स को चाहता है, जो जरूरत पड़ने पर उनके साथ मौजूद रहे और उन्हें मानसिक तौर पर शांति दे।

जमीन पर सोने की आदत अनिद्रा से राहत ही नहीं स्ट्रेस को भी रखती है दूर

अगर आपको रात को अच्छी नींद नहीं आती और सुबह उठते ही आप थका हुआ चिड़चिड़ा महसूस करते हैं तो हो सकता है आपको अपने सोने के तरीके में कुछ बदलाव करने की जरूरत हो। जी हां अक्सर देखा गया है कि लोग जिस गद्दे पर सोते हैं उसके मोटे या पतले होने की वजह से उन्हें सेहत से जुड़ी कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में जमीन पर सोने से आप तनाव ही नहीं अनिद्रा जैसी कई तरह की दिक्कतों को भी दूर कर सकते हैं। आइए जानते हैं जमीन पर सोने से व्यक्ति को मिलते हैं कौन से फायदे।

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर एंड स्ट्रोक की मानें तो पीठ दर्द से पीडि.त लोगों को सख्त सतह पर सोने की सलाह देता है। ऐसे में जमीन पर सोने से पीठ दर्द में राहत मिल सकती है। बॉडी पोस्चर ठीक न होने पर पीठ दर्द की समस्या के साथ रीढ़ की हड्डी का डिस्प्लेस होने और चोट का

खतरा भी बढ़ सकता है। लेकिन फर्श पर सोने से आपके लिए अपनी रीढ़ को सीधा रखना आसान हो सकता है।कई बार सोने के लिए यूज किया जाने वाला गद्दा अनिद्रा या नींद न आने जैसी समस्या का कारण बन जाता है। दरअसल, सोने के लिए ठीक सतह के न मिल पाने की वजह से कई लोगों को रात को नींद नहीं आती है। ऐसे में फर्श पर सोना सही विचार हो सकता है। हालांकि शुरुआत में व्यक्ति को थोड़ी परेशानी जरूर हो सकती है, लेकिन एक बार जब आपके शरीर को इसकी आदत लग जाएगी तो आपको जमीन पर सोने में ज़्यादा अच्छा लगेगा।

बच्चों की तरह करियर के अंतिम समय का आनंद लेना चाहते हैं धोनी, टीम के पलों को साझा किया

आरएनएस

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिए करीब छह साल हो चुके हैं, लेकिन उन्होंने आईपीएल से नाता नहीं तोड़ा है। धोनी के आईपीएल से संन्यास लेने की खबरें हमेशा ही चलती हैं, लेकिन माही चाहते हैं कि वह अपने करियर के शेष क्रिकेट का आनंद एक बच्चे की तरह लें। धोनी 22 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए खेलते नजर आएंगे।

43 वर्षीय इस पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने भारत को अपनी कप्तानी में 2011 वनडे विश्व कप और 2007 में टी20 विश्व कप का खिताब दिलाया था। इसके बाद टीम ने 2013 में उन्हें की नेतृत्व में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। धोनी भारत के लिए अंतिम बार जून 2019 में खेलने उतरे थे और उन्होंने अगस्त 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। हालांकि, वह आईपीएल में अभी भी खेलते हैं। धोनी इस बार आईपीएल में अनकैप्ड खिलाड़ी के तौर पर उतरेंगे क्योंकि उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिए पांच साल से ज्यादा हो चुके हैं। धोनी ने एक एप के लॉन्च के मौके पर कहा, मैं 2019 से संन्यास ले चुका है और इसमें अब काफी समय हो गया है। मैंने जो भी किया हो, लेकिन मैं अंत में अपने क्रिकेट का आनंद लेना चाहता हूं। अगले कुछ साल मैं खेल सकता हूं और बस इसका आनंद लेना चाहता हूं जैसे बच्चे स्कूल में लेते हैं। मैं एक कॉलोनी में रहा था और शाम को चार बजे खेल के समय में हम क्रिकेट खेला करते थे, लेकिन अगर मौसम सही नहीं रहता था को हम लोग फुटबॉल खेलते थे। मैं बस अब उसी तरह खेलना चाहता हूं। धोनी ने कहा कि भारतीय खिलाड़ी के तौर पर उनका ध्यान हमेशा देश के लिए सर्वश्रेष्ठ देना रहा, बाकी अन्य चीजें हमेशा दूसरे

स्थान पर रहीं। धोनी ने कहा, एक क्रिकेटर के तौर पर मैं हमेशा भारतीय क्रिकेट के लिए प्रदर्शन करना चाहता था क्योंकि मैंने पहले भी ऐसा कहा है कि सभी को देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका नहीं मिलता है। एक क्रिकेट के तौर पर हम जब भी बड़े टूर्नामेंट में जाते है या दौरा करते हैं तो हमारे पास देश के लिए खिताब जीतने का मौका होता है। मेरे लिए हमेशा देश पहले है। धोनी ने युवा खिलाडि़यों को सलाह दी कि वह यह देखें कि उनके लिए क्या अच्छा है और तभी अपनी प्राथमिकता सेट करें। उन्होंने कहा, आपको हमेशा यह देखना होता है कि आपके लिए क्या सही है। जब मैं खेलता था तो यह सुनिश्चित करता था कि क्रिकेट मेरे लिए सबकुछ है और अन्य कोई चीज मायने नहीं रखती है। मैं किस समय सो रहा हूं, किस वक्त उठ रहा हूं। मेरे लिए यह जरूरी था कि मेरे क्रिकेट को क्या प्रभावित कर रहा है। उन्होंने कहा, आपको पता होना चाहिए कि दोस्ती, मस्ती ये सभी चीजें बाद में भी हो सकती हैं। हर चीज का एक सही समय होता है और मेरा मानना है कि अगर आप इन चीजों को समझ पा रहे हो तो यह आपके लिए सबसे बेहतर चीज होगी।

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने एक कार्यक्रम के दौरान तनाव मुक्त जीवन को लेकर मंत्र दिया है। धोनी अपने करियर के दौरान कैप्टन कूल के नाम से जाने जाते थे और मैदान पर शांत रहने की उनकी प्रवृति के सभी लोग कायल है। धोनी ने तनाव मुक्त जीवन जीने को लेकर अपने रहस्य को साझा किया। उन्होंने खुद को लापरवाह इंसान बताया जो अपनी रात की नींद इस बात पर ध्यान देकर खराब नहीं करता कि अन्य लोग उनके बारे में क्या सोच रहे हैं।43 वर्षीय इस पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने भारत को अपनी कप्तानी में 2011 वनडे विश्व कप और 2007 में टी20 विश्व कप का खिताब दिलाया था। इसके बाद टीम ने 2013 में उन्हें की नेतृत्व में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। धोनी भारत के लिए अंतिम बार जून 2019 में खेलने उतरे थे और उन्होंने अगस्त 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। हालांकि, वह आईपीएल में अभी भी खेलते हैं। धोनी को एक कार्यक्रम में अपने प्रशंसकों को सलाह देने के लिए कहा गया तो वह दार्शनिक हो गए। इस दौरान भारत के चोटिल विकेटकीपर बल्लेबाजी संजू सैमसन भी मौजूद थे। धोनी ने कहा, मेरा मानना है कि जीवन को सरल बनाए रखें। खुद के प्रति ईमानदार रहें, लोगों के प्रति कृतज्ञता रखें, जो कुछ भी वे आपके लिए कर रहे हैं। हमेशा यह नहीं सोचें कि यह मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और अधिक की मांग करें। धोनी ने क्षमा करने की प्रवृत्ति पर जोर दिया जो उन्हें लगता है कि लोगों में अभी कम है। धोनी ने कहा, मुझे हमेशा लगता है कि आपके चेहरे पर मुस्कान होने से आधी समस्या हल हो जाती है। भले ही आप आरामदायक स्थिति में नहीं हों, भले ही ऐसा करना कठिन हो, लेकिन क्षमा करने की शक्ति होनी चाहिए। यह एक ऐसी चीज है जो हमारे में से बहुत से लोगों के पास नहीं है। हम बहुत बदला लेने वाले लोग बन गए हैं। इसने मुझे ऐसा बोला, मैंने ऐसा बोला...बस माफ कर दो, आगे बढ़ो, जीवन में खुश रहो, क्योंकि हम जो भी करते हैं, जब हम बड़े हो रहे थे तो हम हमेशा जीवन में खुश रहना चाहते थे। धोनी ने कहा कि कुछ चीजों के प्रति लापरवाह होना दिन-प्रतिदिन के जीवन के दबाव को संतुलित करने में मदद करता है। उन्होंने कहा, हम सभी दबाव महसूस करते हैं। हमें हमेशा लगता है कि उसका जीवन बेहतर है लेकिन जो महत्वपूर्ण है वह यह है कि आप उस तनाव का प्रबंधन कैसे करते हैं, आप कितने तैयार हैं। मैं इसे बहुत सरल रखता हूं। बड़े होते हुए हमें बताया गया था कि आप लापरवाह नहीं हो सकते। लेकिन मुझे लगता है कि आज के माहौल में थोड़ा लापरवाह होना महत्वपूर्ण है क्योंकि आप अपने आस-पास होने वाली हर चीज के बारे में चिंता नहीं कर सकते। आप वे चीजें नहीं कर सकते जो आपके नियंत्रण में नहीं हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हुए फखर जमां, मुकाबले के लिए दुबई रवाना हई पाक टीम

आरएनएस

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट टीम कट्टर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी मुकाबले के लिए सलामी बल्लेबाज फखर जमां के बिना दुबई के लिए रवाना हो चुकी है। फखर को 19 फरवरी को कराची में न्यूजीलैंड के खिलाफ उद्घाटन मैच के दौरान चोट लग गई थी। फखर का चोटिल होना बड़ा झटका है, क्योंकि सैम अयूब पहले ही चोट की वजह से टूर्नामेंट से बाहर है। फखर ने काफी समय बाद पाकिस्तान टीम में वापसी की थी, लेकिन चोट की वजह से एक मैच के बाद ही उन पर टूर्नामेंट से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है।

न्यूजीलैंड की पारी में फील्डिंग करते समय फखर की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था और वह पारी के अधिकांश समय मैदान से दूर रहे थे। 34 वर्षीय फखर को मुकाबले के दौरान पहले ओवर में सीमा रेखा तक गेंद का पीछा करते समय चोट लग गई थी। वह दूसरी पारी में बल्लेबाजी की शुरुआत करने में सक्षम नहीं थे। इसकी वजह से पाकिस्तान टीम मैनेजमेंट को सऊद शकील को स्टॉप-गैप ओपनर के रूप में भेजने के लिए मजबूर होना पड़ा। फखर ने नंबर चार पर बल्लेबाजी करते हुए 41 गेंदों में 24 रन बनाए, लेकिन अपनी पारी के

दौरान वह संघर्ष करते नजर आए।पाकिस्तान न्यूजीलैंड के खिलाफ ओपनिंग मैच में 60 रनों से हार गया। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) फखर जमां को लेकर कुछ घोषणा करेगी। फखर ने भारत में 2023 विश्व कप में खेलने के बाद चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान टीम में वापसी की थी। इस सलामी बल्लेबाज को घुटने की समस्या का लंबा इतिहास रहा है। अगर फखर अनफिट होते हैं तो पाकिस्तान सलामी बल्लेबाज इमाम उल हक को टीम में शामिल कर सकता है।पहले मैच की बात करें तो सलामी बल्लेबाज विल यंग और टॉम लाथम के शतकों की मदद से न्यूजीलैंड न पाकिस्तान को 60 रन से हरा दिया। यंग ने 113 गेंद में 107 रन बनाए, जबकि लैथम 118 रन पर नाबाद रहे जिसके दम पर न्यूजीलैंड ने 50 ओवर में पांच विकेट पर 320 रन बनाए। ग्लेन फिलिप्स ने कराची में खेले गए मैच में 39 गेंद में 61 रन बनाए।पाकिस्तान के शीर्षक्रम के बल्लेबाज बाबर आजम (90 गेंद में 64 रन), मोहम्मद रिजवान (14 गेंद में तीन रन) और सउद शकील (19 गेंद में छह रन) प्रभावित नहीं कर सके। मेजबान टीम 47.2 ओवर में 260 रन पर आउट हो गई। दो सप्ताह से कम समय में न्यूजीलैंड की पाकिस्तान पर यह तीसरी जीत है। कीवियों ने हाल ही में त्रिकोणीय सीरीज में पाकिस्तान को दो बार हराया था। भारत के खिलाफ मुकाबले से पहले पाकिस्तान के लिए राहत की एकमात्र बात निचले क्रम पर खुशदिल शाह की बल्लेबाजी रही जिन्होंने 49 गेंद में 69 रन बनाए। इसके अलावा उपकप्तान सलमान आगा ने भी 28 गेंद में 42 रन जोड़े। दुबई के इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत-बांग्लादेश के बीच भिड़ंत शुरू हो गई है। जहां बांग्लादेश की तरफ से पहले बल्लेबाजी करने तंजीद हसन और सौम्या सरकार की जोड़ी आई है। वहीं भारत की तरफ से मोहम्मद शमी गेंदबाजी की शुरुआत कर रहे हैं।बता दें कि, फखर जमान को न्यूजीलैंड के खिलाफ ओपनिंग मुकाबले में फील्डिंग करते हुए चोट लगी थी। चोटिल होने के बाद वह काफी देर फील्डिंग करते नजर नहीं आए थे, हालांकि, उन्होंने 321 रनों के टारगेट का पीछा करते हुए बैटिंग जरूर की थी। फखर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 41 गेंदों पर 24 रन बनाए थे।पाकिस्तान टीम के लिए ये दोहरा झटका इसलिए भी है क्योंकि टीम पहले ही अपने स्टार ओपनर सैम अयूब को चोटिल होने की वजह से मिस कर रही है। अब फखर के भी बाहर होने से टीम की मुश्किल और बढ़ गई है। फिलहाल, पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी का डिफेंडिंग चैंपियन है। 2017 में भारत को हराकर टीम ने ये खिताब जीता था। फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान की जीत के हीरो फखर जमान ही रहे थे जिन्होंने 106 गेंदों में 114 रनों की धमाकेदार पारी खेली थी। उनकी इस पारी के दम पर पाकिस्तान ने 50 ओवरों में चार विकेट के नुकसान पर 338 रन बनाए थे।

वहीं भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली चैंपियंस ट्रॉफी में जलवा बिखेरने के लिए तैयार हैं और उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ मैच से पहले चैंपियंस ट्रॉफी को अपना पसंदीदा प्रारूप बताया है। कोहली का कहना है कि इस टूर्नामेंट में आठों टीमों को पहले मैच से ही सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होता है इस कारण उन्हें इसमें हिस्सा लेना पसंद है। चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन आठ साल के बाद हो रहा है। इससे पहले 2017 में फाइनल में पाकिस्तान ने भारत को हराया था।भारतीय टीम गुरुवार को बांग्लादेश के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी में अपना पहला मैच खेलेगी। चैंपियंस ट्रॉफी का मेजबान पाकिस्तान है, लेकिन भारत अपने मुकाबले दुबई में खेलेगा।

क्योंकि भारत ने टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान की यात्रा करने से इन्कार कर दिया था। भारत चैंपियंस ट्रॉफी में ग्रुप ए में शामिल है जिसमें बांग्लादेश, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड भी मौजूद हैं। कोहली ने एक स्पोर्ट्स चैनल से कहा, यह टूर्नामेंट लंबे समय बाद हो रहा है। मुझे हमेशा से यह टूर्नामेंट पसंद था। यह निरंतरता का परिचायक है क्योंकि आपको क्वालिफाई करने के लिए शीर्ष आठ में रहना होता है। प्रतिस्पर्धा का स्तर भी बहुत अच्छा है। वनडे प्रारूप में इसका दबाव टी20 विश्व कप जैसा होता है। वहां भी आपको लीग चरण में तीन या चार मैच मिलते हैं।

चोट के बाद टीम इंडिया में वापसी को लेकर आश्वस्त नहीं था-शमी

आरएनएस

नई दिल्ली। भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने खुलासा किया है कि टखने की चोट के बाद ऐसे क्षण भी आए जब उन्हें डर था कि उनका अंतरराष्ट्रीय करियर खत्म हो जाएगा लेकिन देश के लिए फिर से खेलने की उनकी अटूट इच्छा ने उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नवंबर 2023 में वनडे विश्व कप फाइनल के दौरान शमी के टखने में चोट लग गई थी, जिसके लिए सर्जरी की जरूरत पड़ी। उनके बाएं घुटने में सूजन ने चीजों को और जटिल बना दिया और उन्हें 14 महीने तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर रहना पड़ा।

शमी ने आईसीसी से कहा, 'विश्व कप के दौरान शानदार फॉर्म के बाद मुझे अचानक ही खुद को ऑपरेशन टेबल पर देखना पड़ा। उस शानदार फॉर्म के बाद चोटिल होना वास्तव में बेहद मुश्किल दौर था। पहले दो महीनो में अक्सर मुझे संदेह हो जाता था कि क्या मैं फिर से खेल पाऊंगा या नहीं क्योंकि इस तरह की चोट और 14 महीने तक बाहर रहने से आपके हौसले पस्त हो सकते हैं।'इस 34 वर्षीय खिलाड़ी ने हालांकि इस महीने के शुरू में इंग्लैंड के खिलाफ दो टी20 और इतने ही वनडे मैच में खेल कर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सफल वापसी की। अब जसप्रीत बुमराह के चोटिल होने के कारण चैंपियंस ट्रॉफी में वह भारतीय गेंदबाजी के अगुआ हैं। शमी ने कहा, 'मेरा डॉक्टर से पहले सवाल यही था कि मुझे वापस मैदान पर लौटने में कितना समय लगेगा। डॉक्टर ने मुझसे कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता मुझे चलाना, फिर जॉगिंग कराना और उसके बाद दौड़ाना है। प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में खेलना तो अभी दूर की बात है।'एक सक्रिय खिलाड़ी से बैसाखी पर निर्भर होने का दौर शमी के लिए मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण था।

वनडे में लगातार 11वां टॉस हारा भारत, नीदरलैंड के इस अनचाहे रिकॉर्ड की बराबरी की

आरएनएस

नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी में गुरुवार को बांग्लादेश के खिलाफ मैच से भारत के अभियान की

शुरुआत हो गई। ग्रुप-ए का यह मुकाबला दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मैच में बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हसन शांतो ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। यह लगातार चौथी बार रहा जब भारतीय कप्तान रोहित शर्मा टॉस हारे हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के तीनों मैचों में भी टॉस गंवाया था। चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में यह क्रम जारी रहा। हालांकि, इंग्लैंज के खिलाफ टीम इंडिया सीरीज जीतने में कामयाब रही थी। भारत ने 3-0 से इंग्लैंड का सूपड़ा साफ किया था।

भारतीय टीम ने वनडे में लगातार 11वां टॉस गंवाया है। टीम 2023 वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के मैच के बाद से कोई टॉस जीत नहीं सकी है। इस दौरान भारतीय टीम 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज, श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज और इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में टॉस गंवा चुकी है। इस दौरान भारत ने पिछले 10 वनडे मैचों में से पांच जीते हैं, जबकि चार में हार मिली है। एक मैच टाई रहा है। वनडे में लगातार सबसे ज्यादा टॉस हारने के मामले में भारत ने नीदरलैंड की बराबरी की। भारत और नीदरलैंड अब संयुक्त रूप से सबसे आगे है। नीदरलैंड की टीम मार्च 2011 से लेकर अगस्त 2013 तक लगातार 11 वनडे में टॉस हारी थी। वहीं, आईसीसी के नियमित सदस्य देशों में भारत के आंकड़े सबसे ज्यादा हैं। भारतीय कप्तान रोहित ने प्लेइंग-11 में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे से कुछ बदलाव किए।

वरुण चक्रवर्ती और अर्शदीप सिंह को बाहर किया गया। मोहम्मद शमी और रवींद्र जडेजा की वापसी हुई है। भारतीय टीम आईसीसी इवेंट में अपनी जीत के सिलसिले को बरकरार रखने उतरी है। बांग्लादेश के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी में भारत का रिकॉर्ड शानदार रहा है। बता दें कि, वर्ल्ड कप 2023 के बाद से ज्यादातर मैचों में रोहित शर्मा कप्तान रहे हैं, लेकिन एक सीरीज में केएल राहुल भी कप्तान थे, लेकिन किस्मत वहां भी टीम इंडिया के हक में नहीं रही। भारत ने आखिरी बार वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में टॉस वर्ल्ड कप 2023 के सेमीफाइनल में जीता था।

इसके बाद फाइनल में भारत फिर टॉस हारा और इसके बाद कभी भी भारतीय टीम वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में टॉस नहीं जीत पाई है। भारत 11 मैचों में टॉस हार चुका है औरये किसी भी टेस्ट प्लेइंग नेशन के लिए शर्मनाक रिकॉर्ड है। ये शर्मनाक वर्ल्ड रिकॉर्ड की भी बराबरी हो चुकी है। हालांकि, टॉस हारने के इस शर्मनाक रिकॉर्ड के बीच भारत ने ज्यादातर मैच में जीत हासिल की है। टीम इंडिया ने इस शर्मनाक वर्ल्ड रिकॉर्ड के मामले में नीदरलैंड की बराबरी कर ली है।

जीत की हैट्रिक लगाने के इरादे से उतरेगी आरसीबी, मुंबई इंडियंस से होगा सामना

आरएनएस

नई दिल्ली। स्मृति मंधाना की अगुआई वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम शुक्रवार को अपने घरेलू मैदान पर महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के मुकाबले में मुंबई इंडियंस से भिड़ेगी। गत चैंपियन आरसीबी ने अब तक इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन किया है और अपने दोनों मुकाबले जीते हैं। आरसीबी की नजरें अब मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत की हैट्रिक लगाने पर टिकी होगी।

आरसीबी ने डब्ल्यूपीएल के मौजूदा सत्र के पहले मैच में गुजरात जॉयंट्स के खिलाफ 200 से अधिक रन का लक्ष्य हासिल किया था और इसके बाद दिल्ली कैपिटल्स को भी आसानी से हराया था। स्मृति मंधाना की अगुआई वाली टीम के चार अंक हैं और वह अंक तालिका में शीर्ष पर काबिज है। टूर्नामेंट में किसी भी अन्य टीम ने अभी तक अपने सभी मैच नहीं जीते हैं। आरसीबी की टीम को चिननस्वामी स्टेडियम में दर्शकों का अपार समर्थन मिलना तय है। इस मैच में सभी की निगाहें मंधाना पर टिकी रहेंगी जिन्होंने दिल्ली के खिलाफ पिछले मैच में 47 गेंद पर 81 रन की तूफानी पारी खेली थी। भारतीय टीम की उपकप्तान मंधाना इस समय बेहतरीन फॉर्म में चल रही हैं और मुंबई के गेंदबाजों को उन पर अंकुश लगाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे।आरसीबी की तरफ से मंधाना के अलावा एलिसे पेरी, राघवी बिष्ट, ऋचा घोष और युवा कनिका आहूजा ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। आरसीबी हालांकि अपने गेंदबाजी विभाग को लेकर थोड़ा चिंतित होगा क्योंकि उसके गेंदबाज अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। मुंबई की टीम बेहद मजबूत है और उसे हराना आसान नहीं होगा। पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ नैट साइवर-ब्रंट की बेजोड़ बल्लेबाजी (59 गेंदों में 80 रन) और हरमनप्रीत के साथ उनकी 73 रन की साझेदारी के बावजूद टीम को हार का सामना करना पड़ा था और अब हरमनप्रीत कौर की

अगुई वाली टीम दमदार वापसी करने के लिए प्रतिबद्ध होगी।

दोनों टीमें इस प्रकार हैंःमुंबई इंडियंसः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), नादिन डी क्लार्क, संस्कृति गुप्ता, साइका इशाक, शबनीम इस्माइल, जिन्तिमनी कलिता, जी कमलिनी, अमनदीप कौर, अमनजोत कौर, सत्यमूर्ति कीर्तन, अमेलिया केर, अक्षिता माहेश्वरी, हेले मैथ्यूज, सजीवन सजना, नट साइवर-ब्रंट, पारुनिका सिसौदिया, क्लो ट्राईटन।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरुः स्मृति मंधाना (कप्तान), कनिका आहूजा, एकता बिष्ट, चार्ली डीन, किम गार्थ, ऋचा घोष, हीदर ग्राहम, वीजे जोशिता, सब्बिनेनी मेघना, नुजहत परवीन, जाग्रवी पवार, एलिसे पेरी, राघवी बिस्ट, सन्हे राणा, प्रेमा रावत, रेणुका सिंह, जॉजिन्या वेयरहम, डैनी व्याट-हॉज।

लप्पू सा कैच नहीं लपक पाए रोहित शर्मा, कप्तान की गलती के कारण हैट्रिक से चूके अक्षर पटेल

आरएनएस

नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी का आगाज हो चुका है। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत बांग्लादेश के खिलाफ मैच से कर रही है। दुबई के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे इस मुकाबले में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा से एक ऐसी गलती हो गई जिससे अक्षर पटेल हैट्रिक से चूक गए। हिटमैन एक आसाना सा कैच नहीं ले पाए।यह घटना बांग्लादेश की पारी के नौवें ओवर की है। अपना

पहला ओवर फेंकने आए अक्षर पटेल ने दूसरी ही गेंद पर बांग्लादेश को चौथा झटका तंजीद हसन के रूप में दिया। इसके बाद अगली गेंद पर पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए मुशफिकुर रहीम को भारतीय स्पिनर ने अपना शिकार बनाया। वह खाता खोले बिना आउट हुए। अब अक्षर हैट्रिक से सिर्फ एक विकेट दूर थे। बाएं हाथ के गेंदबाज ने चौथी गेंद बाहर की तरफ डाली जिसपर जाकिर अली ने आगे बढ़कर इसे रोकने की कोशिश की लेकिन गेंद बल्ले से लगकर सीधे फर्स्ट स्लिप पर खड़े रोहित शर्मा की तरफ चली गई। हिटमैन ने इस कैच को लपकने की कोशिश की लेकिन वह चूक गए। उनकी इस गलती के कारण अक्षर तीसरा विकेट लेने में कामयाब नहीं हुए। लप्पू से कैच को लपकने से चूके हिटमैन ने निराशा निराशा भी जताई। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है।चैंपियंस ट्रॉफी में अपन पहला मैच खेल रही दोनों टीमें आज जीत का लक्ष्य लेकर उतरी है, लेकिन भारतीय टीम बांग्लादेश के बल्लेबाजों पर भारी पड़ती नजर आ रही है। 19 ओवर का खेल पूरा हो चुका है और बांग्लादेश ने पांच विकेट गंवाकर सिर्फ 70 रन बनाए हैं। उनके लिए अब तक सर्वाधिक रन तंजीद हसन ने बनाए हैं, वह 25 गेंदों में 25 रन बनाकर पवेलियन लौटे। वहीं, उनके दो बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल सके, जबकि मेहदी हसन मिराज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके।रोहित शर्मा ने जो कैच छोड़ा वो पूरी तरह से उनकी हाथ में आ गई थी, लेकिन गेंद फिर उनके हाथों से फिसल गई और इस कैच के छूटने के बाद कप्तान रोहित शर्मा बुरी तरह से झुंझला गए और अपने हाथों से मैदान को पीटते नजर आए। रोहित ने जो कैच छोड़ा वो ज्यादा मुश्किल नहीं था, लेकिन शायद अक्षर पटेल की किस्मत में हैट्रिक नहीं लिखा था और वो इससे चूक गए। इस मैच में बांग्लादेश ने टॉस जीता था और पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने ाई बांग्लादेश की टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और इस टीम ने पहले ही ओवर में 2 विकेट गंवा दिए। वहीं इस मैच की पहली पारी में रोहित शर्मा ने 9वां ओवर फेंकने के लिए गेंद अक्षर पटेल के हाथों में दी और उन्होंने इस ओवर की दूसरी गेंद पर तंजीद हसन को केएल राहुल के हाथों कैच आउट करवा दिया जिन्होंने 25 गेंदों पर 25 रन बनाए थे। इसके बाद तीसरी गेंद पर मुश्फिकुर रहीन को डक पर केएल राहुल के हाथों से कैच करवाकर पवेलियन भेज दिया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अंकुर शुक्ला द्वारा शुक्ला ग्राफिक्स एंड प्रिंटर्स, प्लाट नम्बर 10, गणपति कॉम्पलेक्स मार्केट कल्यानपुर कानपुर नगर से मुद्रित व 45, सराय मसवानपुर रावतपुर कानपुर नगर से प्रकाशित
संपादक – अमन कुमार, मो. – 9451910061 (समाचार पत्र के सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कानपुर न्यायालय होगा)